वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 7 ● अंक 294 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली सोमवार 27 जनवरी 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

गणतंत्र दिवसः राजपथ पर दुनिया ने देखी भारत की ताकत

नए हथियार, महिला बाइकर्स और हेलिकॉप्टर ने किया चकित, दुनिया ने देखी संस्कृति की झलक

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। राजपथ पर देश के भव्य इतिहास, विशाल संस्कृति, हथियारों के प्रदर्शन के बीच रविवार को 71वें गणतंत्र दिवस का जश्न मनाया गया। ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो भारत के 71वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने राजपथ पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य नेताओं के साथ भव्य परेड का आनंद उठाया। इससे पहले 1996 और 2004 में ब्राजील के राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि बन चुके हैं। इस वर्ष समारोह में कई चीजें पहली बार हुईं। इसमें प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करना भी शामिल है। पीएम मोदी ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर इंडिया गेट पर स्थित अमर जवान ज्योति के बजाय पहली बार यहां नवनिर्मित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी।

इंडिया गेट परिसर स्थित इस स्मारक का पिछले साल 25 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया था।भारतीय वायु सेना में शामिल किए गए चिनूक और अपाचे युद्धक हेलीकॉप्टर भी आकर्षण का केन्द्र बने। डीआरडीओ की उपग्रह भेदी (एसैट) हथियार प्रणाली को भी यहां प्रदर्शित किया गया। समारोह में विभिन्न राज्यों और मंत्रालयों की 22 झांकियों के जरिए देशवासियों को अलगअलग संदेश दिए गए। गोवा ने जहां मेढक बचाओ का संदेश दिया वहीं जम्मूकश्मीर ने गांव की ओर लौटो कार्यक्रम से लोगों को अवगत

कराया। वहीं पंजाब की झांकी गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व के नाम रही। इन 22 झांकियों में 16 झांकियां विभिन्न राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की थी और अन्य छह मंत्रालयों, विभागों और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की थी। जल शक्ति मंत्रालय ने भी एक झांकी निकाली, जिसमें जल जीवन मिशन पहल को प्रदर्शित किया गया। इस मिशन का लक्ष्य 2024 तक हर गांव में हर घर तक पाइप लाइन के जरिए पानी पहुंचाना है।

धनुष तोप का भी प्रदर्शन किया, यह प्रदर्शन कैप्टन मृगांक भारद्वाज की कमान में किया गया। 155एमएम/45 कैलीबर धनुष तोप को होवित्जर तोप की तरह डिजाइन किया गया है। यह आयुध निर्माणी बोर्ड द्वारा स्वदेश निर्मित है। अधिकतम 36.5 किलोमीटर दूरी की मारक क्षमता वाली इस तोप में स्वचालित बंदूक अलाइनमेंट और पोजिशनिंग की क्षमता है।

भारतीय वायु सेना में शामिल किए गए चिनूक और अपाचे युद्धक हेलीकॉप्टर गणतंत्र दिवस की भव्य सैन्य परेड में आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे। चिनूक दूरदराज के स्थानों तक व्यापक स्तर पर सामग्री को पहुंचा सकता है। यह ट्वीन रोटर वाला हेलीकॉप्टर है जिससे भारतीय वायु सेना की सैन्य और आपदा संबंधी भार क्षमता बढ़ी है। वहीं अपाचे हवा से हवा और हवा से जमीन पर मार करने वाली मारक क्षमता वाला हेलीकॉप्टर है जो दुश्मनों पर कहर ढा सकता है। गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर समेत मोदी सरकार के ज्यादातर मंत्री इस मौके पर मौजूद रहे। इसके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और एच. डी. देवेगौड़ा तथा कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद भी राजपथ पर उपस्थित थे।

गौरव चंदेल मर्डरः 20 दिन बाद पहली गिरफ्तारी

नोएडा। नोएडा एक्सटेंशन में हुई गौरव चंदेल की सनसनीखेज हत्या के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को हापुड़े के धौलाना से गिरफ्तार कर लिया है। अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी का संबंध आशू जाट के गैंग से है। हापुड़ पुलिस और नोएडा एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली है। आशू दो बीजेपी नेताओं की हत्या का मुख्य आरोपी है और कुछ दिन पहले ही पुलिस के चंगुल से फरार हुआ है। हापुड़ पुलिस ने उस पर 1 लाख रुपये का इनाम भी रखा है। गिरफ्तार आरोपी का नाम उमेश बताया जा रहा है। उमेश पर भी 25 हजार का इनाम था। आशू जाट की पत्नी के पास से एक पिस्तौल भी बरामद की गई है। पुलिस ने कुछ दिन पहले चंदेल की कार को गाजियाबाद के मसूरी इलाके से बरामद किया था। इसकी नंबर प्लेट टूटी हुई थी। पुलिस कार को जरिया बनाकर हत्यारों की तलाश कर रही थी। गौरव चंदेल गुड़गांव की एक निजी कंपनी में रीजनल मैजनेजर थे और 6 जनवरी की रात ऑफिस से घर लौटते वक्त उनकी हत्या हो गई थी। इसके बाद से उनकी कार भी गायब थी। चंदेल का शव गौड़ सिटी के पास मिला था। इस हत्याकांड के खिलाफ स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए थे। प्रदर्शन के चलते पुलिस पर दबाव बना हुआ था। नोएडा के नए कमिश्नरेट बनने के बाद यह हत्याकांड पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती है।

EU संसद में लाया गया CAA के खिलाफ प्रस्ताव

यूरोपीय यूनियन संसदः नागरिकता देने के तरीके में होगा खतरनाक बदलाव

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली/लंदन । संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) को लेकर देश में मचे हंगामे के बीच अब यह मुद्दा यूरोपीय यूनियन की संसद तक पहुंच गया है। यूरोपीय संसद सीएए के खिलाफ पेश किए गए प्रस्ताव पर बहस और मतदान करेगी। संसद में इस सप्ताह की शुरुआत में यूरोपियन यूनाइटेड लेफ्ट/नॉर्डिक ग्रीन लेफ्ट (जीयूई/एनजीएल) समूह ने प्रस्ताव पेश किया था जिस पर बुधवार को बहस होगी और इसके एक दिन बाद मतदान होगा। इस प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र के घोषणापत्र, मानवाधिकार की सार्वभौमिक घोषणा (यूडीएचआर) के अनुच्छेद 15 के अलावा 2015 में हस्ताक्षरित किए गए भारतयूरोपीय संघ सामरिक भागीदारी संयुक्त कार्य योजना और मानवाधिकारों पर यूरोपीय संघभारत विषयक संवाद का जिक्र किया गया है।

विश्व में पैदा होगा होगा संकट

प्रस्ताव में भारत से अपील की गई है कि सीएए के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों के साथ रचनात्मक बातचीत हो और भेदभावपूर्ण सीएए को निरस्त करने की उनकी मांग पर

विचार किया जाए। प्रस्ताव में कहा गया है, सीएए भारत में नागरिकता तय करने के तरीके में खतरनाक बदलाव करेगा। इससे नागरिकता विहीन लोगों के संबंध में बड़ा संकट विश्व में पैदा हो सकता है और यह बड़ी मानव पीड़ा का कारण बन सकता है।

देश में सीएए का विरोध

सीएए भारत में पिछले साल दिसंबर में लागू किया गया था जिसको लेकर देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। भारत सरकार का कहना है कि नया कानून किसी की नागरिकता नहीं छीनता है बल्कि इसे पड़ोसी देशों में उत्पीड़न का शिकार हुए अल्पसंख्यकों की रक्षा करने और उन्हें नागरिकता देने के लिए लाया गया है। केरल, पंजाब और राजस्थान की विधानसभाओं में भी इस कानून के खिलाफ प्रस्ताव पास किया गया है।

अमेरिका ने भी की है टिप्पणी

एक दिन पहले ही अमेरिका की टॉप राजनियक ने भी भारत के कानून को लेकर टिप्पणी की है। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री एलिस वेल्स ने कहा कि कानून के तहत सभी को बराबर संरक्षण दिया जाए। हाल ही में दिल्ली से लौटीं वेल्स ने कहा, मैं कहूंगी कि सड़कों पर, विपक्ष, मीडिया या फिर कोर्ट में गहन लोकतांत्रिक परख हो रही है। हम कानून के तहत सभी को बराबर संरक्षण के सिद्धांत की महत्ता को रेखांकित करते हैं।

शरजील पर शिकंजा, ढूंढ रहीं 5 राज्यों की पुलिस

शरजील पर दो और राज्यों में केस, बिहार में गिरफ्तारी के लिए रेड

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ। असम को देश के बाकी हिस्सों से काटने के भड़काऊ बयान के बाद जेएनयू के पूर्व छात्र शरजील इमाम पर लगातार पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। दिल्ली और असम के बाद शरजील इमाम पर रविवार (26 जनवरी) को अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में भी देशद्रोह का मामला दर्ज कर लिया गया है। उधर, बिहार के जहानाबाद में पुलिस ने शरजील इमाम के घर पर छापेमारी की है।

जहानाबाद जिले के शरजील इमाम पर के घर पहुंची दिल्ली और यूपी की पुलिस ने स्थानीय थाने की पुलिस के सहयोग से शनिवार की रात में ही काको मलिक टोला में छापेमारी की। पुलिस ने रात के समय उसके चचेरे भाई समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया था, हालांकि बाद में पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। शरजील इमाम जहानाबाद जिले के काको निवासी महरूम अकबर इमाम का बेटा है। एसपी मनीष ने बताया कि दिल्ली की पुलिस आई थी और आरोपी शरजील इमाम की गिरफ्तारी के लिए यह छापेमारी की गई। उधर, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने ट्वीट करते हुए कहा, ÷इस तरह का भड़काऊ बयान जिसमें भारत के बाकी हिस्सों से असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों को अलग करने की बात कही गई है, से सांप्रदायिक विद्वेष पैदा करना, भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता में बाधा डालना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ईटानगर की अपराध शाखा ने शरजील इमाम के खिलाफ देशद्रोह और धर्म, जाति,

भाषा व जन्म के आधार पर द्वेष फैलाने के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 124 (ए) और 153 (ए) के तहत मामला दर्ज किया है। इससे पहले शनिवार को असम और रविवार को दिल्ली में भी शरजील इमाम के खिलाफ केस दर्ज किया जा चुका है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बिरेन सिंह ने ट्वीट किया, आपत्तिजनक वीडियो पर संज्ञान लेते हुए जिसमें इमाम ने देश के बाकी हिस्सों से उत्तरपूर्व को अलग करने की धमकी दी है, मणिपुर पुलिस ने उसके (इमान) के खिलाफ आईपीसी की कई धाराओं के तहत राजद्रोह का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया है।

शरजिल इमामल पर असम को देश के बाकी हिस्से से काटने के विवादित भाषण देने के आरोप में रविवार (26 जनवरी) को मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि उसने पिछले साल 13 दिसंबर को भी जामिया मिल्लिया इस्लामिया में भी ऐसा ही भाषण दिया था और इसके बाद सरकार के खिलाफ उकसावे वाला एक और भाषण दिया जो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से चल रहा है। पुलिस ने आगे बताया कि इन भाषणों से धार्मिक सौहार्द्रता और भारत की एकता एवं अखंडता के नुकसान पहुंचाने की संभावना है जिसके लिए उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि इमाम के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 124 ए, 153ए और 505 के तहत मामला दर्ज किया गया है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) परिसर में 16 जनवरी को दिए भाषण के लिए इमाम के खिलाफ शनिवार (25 जनवरी) को राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया।

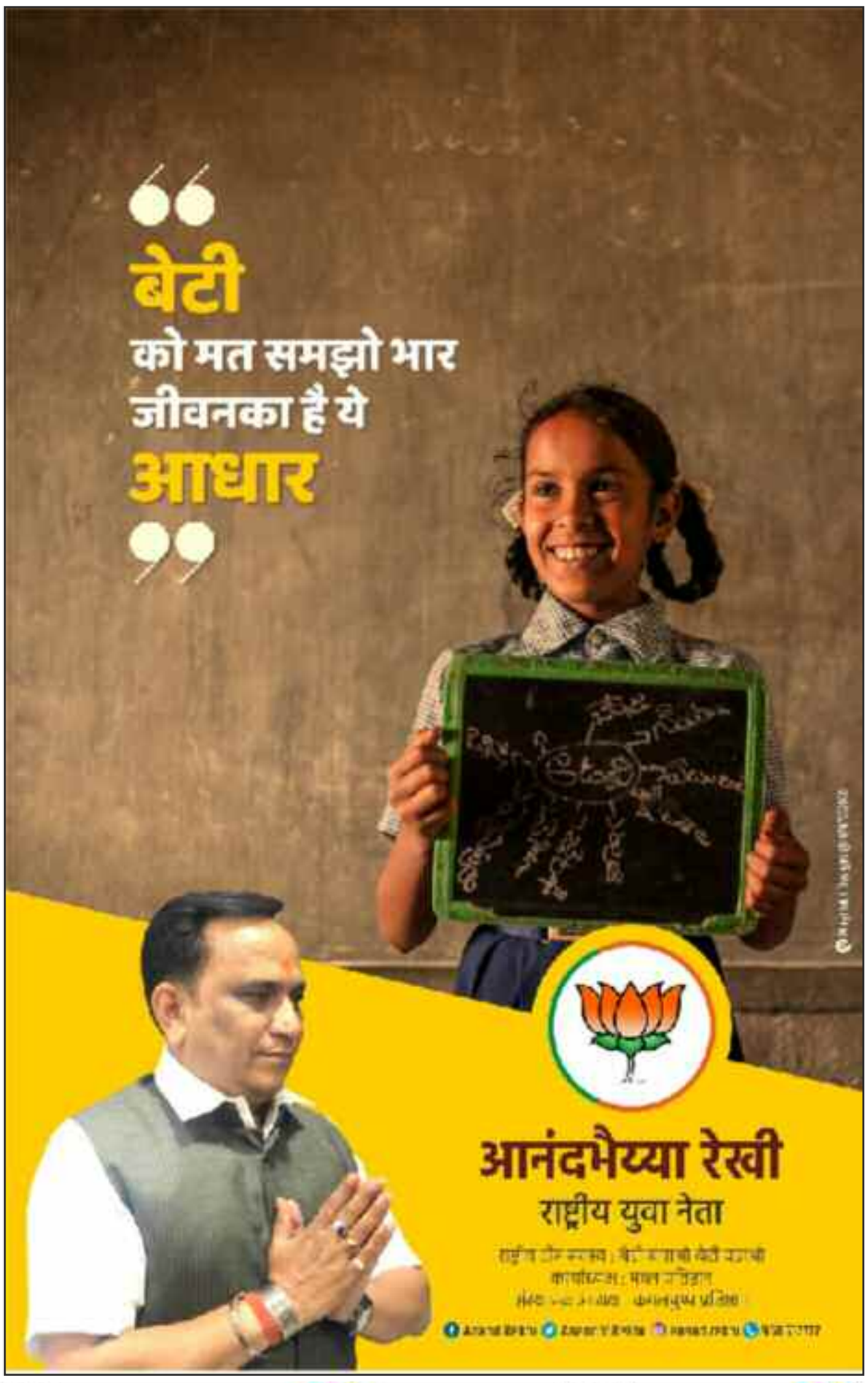

हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकतीः मोदी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने गणतंत्र दिवस पर 'मन की बात' में कहा कि हिंसा से किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। पीएम मोदी ने कहा, 'देश के किसी भी कोने में अब भी हिंसा और हथियार के बल पर समस्याओं का समाधान खोज रहे लोगों से आज इस गणतंत्र दिवस के पवित्र अवसर पर अपील करता हूं, कि वे वापस लौट आएं। मुद्दों को शांतिपूर्वक तरीके से सुलझाने में, अपनी और इस देश की क्षमताओं पर भरोसा रखें।'

गणतंत्र दिवस समारोह की वजह से इस रविवार प्रधानमंत्री मोदी के रेडियो कार्यक्रम के समय में बदलाव किया गया। सुबह 11 बजे की बजाय आज के लिए शाम 6 बजे का वक्त तय किया गया था। यह प्रधानमंत्री मोदी का 61वां 'मन की बात' कार्यक्रम है। पीएम ने कहा, 'हम 21वीं सदी में हैं, जो ज्ञान विज्ञान और लोकतंत्र का युग है। क्या आपने किसी ऐसी चगह के बारे में सुना है जहां हिंसा से जीवन बेहतर हुआ हो? क्या आपने ऐसी किसी जगह के बारे में सुना है, जहां शांति और सद्भाव जीवन के लिए मुसीबत बने हों? हिंसा किसी समस्या का समाधान नहीं करती।'

प्रधानमंत्री मोदी ने असम और त्रिपुरा में पिछले दिनों मिलिटेंड ग्रुप से जुड़े लोगों के सरेंडर में आई तेजी

का जिक्र करते हुए कहा, 'पिछले कुछ दिनों पहले असम में 8 अलग अलग मिलिटेंड ग्रुप के 644 लोगों ने अपने हथियारों के साथ आत्म समर्पण किया, जो पहले हिंसा के रास्ते पर चले गए थे उन्होंने अपना विश्वास शांति में जताया और देश के विकास में भागीदार बनने का निर्णय लिया है, मुख्यधारा में वापस आए हैं। त्रिपुरा में भी 80 से अधिक लोग, हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौट आए हैं, जिन्होंने यह सोचकर हथियार उठा लिए थे कि हिंसा से समस्याओं का समाधान निकाला जा सकता है, उनका यह विश्वास दृढ़ हुआ है कि शांति और एकजुटता ही, किसी विवाद को सुलझाने का एकमात्र रास्ता है। नॉर्थ ईस्ट में इंसरजेंसी कम हुई है और सबसे बड़ी वजह यह है कि इस क्षेत्र से जुड़े हर एक मुद्दे को शांति के साथ, ईमानदारी से, चर्चा करके सुलझाया जा रहा है।'

पीएम मोदी ने कहा, मेरे प्यारा देश वासियों आज 26 जनवरी है। गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं। यह इस साल और दशक का पहला कार्यक्रम है। आज गणतंत्र दिवस की वजह से समय बदलना पड़ा। दिन बदलते हैं समय बदलते हैं, साल बदल जाते हैं, लेकिन भारत के लोगों का उत्साह, हम भी कम नहीं, हम भी कर सकते हैं, देश के लिए कुछ कर गुजरने की भावना मजबूत होती जाती है। मन की बात कार्यक्रम में हम एक बार फिर एकत्रित हुए हैं। मन की बात लर्निंग, शेयरिंग का अच्छा प्लैटफॉर्म बन गया है।

पिछले कई सालों में हमने कई संकल्प लिए होंगे, जैसे सिंगल यूज प्लास्टिक, बेटी बजाओबेटी पढ़ाओ जैसे कई संकल्प हमने लिए है। हमें बिहार से शैलेष जी का खत मिला है। उन्होंने कहा कि आप मन की बात में कई अपील करते हैं। मैंने लोगों के घरों से सर्दी के कपड़े एकत्रित करके बांटने का संकल्प लिया। मैंने एक मन की बात चार्टर बनाने का संकल्प लिया है। क्या आप इस पर हस्ताक्षर करेंगे। मैं जब इसे पढ़ रहा था तो मुझे आश्चर्य हुआ। इसमें अनगिनत मुद्दों की चर्चा और हैशटैग है।

एक नजर

3 साल में तीन एक्सप्रेसवे-हरित गलियारों का निर्माण पूरा होगाः गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि सरकार की योजना 22 एक्सप्रेसवे और हरित गलियारों में से तीन का निर्माण तीन साल में पूरा करने की है। इसमें प्रमुख दिल्लीमुंबई एक्सप्रेसवे भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इन 22 परियोजनाओं के तहत 7,500 किलोमीटर के नए एक्सप्रेसवे और गलियारों का निर्माण 202425 तक 3.10 लाख करोड़ रुपये में पूरा करने की योजना है। गडकरी ने कहा, ''हमारी योजना प्रमुख परियोजना दिल्लीमुंबई एक्सप्रेसवे का निर्माण तीन साल में पूरा करने की है। इसका काम 51 'पैकेज' में किया जाएगा। इनमें से 18 पर काम शुरू हो चुका है। यह देश का सबसे लंबा 1,320 किलोमीटर का एक्सप्रेसव होगा। इससे दिल्ली से मुंबई की यात्रा का समय 24 घंटे से घटकर 13 घंटे रह जाएगा।'' उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं में से छह 2,250 किलोमीटर के एक्सप्रेसवे हैं जिनके निर्माण पर 1.45 लाख करोड़ रुपये की लागत आएगी। शेष 16 नये गलियारे हैं। इनके तहत 5,250 किलोमीटर की परियोजनाओं का निर्माण 1.65 लाख करोड़ रुपये की लागत में किया जाएगा।

सोने का आयात अप्रैल-दिसंबर के दौरान 6.77 % घटकर 23 अरब डॉलर

नई दिल्ली। सोने का आयात चालू वित्त वर्ष में अप्रैलदिसंबर महीने में 6.77 प्रतिशत घटकर 23 अरब डॉलर रहा। स्वर्ण आयात का असर चालू खाते के घाटे (कैड) पर पड़ता है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार इससे पूर्व वित्त वर्ष 2018 19 की इसी तिमाही में पीली धातु का आयात 24.73 अरब डॉलर रहा था।सोने का आयात कम होने से देश को व्यापार घाटा कम करने में मदद मिली है। आलोच्य अवधि में यह 118 अरब डॉलर था जो एक साल पहले 201819 की अप्रैल दिसंबर अवधि में 148.23 अरब डॉलर था। चालू वित्त वर्ष में जुलाई से सोने के आयात में गिरावट आ रही है। हालांकि पिछले साल अक्टूबर और नवंबर में इसमें सकारात्मक वृद्धि हुई है। वहीं दिसंबर में इसमें करीब 4 प्रतिशत की गिरावट आयी। भारत सोने का सबसे बड़ा आयातक है। मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिये इसका आयात किया जाता है। मात्रा के हिसाब से देश सालाना 800 से 900 टन सोने का आयात करता है। स्वर्ण आयात के व्यापार घाटे और चालू खाते के घाटे पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिये सरकार ने इस धातु पर आयात शुल्क 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया है।

दिल्ली में नकाबपोश चोरों ने लाखों के गहने उड़ाए

नई दिल्ली । दिल्ली के प्रशांत विहार इलाके में दो नकाबपोश चोरों ने बंद पड़े फ्लैट के ताले तोड़कर लाखों के गहने, नकदी चोरी कर ली। चोर फरार होते हुए घर में रखा कंबल तक साथ ले गए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस वारदात के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में लेकर चोरों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। एक सीसीटीवी कैमरे में दोनों नकाबपोश चोर दिखाई भी दे रहे हैं। इलाके में परिवार के साथ रहने वाले सौरभ ने पुलिस को बताया कि उसका अपना कारोबार है। बीते 20 जनवरी को वह परिवार के साथ दिल्ली से बाहर गया था। 22 जनवरी को पड़ोसी ने घर में चोरी होने की फोन पर जानकारी दी। 23 को उसने अपने रिश्तेदार को फोन कर फ्लैट पर जाने की बात कही। रिश्तेदार किशोर ने मौके पर पहुंचकर पीसीआर को वारदात की जानकारी दी।

जेटली, स्वराज, फर्नांडीज मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित

PM मोदी ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित व्यक्तियों को बधाई दी, बताया असाधारण लोग शामिल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । पूर्व केंद्रीय मंत्रियों अरूण जेटली, सुषमा स्वराज एवं जार्ज फर्नांडीस, मुक्केबाज मैरी कॉम और मॉरीशस के पूर्व प्रधानमंत्री अनिरूद्ध जगन्नाथ समेत सात हस्तियों को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को पद्म विभूषण से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गयी। गृह मंत्रालय ने घोषणा की कि वाराणसी के प्रसिद्ध शास्त्रीय भजन गायक छन्नूलाल मिश्र और विश्वेशतीर्थ स्वामीजी पेजावर अधोखजा मठ उडुपी (मरणोपरांत) को सर्वोच्च पद्म पुरस्कारपद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। गृह मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि पूर्व रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर, उद्योगपति आनंद महिंद्रा और वेणु श्रीनिवासन, ओलंपिक बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू, नगालैंड के पूर्व मुख्यमंत्री एस सी जमीर और जम्मू कश्मीर के नेता मुजफ्फर हुसैन बेग को पद्म भूषण से नवाजा गया है।

पुरस्कारों की घोषणा गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की गई। जेटली, स्वराज, फर्नांडीस, परिकर और विश्वेश तीर्थ स्वामी को मरणोपरांत पुरस्कार दिया गया है। बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति ने इस साल 141 पद्म पुरस्कार प्रदान किए जाने को मंजूरी दी है जिनमें चार मामलों में दोदो लोगों को संयुक्त पुरस्कार दिया जाएगा। इसमें कहा गया है, ''पुरस्कार विजेताओं में 34 महिलाएं है। इनमें विदेशी/एनआरआई/ पीओआई/ओसीआई श्रेणी से 18 लोग हैं और 12 लोगों

को मरणोपरांत सम्मानित किया गया है।'' सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में शामिल पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री में दिए जाते है। इस साल सात हस्तियों को पद्म विभूषण के लिए चुना गया है जबकि पद्मभूषण के लिए 16 और पद्मश्री के लिए 118 लोग चुने गये हैं। पद्म भूषण असाधारण एवं विशिष्ट सेवा, पद्म भूषण उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा और पद्म श्री विशिष्ट सेवा के लिए दिया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित व्यक्तियों को बधाई दी और कहा कि इनमें असाधारण लोग शामिल हैं। उन्होंने ट्वीट किया, 'पद्म पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी लोगों को बधाई।' प्रधानमंत्री ने कहा कि पुरस्कृत लोगों में समाज राष्ट्र और मानवता के प्रति असाधारण योगदान देने वाले व्यक्ति शामिल हैं। बॉलीवुड से फिल्म निर्माताओं करण जौहर एवं एकता कपूर और अभिनेत्री कंगना रनौत को पद्मश्री पुरस्कार के लिए चुना गया है। गायकों सुरेश वाडकर और अदनान सामी के साथ ही टीवी अभिनेत्री सरिता जोशी को भी देश के चैथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान के लिए चुना गया है। खेलों में पद्म पुरस्कारों के लिए कुल आठ खिलाड़ियों को चुना गया है जिसमें पद्म श्री के लिए छह नामों की घोषणा की गयी है। पद्म श्री पुरस्कार के लिए जिन छह खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की गयी है, उनमें क्रिकेटर जहीर खान, भारतीय महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल, पूर्व हाकी खिलाड़ी एम.पी. गणेश, निशानेबाज जीतू राय, भारतीय महिला फुटबाल टीम की पूर्व कप्तान ओनाम बेमबेम देवी और तीरंदाज तरुणदीप राय शामिल हैं।देश की प्रमुख रोजगार वेबसाइट नौकरी डॉट कॉम के संस्थापक संजीव बिखचंदानी, उद्योगपति भरत गोयनका, टेक्नोक्रैट नेमनाथ जैन को पद्मश्री से नवाजा गया है।

लखनऊ के इतिहासकार एवं पत्रकार योगेश प्रवीण और असम के इतिहासकार जोगेंद्र नाथ फूकन को भी पद्म श्री से सम्मानित किया गया है।चंडीगढ़ स्थित पीजीआई अस्पताल के बाहर मरीजों एवं उनके साथ आए लोगों को निःशुल्क भोजन कराने वाले जगदीश लाल आहूजा, 25,000 से अधिक लावारिस शवों का अंतिम संस्कार करने वाले फैजावाद के मोहम्मद शरीफ, मुस्लिम भजन गायक मुन्ना मास्टर और असम में हाथियों के चिकित्सक कुशल कंवर सरमा उन 21 गुमनाम नायकों में शामिल हैं जिन्हें इस साल पद्म श्री से सम्मानित किया गया है। बयान में बताया गया है कि जम्मूकश्मीर के दिव्यांग सामाजिक कार्यकर्ता जावेद अहमद टक भी शामिल हैं जो दो दशक से दिव्यांग बच्चों के लिए काम कर रहे हैं।

रोहित वेमुला और नजीब की मां ने शाहीन बाग में फहराया तिरंगा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ शाहीन बाग में प्रदर्शन कर रहे लोगों के बीच रोहित वेमुला का मां राधिका वेमुला और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से लापता छात्र नजीब की मां फातिमा नफीस तिरंगा ने फहराकर गणतंत्र दिवस समारोह मनाया। प्रदर्शन संचालकों में से एक हिना अहमद ने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह मनाने के लिए सुबह से ही भीड़ एकत्र होने लगी जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे थे।

कालिंदी कुंज मार्ग पर चारों तरफ से लोग प्रदर्शन स्थल पर आये और देखते ही देखते 11 बजे तक हजारों की भीड़ एकत्र हो गयी। उन्होंने कहा कि हाथों में तिरंगा और जुबां पर देशभक्ति के गीतों को गाते हुए लोग गणतंत्र दिवस समारोह के जश्न में डूबे हुए थे। श्रीमती राधिका वेमुला और श्रीमती फातिमा के अलावा 'दबंग दादी' के नाम से मशहूर तीन सबसे बुजुर्ग महिलाओं ने तिरंगा पहाकर गणतंत्र को मजबूत करने को संविधान की रक्षा करने की कसम खाई। प्रदर्शन में अपने बच्चों के साथ रोज शामिल होने आने वाली शबिस्ता जबीं अहमद ने कहा कि गणतंत्र दिवस मनाने के लिए कल रात से ही तैयारियां जोरों पर थी। जामिया की दीवारों पर तिरंगे और तिरंगे वाले बैलून ही बैलून दिखाई पड़ रहे थे। हर तरफ देशभक्ति का गीत गूंज रहे थे। उन्होंने बताया कि देर रात जामिया में गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने के बाद आज सुबह से यहां और दोपहर बाद शाहीन बाग के जश्न में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि शाहीन बाग जाने वाली सारी सड़कों और गलियों में लोगों को तांता लगा हुआ था। भीड़ इतनी अधिक थी कि एक किलोमीटर दूर से ही उन्हें शाहीन बाग के जश्न को देखकर संतोष करना पड़ा। बुसरा परवीन ने बताया कि तबियत खराब होने के बावजूद संविधान बचाने के इस संघर्ष में अपनी बहनों के साथ जामिया और शाहीन बाग के आंदोलन में लगातार शामिल हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान को बचाने और देश की गंगा जमुनी तहजीब को मजबूत करने की लड़ाई में हमारा संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। देश को धर्म के आधार पर बांटकर गरीबों, मजदूरों और आदिवासियों के खिलाफ सरकार जो काला कानून लेकर आयी है उसे हर हाल में वापस लेना होगा। प्रदर्शन में शामिल लोगों की मानें तो शाहीन बाग में एक लाख से अधिक लोगों ने तिरंगा फहरा कर एक रिकॉर्ड बनाया है। गौरतलब है कि सीएए, एनपीआर और एनआरसी के खिलाफ पिछले डेढ महीने से शाहीन के कालिंदी कुंज मार्ग पर दिन रात आंदोलन चल रहा है ।

दिल्ली के रण में कांग्रेसी उम्मीदवार कर रहे दिग्गजों का इंतजार

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । दिल्ली में विधानसभा चुनाव की लगातार बढ़ रही सियासी सरगर्मियों के बीच कांग्रेस एक बार फिर से पिछड़ती नजर आ रही है। पहले उम्मीदवारों के नाम तय करने में पार्टी नेताओं का पसीना छूटा, वहीं अब प्रचार की दौड़ में भी पार्टी भाजपा और आप की तुलना में बहुत पीछे चल रही है। ऐसा लग रहा है, जैसे सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस उम्मीदवार 'एकला चलो रे' की नीति पर चुनाव लड़ रहे हैं, पार्टी का सहयोग और सहारा कहीं नजर ही नहीं आता।

दिल्ली विधानसभा चुनाव की नामांकन प्रक्रिया खत्म हो चुकी है। भाजपा और आप का चुनाव प्रचार भी जोर पकड़ रहा है। भाजपा की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित केंद्रीय मंत्री व सांसद प्रचार में उतर गए हैं। इसी तरह आप की ओर से मुख्यमंत्री केजरीवाल, उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह, भगवंत मान सहित अनेक बड़े नेता रोज रोड शो, जनसभाएं और जनसंवाद कर रहे हैं। इस सबसे इतर कांग्रेस खाली हाथ नजर आ रही है। प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ही कहीं कहीं जाकर प्रत्याशियों के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन कर कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे हैं।

कांग्रेस की ओर से चुनाव प्रचार के लिए अब तक दो वीडियो गीत ही

जारी किए गए हैं। पहला 'कांग्रेस वाली दिल्ली, खुशहाल दिल्ली' और दूसरा 'आजमा लिया दोनों जुमलेबाजों को, अब बातों में न आएंगे, खुशहाली और प्रगति का हाथ पकड़, आओ कांग्रेस वाली दिल्ली बनाएंगे'।

लेकिन यह गीत भी अभी न दिल्ली वालों की जुबान पर चढ़ पाए हैं। जनसभा, रोड शो या कोई अन्य कार्यक्रम तो अब तक नहीं हो पाया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआइसीसी) ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी तो कर दी है, लेकिन इन प्रचारकों का कोई शेडयूल नहीं आया है।

अध्यक्ष कहते हैं कि जो कुछ भी फाइनल होगा, वह उन्हीं की सहमति से होगा। दूसरी तरफ प्रदेश प्रभारी पीसी चाको व सुभाष चोपड़ा के बीच भी संबंध बहुत मधुर नहीं हैं। पूर्व सांसद भी चुनाव प्रचार में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। पूर्व सांसद संदीप दीक्षित तो गुटबाजी का आरोप भी लगा चुके हैं।

दिल्ली कांग्रेस के प्रचार अभियान समिति के अध्यक्ष कीर्ति आजाद ने बताया कि चुनाव प्रचार की जोरदार रणनीति तैयार है। प्रचार में शीला दीक्षित सरकार की उपलब्धियों के साथसाथ पार्टी घोषणा पत्र की खास खास बातों को भी जनजन तक लेकर जाएगी। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मनमोहन सिंह और प्रियंका गांधी वाड्रा के कार्यक्रमों का भी पूरा शेड्यूल तैयार है। हर लोस क्षेत्र में कार्यक्रम रखे जाएंगे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने कहा कि गुटबाजी जैसी बात नहीं है। सोमवार से कांग्रेस का प्रचार जोर पकड़ेगा और ऐसा होगा कि अन्य पार्टियों का प्रचार फीका पड़ जाएगा। हमारा प्रचार थोड़े दिनों में ही सभी पर भारी पड़ जाएगा। कांग्रेस इस बार किसी मोर्चे पर कमजोर साबित नहीं होगी बल्कि दिल्ली की सत्ता में अपने दम पर ही कम बैक भी करके दिखाएगी।

प्रदेश प्रभारी पीसी चाको और घोषणा पत्र समिति अध्यक्ष अजय माकन इस समय शहर में ही नहीं हैं। चाको निजी कारणों से केरल में हैं, जबकि माकन अमेरिका गए हुए हैं। इन दोनों की अनुपस्थिति में भी कुछ समीकरण असंतुलित हो रहे हैं। दूसरी तरफ चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली स्वयं व्यस्त हैं।

पाक के लिए 2020 होगा चुनौतियों से भरा, भारत से बढ़ेगा तनाव

नईदिल्ली/इस्लामाबाद पाकिस्तानी थिंक टैंक ने रविवार (26 जनवरी) को कहा कि 2020 में पाकिस्तान के लिए विदेश मामले चुनौतीपूर्ण रहेंगे और भारत के साथ रिश्ते भी तल्ख बने रहेंगे। इस्लामाबाद पॉलिसी इंस्टीट्यूट ने अपनी रिपोर्ट पाकिस्तान आउटलुक 2020 = पॉलिटिक्स, इकोनॉमी एंड सिक्युरिटीज में कहा कि भारत के साथ तनाव की वजह से पाकिस्तान का अधिकतर रणनीतिक और कूटनीतिक समय जाया होगा। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने रिपोर्ट को उद्धृत करते हुए कहा, अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया भी भविष्य में अनिश्चितता से घिरी रहेगी। जिसका गंभीर असर उसकी अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और आंतरिक स्थिरता पर पड़ेगा। थिंक टैंक ने कहा कि कश्मीर के हालात और भारत में मुस्लिमों की स्थिति नयी दिल्ली से संबंधों की दिशा तय करेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमित तनाव की उच्च आशंका बनी रहेगी। उल्लेखनीय है कि पिछले साल पांच अगस्त को भारत द्वारा जम्मूकश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के लिए अनुच्छेद370 के अधिकतर प्रावधानों को निष्क्रिय किए जाने के बाद से दोनों देशों में तनाव है। हालांकि, भारत ने साफ कर दिया है कि यह उसका आंतरिक मामला है और पाकिस्तान सच्चाई स्वीकार करे एवं नयी दिल्ली के खिलाफ प्रोपगेंडा बंद करे। इस्लामाबाद के थिंकटैंक ने यह रिपोर्ट विदेश मामलों में मौजूदा परिस्थितियों, आर्थिक, राजनीतिक स्थिरता और सुरक्षा की समीक्षा करने के बाद तैयार की है।

अगली सर्दियों में NCR में डीजल जेनरेटर बैन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली दमघोंटू प्रदूषण पर काबू रखने के लिए अब एनसीआर में डीजल जेनरेटर पर बैन लगाने का प्लान बन रहा है। इसमें अगली सर्दियों से नोएडा, गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, गुड़गांव और मानेसर में डीजल जेनरेटर (डीजी) पर बैन की तैयारी है। यह फैसला ईपीसीए (पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण एवं संरक्षण प्राधिकरण) की मीटिंग में लिया गया है। बता दें कि इसे प्रदूषण पर काबू पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बनाया गया था। ईपीसीए के चीफ भूरे लाल ने बताया कि कारखाने या फिर घरेलू किसी भी काम के लिए डीजल जेनरेटर के इस्तेमाल पर पूरी तरह से पाबंदी होगी। मीटिंग में इसपर

भी चर्चा हुई कि उद्योगों के लिए सौर ऊर्जा का इस्तेमाल क्यों नहीं किया जा सकता। अधिकारियों ने पाया कि इतनी मात्रा में सौर ऊर्जा को एकत्रित करने का साधन लोगों के पास नहीं है। हरियाणा की कुछ सोसायटी गैस वाले जेनरेटर भी इस्तेमाल कर रही हैं लेकिन ऐसा पूरे एनसीआर में करना मुश्किल है। बता दें कि 2019 की शुरुआत में पहले भी जेनरेटर पर ऐसा बैन लगाया जा चुका है। तब दिल्ली के साथसाथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, गुड़गांव, सोनीपत, पानीपत, बहादुरगढ़ में यह बैन लगा था। इससे पहले के सालों में सिर्फ दिल्ली में बैन लगा था। हालांकि, 2017 में एनसीआर में कई जगहों पर बिजली की सप्लाइ उतनी अच्छी नहीं थी, जिसकी वजह से इसे सही से लागू कर पाना मुश्किल था।

दिल्ली चुनाव : केजरीवाल ने वीडियो जारी कर अमित शाह पर बोला हमला

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर राजधानी की सियासत तेज हो गई है।

एक ओर जहां सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी अपने कामों को गिनाकर जनता के बीच वोट मांग रही है, वहीं विपक्षी पार्टी भाजपा केजरीवाल सरकार की खामियों को भी उजागर कर रही है।

इसको लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली में भाजपा के प्रचार के दौरान दिल्ली सरकार के स्कूलों पर ही सवाल उठा दिए हैं। इसके बाद केजरीवाल ने भी पलटवार किया है।

केजरीवाल ने बाकायदा वीडियो जारी कर शाह पर दिल्ली के लोगों का अपमान करने का आरोप लगाया है। वीडियो में केजरीवाल कहते हैं, अमित शाह जी दिल्ली के लोगों का अपमान करना बंद करें। इसके साथ ही शाह से अपील की है, आपको दिल्ली के लोगों ने पुलिस, **MCD** और **DDA** का काम दिया है। आप ये बताइए ना कि आपने इन विभागों में क्या क्या अच्छा काम किया? आप अपने काम गिनाइए ना।

दिल्लीवालों का रोज़ मज़ाक़ क्यों उड़ाते हो दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, दिल्ली वालों के काम का मजाक उड़ाना देश के गृह मंत्री को शोभा नहीं देता, दिल्ली वालों ने अपने खून पसीने की कमाई से, टैक्स दे के दिल्ली को पिछले 5 वर्षों में संवारा है और आप रोज आकर दिल्ली वालों के मेहनत का मजाक उड़ा कर चले जाते हो, यह ठीक नही है।

राजनीति के साथ फिटनेस और सुकून का ध्यान रखते हैं राघव चड्ढा

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली । राजेंद्र नगर विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी राघव चड्ढा की छवि यूथ आइकन के तौर पर भी स्थापित हो गई है। इसका कारण है उनका स्टाइल, उनकी फिटनेस और उनका प्रजेंटेबल एटीट्यूट। चाहें वह ईश्वर के द्वार पर हों या फिर दिल्ली की गलियों में आम आदमी की समस्याएं जानने में व्यस्त हों, हमेशा अपने कपड़ों, रहनसहन और खानपान का पूरा ध्यान रखते हैं। वैसे तो उनका कहना है कि एक्टिव रहने से व्यक्तित्व में निखार स्वयं आ जाता है, लेकिन समय मिलने पर वे फिटनेस और सुकून पर भी ध्यान देते हैं। वह कहते हैं कि परिवार का साथ और मां का प्यार उन्हें ऊर्जा और उत्साह से भर देता है। पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट राघव वैसे तो फिटनेस फ्रीक हैं, लेकिन चुनाव के दौरान, साइकिलिंग, वॉक और जिमिंग पूरी तरह बाधित हो जाती है। दिनभर की रैलियां, सभाएं और मिलने जुलने की थकान उतारने के लिए वे आधे घंटे के लिए अपने लिए वक्त निकालते हैं और परिवार के साथ चाय की चुस्कियां लेते हैं।

इस दौरान परिवार का उत्साहवर्धन, मां की केयरिंग बातें और अन्य सदस्यों का स्नेह उन्हें ऊर्जा से भर देता है। राघव संगीत प्रेमी भी हैं। उनके म्यूजिक कलेक्शन में गुलाम अली से लेकर अनु मलिक, सूफी से लेकर हिपहॉप और भोजपुरी से लेकर अंग्रेजी गाने तक मिलते हैं। उनका कहना है कि संगीत अपने हर

रंग में खूबसूरत और ऊर्जादायक होता है। इसके अलावा किताबों के दो पन्ने भी पलटने का समय निकाल लेते हैं। नेटफ्लिक्स पर थोड़ी देर फिल्में भी देख लेते हैं। राघव का मानना है कि जरूरी नहीं कि आप राजनीति में आएं तो अपने मूलअंदाज को बदल दें, तभी सफल नेता बन सकते हैं। आम आदमी की तरह ही फैशन और स्टाइल को भी पहले की ही तरह फॉलो करते हैं। हर ब्रांड, हर तरह के डिजाइन को पसंद करते हैं। इस दौरान आरामदायक कपड़ों में कुर्ता पायजामा और ब्लू जींस, ब्लैक टीशर्ट पहनने में सहज महसूस करते हैं। इसके अलावा फैशन डिजाइनर मामा पवन सचदेव उनके लिए फॉर्मलवियर डिजाइन करते हैं, जिसे राघव शौक से पहनते हैं। आप प्रत्याशी राघव चड्ढा ने कहा, एक्टिव रहने से व्यक्तित्व में खुद ही आता है निखार, मां और परिवार के साथ समय बिताने से मिलती है शरीर को ऊर्जा पालतू कुत्ता है स्ट्रेस बस्टर कितनी भी व्यस्त दिनचर्या हो, काम का कितना भी तनाव हो, आधे से पौन घंटा अपने कुत्ते के साथ बिताना उनके रुटीन का हिस्सा है। राघव कहते हैं कि वह उनका इंतजार करता रहता है और जाते ही उनकी गोद में बैठ जाता है। दिनभर का तनाव उतारने के लिए अपने कुत्ते (लासाएप्सो) के साथ खेलते हैं और वही उनका सबसे बड़ा स्ट्रेस बस्टर है। पालतू कुत्ते के साथ फुर्सत के पल बिताते हुए राघव चड्ढा ' संतुलित आहार से रहते हैं फिट जिम में कार्डियो करते हुए पसीना बहाना, साइकिलिंग का लुत्फ लेना और बुद्धा जयंती पार्क व सिंधी पार्क में वॉक करना। यह सब चुनाव प्रचार के चलते इन दिनों बंद है। मौका मिलने पर शाम को कुछ डंबल्स आदि कर लेते हैं, लेकिन लोकसभा चुनाव से लेकर अब तक इसी तरह की दिनचर्या चल रही है। ऐसे में फिटनेस प्रभावित न हो, इसके लिए वे संतुलित और पौष्टिक आहार लेना नहीं भूलते। कहीं भी हों, मां के हाथ का बना खाना, सलाद, फल व दूध नियमित रूप से पीते हैं। राज्य स्तरीय बैडमिंटन खिलाड़ी रहे राघव मौका मिलने पर इसमें हाथ आजमाने से भी नहीं चूकते। चुनावी भागदौड़ के बाद किसी तरह का ब्रेक लेने की प्लानिंग है। इस सवाल पर राघव कहते हैं कि जिस क्षेत्र में उतरे हैं, उसमें ब्रेक और आराम जैसी कोई चीज नहीं है। अरविंद केजरीवाल के साथ काम करने पर पता चलता है कि वे खुद भी बीस बीस घंटे काम करते हैं और सबसे यही उम्मीद करते हैं।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

एनसीएलएटी ने रहेजा डेवलपर्स के खिलाफ दिवाला कार्रवाई रोकी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने रहेजा डेवलपर्स को बड़ी राहत दी है। न्यायाधिकरण ने एनसीआर की रियल एस्टेट कंपनी के खिलाफ दिवाला कार्रवाई पर रोक लगा दी है और कंपनी का प्रबंधन फिर से उसके निदेशक मंडल को सौंप दिया है। इससे पहले पिछले साल 20 अगस्त को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की दिल्ली की प्रधान पीठ ने एक फ्लैट खरीदार की याचिका पर कंपनी के खिलाफ दिवाला कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया था। खरीदार ने परियोजना में देरी के लिए यह अपील दायर की थी। एनसीएलटी ने कंपनी के लिए अंतरिम समाधान पेशेवर की भी नियुक्ति की थी। एनसीएलएटी के चेयरपर्सन न्यायमूर्ति एस जे मुखोपाध्याय की अगुवाई वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि परियोजना में देरी रियल एस्टेट कंपनी की वजह से नहीं, बल्कि सक्षम प्राधिकरणों से मंजूरी मिलने में देरी की वजह से हुई है। यह कंपनी के नियंत्रण से बाहर की चीज है। एनसीएलटी इस तथ्य को पकड़ने में विफल रहा। एनसीएलएटी ने फ्लैट खरीदारों की मंशा पर सवाल उठाया। पीठ ने कहा कि वे कंपनी के खिलाफ दिवाला कार्रवाई शुरू करने के लिए धोखाधड़ी और गलत मंशा से एनसीएलटी गए।

विदेशों में मंदी के रुख से बीते सप्ताह स्थानीय तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में सुस्ती के रुख के बीच बीते सप्ताह दिल्ली के तेलतिलहन बाजार में मांग कमजोर पड़ने से सरसों, सोयाबीन और पामोलीन सहित विभिन्न खाद्य एवं अखाद्य तेल कीमतों में नरमी का रुख रहा और इनकी कीमतें पिछले सप्ताहांत के मुकाबले हानि दर्शाती बंद हुईं। बाजार सूत्रों ने बताया कि उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने अपनी बजट पूर्व मांग के रूप में पाम तेल के आयात शुल्क को कम करने की बात की है और इस खबर के सामने आते ही इस तेल की कीमतें फिर से चढ़ गईं। पिछले काफी समय से इसमें मंदी का रुख था। सरसों का भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम है और मार्च अप्रैल में ब्राजील और अर्जेन्टीना से सोयाबीन की नई फसल आने की संभावना है। विदेशों में सोयाबीन के भाव कम चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू तेल कारोबारियों के हित में सूरजमुखी और सोयाबीन पर आयात शुल्क को 35 के स्थान पर 45 प्रतिशत कर देना चाहिये। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान सरसों का भाव 90 रुपये घटकर 4,4004,430 रुपये प्रति क्विन्टल रह गया। सरसों दादरी तेल का भाव 80 रुपये टूटकर 8,850 रुपये प्रति क्विन्टल पर बंद हुआ, जो पिछले सप्ताहांत 9,030 रुपये प्रति क्विन्टल पर था। सप्ताहांत के बंद स्तर के मुकाबले पांचपांच रुपये की हानि के साथ क्रमशः 1,390 1,540 रुपये और 1,4201,565 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।

संविधान की रक्षा सबकी जिम्मेदारीः केजरीवाल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना उसकी मूल आत्मा है। संविधान को बचाए रखना हम 130 करोड़ भारत वासियों की जिम्मेदारी है। जबजब देश कठिन परिस्थितियों से गुजरेगा, यह संविधान हमारी रक्षा करेगा। वह शनिवार को दिल्ली सरकार की ओर से मॉडल टाउन के छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने देश वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी और 'हम होंगे कामयाब एक दिन' गीत गाकर भारत को दुनिया का नेतृत्व करने वाला देश बनाने के लिए एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज हम गणतंत्र दिवस की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। आज से 70 साल पूर्व 26 जनवरी 1950 को हमारे देश का संविधान लागू हुआ था, जिसे स्वतंत्रता सेनानियों ने बनाया था। करोड़ों लोगों

ने देश को आजाद कराने के लिए कुर्बानियां दी थीं।

ऐसे लोगों ने आजाद भारत का एक सपना देखा था। उस भारत को उन्होंने संविधान में संजोया था। इस संविधान को बचाए रखने की जिम्मेदारी हम सब भारतवासियों की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने दिल्ली में शिक्षा और स्वास्थ्य में कायाकल्प किया। बिजली 200 यूनिट फ्री की। महिलाओं का बसों में सफर मुफ्त किया। इससे हर आदमी की जेब में बचत होती है और विकास का पहिया घूमता है। उन्होंने कहा कि आठ फरवरी को दिल्ली में मतदान होगा।

अभी आचार संहिता लागू है। हर वर्ष गणतंत्र दिवस के मौके पर वह लोगों से बहुत सारी बातें किया करते थे, लोगों के सवालों के जवाब देते थे। लेकिन आचार संहिता की वजह से आज हमारी उतनी बातें नहीं हो सकेंगी। छत्रसाल स्टेडियम में परेड के दौरान सलामी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मौजूद रहे। इस दौरान छत्रसाल स्टेडियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

एयर इंडिया ने बाँटे बीज से बने तिरंगे

सरकारी विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने इस बार अनोखे अंदाज में गणतंत्र दिवस मनाते हुये यात्रियों को बीज से बने तिरंगे बाँटे तथा श्रीनगर के ऐतिहासिक लाल चैक पर बड़ा सा होर्डिंग लगाकर घाटी के लोगों को इस दिन की शुभकामानायें दीं।

गुमनाम नायकों को पद्म सम्मान मिलना एक तरह से भारत की खोज हैः उपराष्ट्रपति

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने रविवार को कहा कि गुमनाम नायकों को पद्म सम्मान दिए जाने की सराहना करते हुए रविवार को कहा कि यह एक तरह से भारत की खोज है। नायडू ने ट्वीट कर कहा, ''मुझे हर्ष है कि इस वर्ष के पद्म पुरस्कार, देश के उन अनजान विभूतियों को समर्पित हैं जिन्होंने समाज के उत्थान में अनुकरणीय योगदान दिया है।''

उन्होंने कहा, ''मैं सरकार की सराहना करता हूं कि प्रचार की चकाचैंध से दूर इन विभूतियों के प्रयासों को सम्मानित किया जा रहा है। वास्तव में ये भारत की खोज है। मैं पद्म पुरस्कार विजेताओं का उनकी समाज सेवा और अनुकरणीय राष्ट्र निष्ठा के लिए अभिनन्दन करता हूं।'' पूर्व केंद्रीय मंत्रियों अरूण जेटली, सुषमा स्वराज एवं जार्ज फर्नांडीस, मुक्केबाज मैरी कॉम और मॉरीशस के पूर्व प्रधानमंत्री अनिरूद्ध जगन्नाथ समेत सात हस्तियों को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को पद्म विभूषण से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गयी। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वाराणसी के प्रसिद्ध शास्त्रीय भजन गायक छन्नूलाल मिश्र और विश्वेशतीर्थ स्वामीजी श्री पेजावर अधोखजा मठ उडुपी (मरणोपरांत) को सर्वोच्च पद्म पुरस्कारपद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। गृह मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि पूर्व रक्षा मंत्री मनोहर परिकर, उद्योगपति आनंद महिंद्रा और वेणु श्रीनिवासन, ओलंपिक बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू, नगालैंड के पूर्व मुख्यमंत्री एस सी जमीर और जम्मू कश्मीर के नेता मुजफ्फर हुसैन बेग को पद्म भूषण से नवाजा गया है। बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति ने इस साल 141 पद्म पुरस्कार प्रदान किए जाने को मंजूरी दी है।

बीजिंग स्थित दूतावास भारतीयों के स्वास्थ्य पर लगातार नजर बनाए हैः जयशंकर

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास चीन में फैले घातक कोरोनावायरस के मद्देनजर भारतीयों के स्वास्थ्य एवं उनके कुशलक्षेम पर नजर बनाए है। चीन में भारतीय दूतावास ने दो हेल्पलाइन भी शुरू की हैं, जो लोगों की हर तरह से मदद करने को तैयार हैं। चीन में अभी तक इससे 56 लोग मारे गए हैं और करीब 1,975 मामले सामने आए हैं। इसके सामान्य प्रभावों के चलते सर्दीजुकाम होता है, लेकिन 'सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम(सार्स) से इसका जुड़ाव खतरनाक है, क्योंकि इससे 200203 में चीन और हांगकांग में करीब 650 लोगों की मौत हो गई थी। जयशंकर ने ट्वीट किया, ''बीजिंग स्थित हमारा दूतावास भारतीयों के स्वास्थ्य एवं उनके कुशलक्षेम पर नजर रखे हुए है। कृपया स्थिति की अधिक जानकारी के लिए (ट्विटर पर) /म्व्ठमपरपदह को देखें । '' उन्होंने बीजिंग में भारतीय दूतावास के ट्वीट को भी रिट्वीट किया। भारतीय मिशन ने ट्वीट किया था , '' बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास वुहान शहर सहित हुबेई प्रांत में भारतीयों के साथ लगातार सम्पर्क में है, विशेषकर छात्र समुदाय के साथ..ताकि उनके स्वास्थ्य एवं उनके कुशलक्षेम पर नजर रखी जा सके।'' मिशन ने एक अन्य ट्वीट में कहा, '' हम उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के संबंध में उठाए जाने वाले अन्य कदमों एवं प्रक्रिया के संबंध में चीनी अधिकारियों के साथ भी सम्पर्क में है। चीन में भारतीयों की हरसंभव मदद करने के लिए प्लस 8618612083629 और प्लस 8618612083617 दो हेल्पलाइन भी चालू हैं।''

एलपीजी वाहनों पर जीएसटी घटाये सरकारः उद्योग संगठन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । उद्योग संगठन इंडियन आटो एलपीजी कोलिशन (आईएसी) ने स्वच्छ वाहन ईंधन को बढ़ावा देने के लिये ऑटो एलपीजी के साथसाथ गैस ईंधन के लिये कन्वर्जन किट पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती की मांग की है। वाहनों में ईंधन के रूप में एलपीजी का उपयोग होता है। यह सर्वाधिक स्वच्छ ईंधन में शामिल है जिस पर फिलहाल 18 प्रतिशत की दर से कर लगता है। वहीं ऑटो एलपीजी /सीएनजी कन्वर्जन किट पर यह 28 प्रतिशत है। संगठन ने बयान में कहा कि स्वच्छ ईंधन पर उच्च दर से जीएसटी सरकार के हरित वाहनों को बढ़ावा देने के रुख के विपरीत है।

आईएसी के महानिदेशक सुयश गुप्ता ने कहा, ''हम ऑटो एलपीजी जैसे पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने के लिये नीतियां तैयार करने को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। ऑटो एलपीजी को दुनिया भर की सरकार बढ़ावा दे रही हैं।

लेकिन भारत में इसको लेकर नीतियां भेदभावपूर्ण है। इस पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगता है। इसी प्रकार, ऑटो एलपीजी और सीएनजी कन्वर्जन किट पर सबसे ऊंची कर की 28 प्रतिशत की दर लागू होती है। इसका मतलब है कि या तो यह विलासिता का सामान है या फिर तंबाकू जैसा अहितकर उत्पाद।'' उद्योग संगठन ने कहा कि एलपीजी दुनिया में सर्वाधिक उपयोग होने वाला वैकल्पिक ईंधन है।

इसने हवा गुणवत्ता में सुधार की बात साबित की है। पर्यावरण चिंता के बीच ऑटो एलपीजी की वैश्विक खपत में पिछले 10 साल में 40 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है। दक्षिण कोरिया, तुर्की, पोलैंड, जापान, आस्ट्रेलिया, इटली, मेक्सिको और रूस जैसे देशों ने सफलतापूर्वक इस हरित ईंधन को अपनाया है। आईएसी देश में एलपीजी ऑटो को बढ़ावा देने वाली नोडल एजेंसी है। इसके सदस्यों में सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां, एलपीजी आधारित वाहनों का विपणन करने वाली, किट आपूर्तिकर्ता और उपकरण विनिर्माता शामिल हैं।

कर की ऊंची दर, अन्य शुल्कों से लक्जरी कारों की बिक्री प्रभावितः आडी इंडिया

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की ऊंची दर, आयात शुल्क और पंजीकरण कर की वजह से देश का लक्जरी कार क्षेत्र आगे नहीं बढ़ पा रहा है और सरकार को आगामी बजट में इनकी दरों में कटौती लानी चाहिए। जर्मनी की लक्जरी कार कंपनी आडी ने यह मांग की है। बीते साल यानी 2019 में कंपनी की बिक्री 28.92 प्रतिशत घटकर 4,594 इकाई रह गई, जो 2018 में 6,463 इकाई थी। आडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने कहा कि लक्जरी वाहन क्षेत्र की सभी कंपनियों की बिक्री बीते साल नीचे आई है। ढिल्लन ने कहा,''लक्जरी कारों की बिक्री जीएसटी की ऊंची दर, आयात शुल्क और पंजीकरण कर की वजह से प्रभावित हुई है। इस वजह से लक्जरी कार बाजार की कुल बाजार में हिस्सेदारी मात्र 1.2 प्रतिशत रह गई है। '' उन्होंने कहा कि लक्जरी कार बाजार की प्रत्येक प्रमुख कंपनी की बिक्री पिछले साल घटी है। ढिल्लन ने कहा कि ऐसे में हम सरकारजीएसटी परिषद से जीएसटी दरों में कटौती की मांग करते हैं। इसके अलावा आयात

शुल्क में भी कमी लाई जानी चाहिए और लक्जरी कारों के लिए पंजीकरण की लागत को तर्कसंगत बनाया जाना चाहिए। भारत के लक्जरी कार बाजार की पांच प्रमुख कंपनियां...मर्सिडीज, बीएमडब्ल्यू, आडी, जेएलआर और वोल्वो हैं। 2018 में इन कंपनियों की कुल बिक्री 40,340 इकाई रही थी। 2019 में बिक्री का आंकड़ा और नीचे आने की आशंका है। अभी कई कंपनियों में भारत में अपनी बिक्री के आंकड़े जारी नहीं किए हैं।

71 वें गणतंत्र दिवस परेड के साक्षी बनें ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो का नाम आज उन विश्व नेताओं की सूची में शुमार हो गया, जिन्होंने पिछले कुछ दशकों में भारत के गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि बनकर शिरकत की है। बोलसोनारो भारत के 71वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने राजपथ पर राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य नेताओं के साथ भव्य परेड का आनंद उठाया।

इससे पहले 1996 और 2004 में ब्राजील के राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि बन चुके हैं। वहीं 2016 में ब्राजील के राष्ट्रपति मिशेल टेमेर गोवा में आयोजित आठवीं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शिरकत करने भारत आए थे। बोलसोनारो ने राष्ट्रपति चुनाव में प्रचंड जीत के बाद एक जनवरी 2019 को कार्यभार संभाला था, जिसके बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर मेसियस बोलसोनारो ने शनिवार को भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय संबंधों में नई गति पैदा करने के उद्देश्य से विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा की थी। इस दौरान दोनों देशों ने कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, जैव ऊर्जा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खनन, सांस्कृतिक आदान प्रदान, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में 15 समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे। बोलसोनारो के मुख्य अतिथि के तौर पर यहां पहुंचने की कई खेमों ने आलोचना भी की है। इस विवाद पर सवाले किए जाने पर विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) विजय ठाकुर सिंह ने पिछले सप्ताह कहा था, '' राष्ट्रपति बोलसोनारो की यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह हमारे सामरिक संबंधों को नई ऊर्जा प्रदान करने और केंद्रित रूप में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी । '' उन्होंने कहा, '' इस यात्रा से भारत ब्राजील के बीच बहुआयामी संबंधों के और विस्तार पाने तथा मजबूत होने की उम्मीद है।'' ब्राजील के राष्ट्रपति के साथ उनकी बेटी लॉरा बोलसोनारो, पुत्रवधू लेटिसिया फर्मो, आठ मंत्री, चार सांसद, ब्राजील की संसद में ब्राजील भारत मैत्री समूह के अध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी और एक बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी दौरे पर आया है। वे 2427 जनवरी तक भारत यात्रा पर आए हैं।

इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से चार तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली । इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने सतर्कता दिखाते हुए चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के मुताबिक, बृहस्पतिवार को कुवैत से आ रहे दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। आरोपितों के पास से छह पैकेटों में कुल 410 ग्राम सोना बरामद हुआ है। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे अब तक 512 ग्राम सोने की तस्करी की वारदात को अंजाम दे चुके हैं। वहीं, एक अन्य मामले में कस्टम विभाग ने मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर से आए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चार सोने के कंगन, दो सोने की चेन, एक सोने का कड़ा बरामद हुआ, जिनका कुल वजन 499 ग्राम है। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे अभी तक 1447 ग्राम सोने की तस्करी कर चुके हैं। इसके लिए क्षेत्रीय पुलिस जगहजगह तैनात व पूरी तरह सतर्क नजर आई। हरियाणा बॉर्डर से सटे मार्गों को सील कर दिया गया। जरूरी सेवाओं से जुड़े वाहनों को छोड़कर किसी भी अन्य वाहन का दिल्ली में प्रवेश पूरी तरह वर्जित रहा।

सरकार पत्थलगड़ी मामले में आरोपियों के खिलाफ राजद्रोह आरोप वापस लेना चाहती है?

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने झारखंड की नवनिर्वाचित सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा है कि क्या वह उन चार आदिवासी कार्यकर्ताओं के विरुद्ध राज्य में पत्थलगड़ी आंदोलन के समर्थन में कथित तौर पर फेसबुक पोस्ट लिखने के लिए राजद्रोह के आरोप में दर्ज मामले वापस लेना चाहती है। शीर्ष अदालत को आरोपियों की ओर से सूचित किया गया कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार के कैबिनेट के पहले निर्णयों में यह घोषणा भी शामिल थी कि वह आंदोलन से जुड़े सभी आपराधिक मामले वापस लेगी।

पत्थलगड़ी नाम आदिवासियों के उस आदिवासी आंदोलन को दिया गया है जो ग्राम सभाओं को स्वायत्तता की मांग को लेकर किया गया। पत्थलगड़ी की मांग करने वाले चाहते हैं कि क्षेत्र में आदिवासियों पर देश का कोई कानून लागू नहीं हो। पत्थलगड़ी समर्थक जंगल और नदियों पर सरकार के अधिकारों को खारिज करते हैं। आंदोलन के तहत पत्थलगड़ी समर्थक गांव या क्षेत्र के बाहर एक पत्थर गाड़ते हैं या बोर्ड लगाते हैं जिसमें घोषणा की जाती है कि गांव एक स्वायत्त क्षेत्र हैं और इसमें बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश

निषिद्ध है। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता की एक पीठ ने झारखंड के स्थायी अधिवक्ता तापेश कुमार सिंह से कहा कि वह निर्देश प्राप्त करें और उसे मामले वापस लेने के बारे में किसी निर्णय के बारे में दो सप्ताह में सूचित करें। पीठ ने हाल में अपलोड किये गए अपने आदेश में कहा, ''दो सप्ताह बाद सूचीबद्ध करें। इस बीच झारखंड राज्य के अधिवक्ता को निर्देशित किया जाता है कि वह इस बारे में निर्देश प्राप्त करें कि क्या राज्य याचिकाकर्ताओं के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों पर आगे बढ़ना चाहती है।'' शुरूआत में जे विकास कोरा के नेतृत्व वाले चार याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए अधिवक्ता जोएल ने अदालत को सूचित किया कि राज्य में नई सरकार ने शपथ ली है और उसने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में घोषणा की थी कि पत्थलगड़ी आंदोलन के चलते उत्पन्न आपराधिक मामले वापस लिये जाएंगे। राज्य के अधिवक्ता तापेश कुमार सिंह ने कहा कि यदि ऐसा है तो याचिकाकर्ताओं को झारखंड उच्च न्यायालय के गत वर्ष के उस फैसले के खिलाफ दायर अपनी अपील वापस ले लेनी चाहिए जिसमें अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज मामले रद्द करने से इनकार कर दिया था। पीठ ने यद्यपि सिंह से कहा कि वह सक्षम प्राधिकार से निर्देश प्राप्त करें और उसे दो सप्ताह में सूचित करें।

दिल्ली, नोएडा-ग्रेटर नोएडा के लाखों लोगों का सफर आसान करने की तैयारी

नोएडा । सबकुछ ठीक रहा और योजनाओं का क्रियान्वयन समय पर हुआ तो दिल्ली, नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लाखों लोगों का सफर भविष्य में आसान हो जाएगा। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से जोड़ने की कवायद की कड़ी में कई योजनाएं बनाई जा रही हैं। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट मेट्रो को सीधे नोएडा सेक्टर 142 से जोड़ने की योजना पर विचार किया जा रहा है। यमुना प्राधिकरण इसके लिए जल्द ही दिल्ली मेट्रो रेल निगम को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंप सकता है। 142 से बोटेनिकल गार्डन को मेट्रो से जोड़ने का भी प्रस्ताव है। इसके निर्माण से जेवर एयरपोर्ट आइजीआइ एयरपोर्ट से मेट्रो से जुड़ जाएगा। जेवर एयरपोर्ट को मेट्रो कनेक्टिविटी देने के लिए यमुना प्राधिकरण ने डीएमआरसी से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराई थी। इसके तहत नॉलेज पार्क दो एक्वा मेट्रो स्टेशन से यमुना एक्सप्रेस वे के समानांतर हरित क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट तक मेट्रो ट्रैक बनाने का सुझाव दिया गया था। यह रूट एक्सप्रेस वे के दूसरी ओर नोएडा के सेक्टरों से होकर सीधे जेवर एयरपोर्ट पहुंचेगा। इसकी रिपोर्ट भी तैयार हो रही है। इसके बनने के बाद जेवर एयरपोर्ट मेट्रो सेक्टर 142, बोटेनिकल गार्डन होते हुए शिवाजी स्टेडियम पर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा मेट्रो से जुड़ जाएगी। दोनों एयरपोर्ट के बीच मेट्रो कनेक्टिविटी बन जाएगी। इससे रोजान हजारों हवाई यात्रियों को लाभ मिलेगा। मिली जानकारी के मुताबिक, जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट मेट्रो में तीन लाइन होंगी। एक लाइन एयरपोर्ट एक्सप्रेस मेट्रो के लिए होगी, जो चुनिंदा स्टेशन पर रुकते हुए कम से कम समय में एयरपोर्ट पहुंचेगी। जबकि शेष दो लाइनों पर चलने वाली मेट्रो सेक्टरों को कनेक्टिविटी देगी। अगर डीएमआरसी इस रूट पर सहमति देती है तो नॉलेज पार्क दो से जेवर एयरपोर्ट मेट्रो के रूट पर काम आगे नहीं बढ़ेगा। वहीं, इस विषय पर यमुना प्राधिकरण के सीईओ डा. अरुणवीर सिंह ने बताया कि नोएडा सेक्टर 142 से सीधे जेवर एयरपोर्ट को मेट्रो से जोड़ने की संभावना तलाश की जाएगी। इसकी रिपोर्ट तैयार करने के लिए डीएमआरसी को जल्द कार्य सौंपा जाएगा। इस लाइन के बनने से जेवर एयरपोर्ट को आइजीआइ एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी मिल जाएगी।

BUSINET

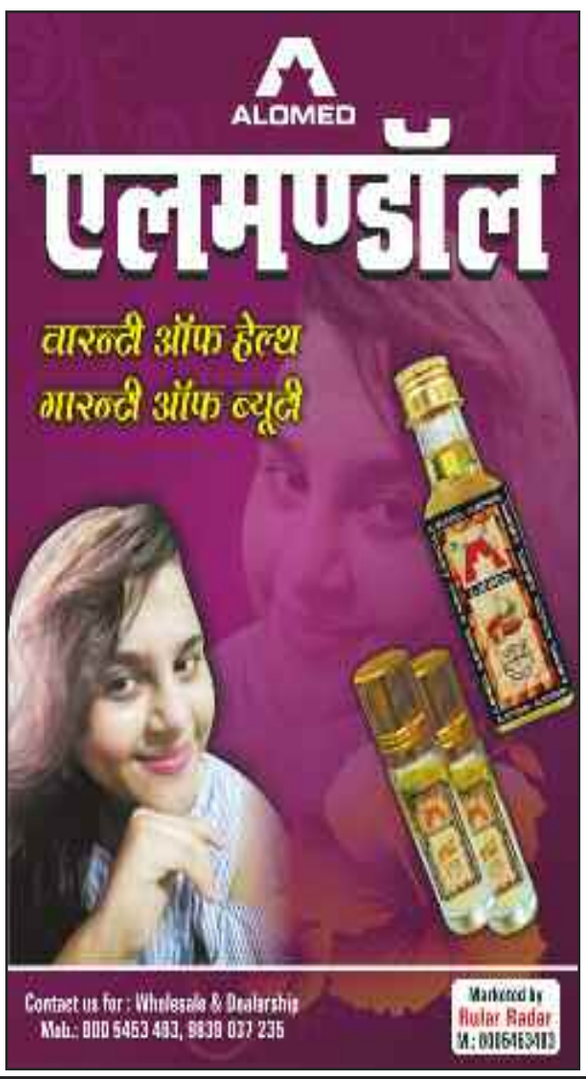

संपादकीय

क्या हो गया है कुछ युवाओं को ? जिन्ना वाली आजादी का आखिर क्या अर्थ निकालें ?

देश में आधुनिक गणतन्त्र व्यवस्था के स्थापना की आज जयन्ती है। इसी दिन सन् 1950 को भारत द्वारा अधिनियम1935 को हटाकर अपना संविधान लागू किया गया था। एक स्वतन्त्र गणराज्य बनने और देश में कानून का राज स्थापित करने के लिए सन्विधान को 26 नवम्बर, 1949 को सन्विधान सभा द्वारा अपनाया गया और 26 जनवरी, 1950 को इसे एक लोकतान्त्रिक प्रणाली के साथ लागू किया गया। इसके लिए 26 जनवरी का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि 1930 में इसी दिन कांग्रेस ने देश में पूर्ण स्वराज्य का संकल्प लिया था। देश में गणतन्त्र की आधुनिक चरण लागू हुए 70 साल बीत चुके, आधुनिक सोपान इसलिए क्योंकि जनतन्त्र प्रणाली भारत के लिए कोई नई नहीं बल्कि किसी न किसी रूप में वैदिक काल से चली आ रही प्राचीन व्यवस्था रही है। हां इसे आधुनिक व व्यवस्थित रूप 1950 को दिया गया। आजादी के इन 72 और लोकतन्त्र के इन 70 सालों ने भारत ने अनेक उपलब्धियां हासिल कीं, जिस पर गर्व किया जा सकता है। हालांकि इस अल्पावधि में इमरजेंसी के हालातों से भी गुजरना पड़ा परन्तु लोकशक्ति ने लोकशाही को बचा लिया। देश व समाज के सम्मुख चुनौतियां व संकट हर युग में रहे हैं और आगे भी रूप बदलबदल कर तरहतरह के चुनौतियां सम्मुख आएंगी परन्तु वर्तमान में जिस तरह अकारण अशान्ति का महौल बनाया गया है उससे इस बात की आवश्यकता है कि हमारा गणतन्त्र गुणतन्त्र की तरफ भी बढ़े।

नागरिकता संशोधन विधेयक को लेकर जिस तरह से समाज के वर्ग विशेष को भड़काया जा रहा है और विधेयक के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों में जो प्रतिक्रियाएं आ रही हैं वे हमारे गणतन्त्र की गुणवत्ता पर सवालिया निशान लगा देती हैं। इन प्रदर्शनों में जिन्ना वाली आजादी के नारों का क्या अर्थ निकाला जाए ? अगर देश के गण में राष्ट्रभाव के गुण होते तो क्या देश की राजधानी के बीचों बीच चल रहे धरनों में इस तरह की बेशर्मी होती ? देखा जाए तो ऐसे नारे लगाने वालों से अधिक कसूरवार वे राजनीतिक दल हैं जिन्होंने एक वर्ग विशेष को राष्ट्रभाव से जुड़ने ही नहीं दिया, उसे शरीयत, इफ्तार और वोटों के फतवों तक ही सीमित रखा। कुछ दिन पहले देश के जाने माने रक्षा विशेषज्ञ व लेखक कैप्टन आर. विक्रम सिंह का लेख पढ़ कर आंखें खुल गईं कि किस तरह एक वर्ग विशेष को योजनाबद्ध तरीके से अलग थलग करके रखा गया। विभाजन के बाद पाकिस्तान इस्लामिक देश बना परन्तु भारत ने अपनी युगों की परम्परा का पालन करते हुए सर्वधर्म समभाव की नीति को अपनाया। ऐसे में मुसलमानों से भारतीय संस्कृति में मिश्रित होने की उम्मीद स्वाभाविक थी परन्तु अगर मुसलमान धर्मनिरपेक्ष हो जाते तो उनको वोट बैंक बनाए रखने की योजना बेकार हो जाती। इसलिए जरूरी था कि उनकी अलग बस्तियाँ, अलग पहचान और अलग संस्थाएं हों जो तुष्टिकरण की नीति पर चलते हुए किया भी गया। भारतीय मुसलमान भी तो मलेशिया, इंडोनेशिया के मुसलमानों से सीख लेकर मलय संस्कृति की तरह भारतीय संस्कृति पर गर्व कर सकते थे। वह भी इंडोनेशिया मुसलमानों की तरह राम को पूर्वज मान सकते थे, परन्तु उनको राममन्दिर के खिलाफ खड़ा कर दिया गया। उनको अरबों, तुर्कों के साथ जोड़ा गया। दरअसल, मुस्लिम समाज को भारतीयता के साथ जोड़े रखने की कोशिश ही नहीं हुई। राजनैतिक जरूरतों ने सांझी संस्कृति ही विकसित नहीं होने दी। आजादी से पहले इस बिखराव के लिए हम अंग्रेज सरकार, शाह वलीउल्ला, सैयद अहमद, अलामा इकबाल, मुहम्मद अली जिन्ना को दोषी मान सकते थे परन्तु आजादी के बाद तो हम ही अपने भाग्य विधाता थे। भारत और विश्व इतिहास पर पुस्तकें लिखते हुए नेहरू जी को उन वतनप्रस्त मुसलमानों जैसे कि हाकिम खान, इब्राहिम गारदी जो महाराणा प्रताप और मराठों की फौजों के साथ कन्धे से कन्धा मिला कर लड़ते हुए शहीद हुए, की याद नहीं थी।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : मनोज श्रीवास्तव
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : सत्य प्रकाश
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

इलाहाबाद कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइनस।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

राजनीति का अपराधीकरण सैयां भये कोतवाल तो डर काहे का

राजनीति के अपराधीकरण पर गाहे बगाहे मीडिया में एक बार सुर्खिया बनती है और फिर यह प्रकरण ठंडे बस्ते में समा जाता है। ताजा मामला देश के सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक बार फिर सांपों के इस पिटारे पर हाथ रखने से शुरू हुआ है। राजनीति के अपराधीकरण पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश में राजनीति के अपराधीकरण को रोकने के लिए कुछ तो करना ही होगा। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका पर विचार करने की सहमति जताई है जिसमें आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को पार्टी प्रत्याशी न बनाने का आदेश जारी करने की अपील की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीति के अपराधीकरण को समाप्त करने को लेकर फ्रेमवर्क तैयार करने का चुनाव आयोग को शुक्रवार को निर्देश दिया है।

पिछले दो दशकों के इतिहास पर नजर दौड़ाएं तो अपराधी सियासत के इस मामले में हम खाली हाथ ही मिलेंगे। इस बारे में अनेक बार सुप्रीम कोर्ट अपनी चिंता जाहिर कर चुका है। चुनाव आयोग का रुख भी स्पष्ट है। राजनीतिक दल हाथी के दांत की कहावत से आगे बढ़ते नहीं मिलेंगे। मगर देश की जनता चाहती है दागी सियासत का नापाक गठजोड़ तोडा जाये। हालाँकि यह अलग बात है दागी को चुनाव तो जनता ही जिताती है। यहाँ सवाल यह पैदा होता है जब सब चाहते है की चुनाव से दागियों को दूर रखा जाये तो अब तक कोई भी स्पष्ट निर्णय क्यों नहीं ले पाता है। यह विचारणीय है। मोदी सरकार अपने साहसिक निर्णयों के लिए विख्यात है मगर राजनीति के अपराधीकरण पर वह भी चुप्पी साधे है। सही बात तो यह है दागियों ने सभी पार्टियों में अपनी पेठ मजबूत बना रखी है और बड़ी संख्या में माननीय ऐसे मामलों में फंसे हुए है। अब सैयां भये कोतवाल तो डर काहे का।

देश की सियासत में नेताओं और अपराध का चोलीदामन का साथ रहा है। आजादी के बाद से ही देश में जाति, धन और बाहुबल का दबदबा देखा गया। जाति और दागी सियासत धीरे धीरे बढ़ती गई और आजादी के 73 सालों के बाद भी हम इसका तौड़ नहीं ढूंढ पाए फलस्वरूप सियासत में इनका दबदबा आज भी कायम है।

देश में ऐसी कोई भी राजनीतिक पार्टी नहीं, जो पूरी तरह से दागी मुक्त हो। यानी उनके किसी भी एक नेता पर अपराध के मामले दर्ज नहीं हों। यही वजह है कि राजनीति में अपराधीकरण के मामले पर अपने फैसले में भले ही सुप्रीम कोर्ट ने दागी सांसदों, विधायकों को अयोग्य ठहराने से इनकार कर दिया, मगर कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि अब संसद के भीतर कानून बनाने की जरूरत है। कोर्ट ने सभी राजनीतिक दलों को चुनाव लड़ रहे उनके जिन उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, उनकी जानकारी वेबसाइटों और इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट, दोनों मीडिया में सार्वजनिक करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने एक बार फिर आम नागरिकों की भावना को अपने शब्दों में व्यक्त किया है।

वर्तमान में 542 सांसदों में से 233 यानि 43 फीसदी सांसदों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे लंबित हैं। हलफनामों के हिसाब से 159 यानि 29 प्रतिशत सांसदों के खिलाफ हत्या, बलात्कार और अपहरण जैसे गंभीर मामले लंबित है। आपराधिक मामलों में फंसे सर्वाधिक सांसद केरल और बिहार से चुन कर आए। केरल से निर्वाचित 90 फीसदी, बिहार से 82 फीसदी, पश्चिम बंगाल से 55 फीसदी, उत्तर प्रदेश से 56 और महाराष्ट्र से 58 प्रतिशत सांसदों पर केस लंबित है। वहीं सबसे कम नौ प्रतिशत सांसद छत्तीसगढ़ के और 15 प्रतिशत गुजरात के हैं।

पिछले 73 सालों में जिस तरह हमारी राजनीति का अपराधीकरण हुआ है और जिस तरह देश में आपराधिक तत्वों की ताकत बढ़ी है, वह जनतंत्र में हमारी आस्था को कमजोर बनाने वाली बात है। राजनीतिक दलों द्वारा अपराधियों को शह देना, जनता द्वारा वोट देकर उन्हें स्वीकृति और सम्मान देना और फिर कानूनी प्रक्रिया की कछुआ चाल, यह सब मिलकर हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था और जनतंत्र के प्रति हमारी निष्ठा, दोनों, को सवालों के घेरे में खड़ा कर देते हैं।

चुनाव आते हैं तो राजनीति और अपराध जगत का संबंध भी सुर्खियों में आ जाता है. अपराधियों को नेताओं का समर्थन हो या नेताओं की अपराधियों को कानून के शिकंजे से बचाने की कोशिश, आखिर दलों पर अपराधियों का ये कैसा असर है । भारतीय लोकतंत्र में अपराधी इतने महत्वपूर्ण हो गए हैं कि कोई भी राजनीतिक दल उन्हें नजरअंदाज नहीं कर पा रहा। पार्टियाँ उन्हें नहीं चुनती बल्कि वे चुनते हैं कि उन्हें किस पार्टी से लड़ना है। उनके इसी बल को देखकर उन्हें बाहुबली का नाम मिला है. कभी राजनीति के धुरंधर अपराधियों का अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करते थे अब दूसरे को लाभ पहुँचाने के बदले उन्होंने खुद ही कमान संभाल ली है।

राजनीतिक दलों द्वारा दागियों को शह देना, जनता द्वारा वोट देकर उन्हें स्वीकार करना हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को शर्मसार करती हैं। सच तो यह है कि बुराई लोकतांत्रिक व्यवस्था में नहीं बल्कि हमारे चरित्र में है। क्योंकि अपराधी नेताओं को जीता कर हम ही भेजते है। स्वस्थ लोकतंत्र का तकाजा है हम बदलेंगे तभी व्यवस्था में सुधार होगा। यदि हमें अपनी सियासत दागी मुक्त करनी है तो यह शुरुआत अपने घर से ही करनी होगी। हमें यह संकल्प लेना होगा की हम किसी भी हालत में अपराधियों को अपना मत नहीं देंगे तभी लोकतंत्र की पवित्रता कायम रहेगी।

बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार
क.32, मॉडल टाउन, मालवीय नगर, जयपुर

देशभक्ति की अभिव्यक्ति

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

लखनऊ विधानसभा मार्ग पर गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह सम्पन्न हुआ। यहां अनेक कार्यक्रमो के माध्यम से देशभक्ति की उत्साहपूर्ण अभिवयक्ति की गई। स्कूल के बच्चों की प्रभातफेरी,देशभक्ति नृत्य,सुरक्षा बलों की परेड,बैंड धुन पर देशभक्ति गीत,टैंक,और चॉपर की पुष्प वर्षा ने माहौल को जीवंत बना दिया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने परेड की सलामी ली।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित थी। बड़ी संख्या में आमजन भी इस परेड को देखने उमड़े थे। सभी में देशभक्ति का जज्बा स्पष्ट दिखाई दे रहा था। चारबाग से लेकर केडी सिंह बाबू स्टेडियम तक इस भव्य परेड का लोगों ने पुष्प वर्षा से स्वागत किया। सीमाओं की रक्षा करने वाले वाहनों की आमद ने उत्साह बढ़ाया। सैन्य शक्ति का प्रदर्शन मन में वीरता भाव जागृत करने वाला था। अनेक विभागों की झांकियों ने विकास और

सांस्कृतिक विरासत को प्रकट किया। टैंक डी नब्बे भीष्मा, लाईट फील्ड गन, नेटवर्क ऑपरेशन सेंटर, इंटिग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल मल्टी परपज प्लेट फार्म,एकीकृत संचार वाहन आदि ने सैन्य शक्ति का सन्देश दिया। परेड में सेना की ओर से नौ राजपूत रेजीमेंट,चार डोगरा रेजीमेंट,सोलह जाट रेजीमेंट, केंद्रीय रिर्जव पुलिस बल व सशस्त्र सीमा बल सहित तैतीस टुकडियां शामिल हुई। आइसीबी बीएमपी टू,एमएम लाईट मशीन, लाईट मशीन गन व नेटवर्क ऑपरेशन सिस्टम से लैस था। यूपी पुलिस,पैंतीस पीएसी बटालियन, एटीएस कमांडो दस्ता, राजस्थान आर्म्स कांटेविलरी, यूपी होमगार्ड, एनसीसी,नागरिक सुरक्षा संगठन,सैनिक स्कूल व होमगार्ड सहित शहर के कई स्कूली बैंड देशभक्ति गीतों की धुन पर जलवा बिखेर रहे थे।अत्याधुनिक हथियारों से लैस ऐंटी टेररिस्ट स्क्वायड के कमांडो महिला सुरक्षा एक सौ ग्यारह पीआरवी,घुड़सवार व श्वान दल,फायर व एंबुलेंस स्नाइपर्स कमांडो क्लस्टर फाइटर भी परेड का हिस्सा बने।

जय हिंद! जय भारत!! वीर जवानों

अंग्रेजों ने किया बहुत
अत्याचार भारत पर काबिज थे।
सोने के देश को लूट ले गये
कैसे वो काबिल हो गये ।।

वर्ष सैकड़ों बीत गये, आज़ादी
हमको मिली नहीं
लाखों शहीद कुर्बान हुए,
आज़ादी हमको मिली नहीं

भारत की जननी स्वर्ण भूमि
पर, बर्बर अत्याचार हुये ।
माता बहन बेटियों के, इज्ज़त
धन सम्मान लुट ले गये ।।

बिक गये धरम लुट गये करम,
सब ओर गुलामी बू छायी ।
प्राचीन सभ्यता संस्कृति गौरव,
हम भूल गये हम सच्चाई ।।

ब्राह्मण कहता हम सर्वशेष्ट,
छत्रिय कहता हम शासक है ।
बनिया कहता हम धन कुबेर,
हरिजन अछूत बस सेवक है ।।

मंदिर मस्जिद स्कूल सभी,
जाना हरिजन को वर्जित था
ईश्वर था उच्च जातियों का,
सब पुण्य उन्हीं को हासिल था ।।

बेकार अगर हो जाय अंग,
मानव ताकत घट जाती है ।
सब लोग दबा सकते उसको,
आबरू मान छिन जाती है ।।

भारतजन का एक बड़ा भाग,
अंग्रेज़ों ने निष्क्रिय कर डाला था।
शक्तिहीन बना दिया था,
कमजोर देश बना कर डाला ।।

हर वर्ग धर्म में फूट डाल, दंगे
फ़साद करवाते थे ।
माल खजाना सबकुछ लूट ले
गये वो अंग्रेज थे ।।

तब देख दशा भारत के
नौजवानों का खून खौला ।
स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े
और अंग्रेज़ो को खदेड़ा ।।

स्वतंत्रता सेनानियों की बदौलत
मिली आजादी हमें ।
रावत! नमन् हैं उनको और
शहादत रहेगी अमर सदैव ।।

सूबेदार रावत गर्ग उण्डू राज
गर्गवास राजबेरा, तहसील
उपखंड शिव,
जिला मुख्यालय बाड़मेर,
राजस्थान 344701

'राष्ट्र' के प्रति समर्पित होने का दिन है 'गणतंत्र दिवस'

जी हां, इस दिन
देश के हर नागरिक को अपने देश के प्रति निष्ठावन होने का संकल्प लेने का दिन है। हर भारतीय के लिए राष्ट्र तभी सर्वोपरि होगा, जब इसकी महत्ता को वह समझेगा। और यह तभी संभव हो पायेगा ज बवह सारे मतभेद, ईर्ष्या, द्वेष, धर्म जाति से उपर अपने को रखेगा। शांति, सौहार्द और विकास के लिए हर मोड़ पर अपनी कृतज्ञता प्रकट करेगा। अगर यह सब करने में सफल हुए तो वह दिन दूर नहीं जब भारत एक बार फिर से विश्वगुरू बन जाएगा

इसमें कोई शक नहीं, आजादी के 70 सालों में कुछ वाकयों को छोड़ दें तो दुनिया में देश का मान बढ़ा है। लेकिन अफसोस तब होता है जब अपने ही देश में सेना पर सवाल उठाए जा रहे हैं। महापुरुषों के बनाएं संविधान को हाथ में लेकर देश के टुकड़े टुकड़े करने के नारे लगाए जा रहे हैं। बात बात में संविधान का मज़ाक उड़ाया जा रहा है। इससे बड़ी शर्म की बात और क्या होगी जब देश अपने गणतंत्र के 70 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है, तब देश के कुछ लोग गणतंत्र को कमज़ोर करने की कोशिश कर रहे हैं। जो लोग संविधान को खतरे में बता रहे हैं, वो संविधान के तहत चुनी गई सरकार को ही नकार रहे हैं। वो संविधान के तहत संसद में पास किए गए कानून का ही विरोध कर रहे हैं। अपने अधिकार की लड़ाई के लिए दूसरों के मौलिक अधिकारों का हनन कर रहे हैं। और जाने अनजाने देश विरोधी ताकतों की सहायता भी कर रहे हैं। विरोध और आपत्ति दर्ज कराने के लिए इस देश में अदालतें हैं, लेकिन उनपर भी अब शक किया जाता है। और तो और, बच्चों को भी राजनीति का मोहरा बनाया जा रहा है।

मोबाइल फोन का इस्तेमाल बढ़ा है, लेकिन बिना पूरी जानकारी लिए किसी भी मुद्दे पर बोलने की आदत भी बढ़ गई है। अगर 70 साल के गणतंत्र की यही उपलब्धि है तो वाकई हमें सोचना होगा कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। मतलब साफ है इन 70 वर्षों के दौरान भारत राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से पूरी तरह बदल चुका है। लेकिन आज भी कुछ लोग हैं जो इस बदलाव को स्वीकार नहीं करना चाहते। ऐसे लोग चाहते हैं कि भारत हमेशा गुलाम बना रहे। इन लोगों को टुकड़े टुकड़े गैंग से भी समर्थन मिलता है और पाकिस्तान से भी। ऐसे लोग कश्मीर को हमेशा धारा 370 वाली ज़ंजीरों में जकड़कर रखना चाहते हैं। संविधान को हाथ में लेकर ही देश के टुकड़े टुकड़े करने के नारे लगाए जा रहे हैं। आतंकवादियों की फांसी का विरोध किया जा रहा है।

सवाल यह है कि क्या देश के महापुरुषों ने हमारे संविधान का निर्माण इसी तरह की मानसिकता के लोगों के लिए किया था, जो अपने ही देश के संविधान का मज़ाक उड़ा रहे हैं। आप सोचिए ये सब देखकर आज देश के संविधान निर्माताओं की आत्माएं कितनी दुखी हो रही होंगी। भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, डॉक्टर बी आर अंबेडकर, सुभाष चंद्र बोस और महात्मा गांधी अगर आज देश की हालत देखते तो कितने दुखी होते। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कितनी मेहनत से देश की 565 रियासतों को एक किया था। अगर आज वो जिंदा होते तो देश के हालात देखकर माथा पकड़ लेते। क्योंकि जिन लोगों के लिए उन्होंने इतनी पीड़ा उठाई आज वही लोग देश से आज़ादी मांग रहे हैं।

टुकड़े टुकड़े गैंग की देश विरोधी मानसिकता को देखकर कहा जा सकता है 70 वर्ष पहले भारत के लोग गरीब ज़रूर थे लेकिन उनमें ईमानदारी, आदर्श और नैतिकता थी। उनके लिए जाति, धर्म व विचारधारा से पहले देश था। अब तो पहले जैसे हालात भी नहीं है, दुनिया भर में भारत की साख बढ़ी है। 70 वर्षों में भारत की अर्थव्यस्था का आकार 1828 गुना बढ़ चुका है। प्रति व्यक्ति आय भी 293 गुना बढ़ चुकी है। आज़ादी के समय भारत की जनसंख्या लगभग 33 करोड़ थी। लेकिन आज भारत की आबादी 135 करोड़ से ज़्यादा हो

चुकी है। वर्ष 1950 में भारत की जीडीपी करीब 10 हज़ार करोड़ रुपये थी जो आज बढ़कर 190 लाख करोड़ रुपये पहुंच चुकी है। 70 वर्ष पहले भारत में प्रति व्यक्ति आय 250 रुपए थी। आज भारत की प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 35 हज़ार रुपये हो चुकी है। 1950 में एक किलो आटे की कीमत 10 पैसे हुआ करती थी जबकि ये कीमत आज 30 रुपये से 60 रुपये के बीच हो चुकी है। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि 1950 के दौर में 10 पैसे प्रति किलो आटा भी बहुत महंगा माना जाता था। क्योंकि मुगलों व अंग्रेजों ने भारत को इस तरह लूटा था कि भारत के लोगों के पास पैसे ही नहीं हुआ करते थे। इसी तरह 1950 में एक किलो चावल 10 से 20 पैसे में मिल जाता था। और आज चावल की कीमत 40 से 100 रुपये पहुंच चुकी है। उस दौर में लोग शहरी यातायात के लिए तांगा और बैलगाड़ी का इस्तेमाल किया करते थे। मात्र 10 पैसे में कई किमी तक की यात्रा की जा सकती थी लेकिन आज कार, बाइक, ऐरोप्लेन व मेट्रो का युग है, जिसका किराया 10 रुपये से लेकर 10,000 रुपये तक हो चुका है।

1950 के दौर में मनोरंजन के बहुत कम साधन थे। फिल्में देखना एक महंगा शौक माना जाता था। उस समय सिनेमा हॉल की एक टिकट की कीमत करीब 25 पैसे हुआ करती थी। आज के दौर में 200 से 300 रुपये तक की फिल्में देखना बहुत सामान्य बात हो गई है। उस दौर में भारत मे करीब 84 हज़ार लैंडलाइन फोन कनेक्शन हुआ करते थे। इनमें से ज़्यादातर कनेक्शन सरकारी दफ़्तरों में लगे हुए थे। आज हर हाथ में मोबाइल है। इन सबके बावजूद माना कि अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। लेकिन यह पूर्ण तभी हो पाऐगा जब हम स्वतंत्रता के महत्व को समझेंगे। आर्थिक, राजनैतिक, सामाजिक और दार्शनकि आधार पर देश को समझने की कोशिश करनी होगी। देश को और देश के लोगों को पहले ज़ोरबा के रास्ते पर चलना होगा। यानी खुद को समृद्ध बनाना होगा। सारा वैभव हासिल करना होगा, सुख सुविधाएं जुटानी होंगी और फिर जब हम ये सब कर लेंगे तब हमें बुद्ध बनने की चिंता करनी होगी। क्योंकि अगर ऐसा हम कर पाएं तो मुस्सिम आक्रांताओं एवं अंग्रेज़ों द्वारा लूटी गयी भारत की बौद्धिक संपदा और ज्ञान के भंडार को पुनः हासिल कर विश्वगुरू बना जा सकता है।

आमतौर पर गणतंत्र दिवस को लोग एक छुट्टी वाले दिन के तौर पर मनाते हैं, लेकिन हम चाहते हैं कि गणतंत्र दिवस देश के लिए सिर्फ एक छुट्टी वाला दिन बनकर न रह जाए। हम आपके विचारों में एक सकारात्मक बदलाव लाना चाहते हैं। एक मशहूर वाक्य है ''मत पूछो कि देश ने आपको क्या दिया, ये बताओ कि आपने देश को क्या दिया?'' देश के बारे में सोचने की शुभ शुरुआत करने के लिए गणतंत्र दिवस से बेहतर कोई और दिन नहीं हो सकता। आप चाहें तो देश की भलाई के लिए आज से ही अपने अंदर कुछ बदलाव ला सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले महिलाओं के सम्मान की रक्षा करने का प्रण ले सकते हैं। नफरत की राजनीति करने वालों से दूरी बना सकते हैं और उन्हें ऐसा करने से रोक सकते हैं। सड़क पर घायल या ज़रूरतमंद लोगों की मदद करने की प्रतिज्ञा कर सकते हैं। देश को स्वच्छ बनाने के लिए कचरा सड़क पर ना फेंकने की कसम खा सकते हैं। सड़कों और दीवारों पर ना थूकने का संकल्प ले सकते है। देश के सामाजिक माहौल को बेहतर बनाने के लिए अभद्र भाषा के इस्तेमाल से बचने का संकल्प ले सकते है। साल में कम से कम एक पौधा लगाने की संकल्प ले सकते है। ट्रैफिक नियमों के पालन के साथ साथ बिजली और पानी की बर्बादी से बचने का संकल्प ले सकते है।एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनों को रास्ता देने के लिए थोड़ा सा कष्ट उठा लेना का संकल्प ले सकते है। क्योंकि कर्तव्य पालन के प्रति सतत जागरूकता से ही हम अपने अधिकारों को निरापद रखने वाले गणतंत्र का पर्व सार्थक रूप में मना सकेंगे और तभी लोकतंत्र और संविधान को बचाये रखने का हमारा संकल्प साकार होगा। राजनीतिक व्यवस्था समाज को चुस्त, ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित कानून बनाने के लिए सरकार पर दबाव बनाना होगा। प्रत्येक नागरिक चाहे जो कोई हो बेरोजगार या अमीर, सेवादार या किसान सबको अपनी प्रत्यक्ष जायदाद का खुलासा करनी चाहिए। जो भी चलअचल संपत्ति है उसे सर्वाजनिक करनी होगी। लेकिन अफसोस है कि हमारी ज्यादातर प्रतिबद्धताएं व्यापक न होकर संकीर्ण होती जा रही हैं जो कि राष्ट्रहित के खिलाफ हैं। राजनैतिक मतभेद भी नीतिगत न रह कर व्यक्तिगत होते जा रहे हैं। जनतंत्र गणतंत्र की प्रौढ़ता को हम पार कर रहे हैं, लेकिन आम जनता को उसके अधिकार, कर्तव्य, ईमानदारी समझाने में पिछड़े, कमजोर, गैर जिम्मेदार साबित हो रहे हैं। चूंकि स्वयं समझाने वाला प्रत्येक राजनीतिक पार्टियां, नेता स्वयं ही कर्तव्य, ईमानदारी से अछूते, गैर जिम्मेदार हैं, इसलिए असमानता की खाई गहराती जा रही है और असमानता, गैरबराबरी बढ़ गयी है। जबकि बराबरी के आधार पर ही समाज की उत्पत्ति हुई थी। गणतंत्र के सूरज को राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के बादलों ने घेर रखा है। हमें किरणकिरण जोड़कर नया सूरज बनाना होगा। हमने जिस संपूर्ण संविधान को स्वीकार किया है, उसमें कहा है कि हम एक संपूर्ण प्रभुत्वसंपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य हैं। भ्रष्टाचार वह जहर है जिसने पूरी मानवता व नैतिकता को स्वाहा कर दिया है। जिस देश मे दूध की नदियां बहती थी, वहां आज भ्रष्टाचार की गंगोत्री बहती है। संविधान लागू होने के सात दशक बाद भी हमारे संविधान के तीन आधारभूत स्तम्भो विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका पर भ्रष्टाचार का काला साया मंडरा रहा है। पूरी व्यवस्था प्रदूषित होती जा रहा है। आज आजाद हुए सात दशक पार कर गये, अब तक हमने बहुत कुछ हासिल किया है, वहीं हमारे इन संकल्पों में बहुत कुछ आज भी आधेअधूरे सपनों की तरह हैं।

सुरेश गांधी

क्या है हमारे गणतंत्र दिवस का इतिहास, कैसे बना हमारा संविधान

देश की आन है तिरंगा
मान है गंगा
निशान चक्र है
कमल पुष्प है.....

मुझे आज भी वो गीत याद है, जो हम गणतंत्र दिवस पर गाया करते थे। स्कूल में बहुत दिन पहले ही परेड, पीटी, लेजिम और डंबल की प्रैक्टिस शुरू हो जाती थी। मन में एक नई उमंग, नया उत्साह रहता था राष्ट्रीय त्यौहारों को मनाने का लेकिन आज़ जब देखती हूं कि स्कूलों में ये राष्ट्रीय त्यौंहार मनाने के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जाती है तो बहुत दुःख होता है। आज़ गलीगली, नुक्कड़नुक्कड़ पर कुकुरमुत्तों की तरह उग आए कान्वेंट स्कूलों ने इस परम्परा को लगभग समाप्त ही कर दिया है। इनमें गणतंत्र दिवस के नाम पर लेदेकर कुछ बच्चों को बुलाकर प्रिंसिपल झंडा फहराने का कोरम पूरा करके उन्हें घर भेज देते हैं। वहां पर न तो कोई सांस्कृतिक कार्यक्रम होता है और न ही बच्चों को गणतंत्र दिवस के बारे में कोई जानकारी दी जाती है। हां, हिन्दी मीडियम स्कूल आज़ भी पूरी रिवायत के साथ इन त्यौंहारों को मनाते हैं। वहां ध्वजारोहण के लिए किसी नेता, समाजसेवी या फिर किसी बड़े उद्योगपति को बुलाया जाता है। ध्वजारोहण के पश्चात वे बच्चों को संबोधित करते हैं और बच्चे परेड के द्वारा उन्हें सलामी देते हैं। तत्पश्चात् सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है और मुख्य अतिथि द्वारा बच्चों में मिठाई और फल आदि वितरित किए जाते हैं। यहां पर इन सब बातों का उल्लेख करना इसलिए प्रासंगिक हो गया है कि धीरे धीरे हमारे राष्ट्रीय त्यौंहारों की स्वीकार्यता कम होती जा रही है और इस वजह से स्कूली बच्चों में उनके प्रति न तो वो उत्साह है और न ही उन्हें इस बात का ज्ञान कि किस तरह से हमें आजादी मिली, कैसे हमारे संविधान का निर्माण हुआ और हम गणतंत्र दिवस क्यों मनाते हैं? तो आइए जानते हैं अपने गणतंत्र दिवस के बारे में

कब मनाया जाता है

हमारे देश में प्रतिवर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष हम अपना 71वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं। दरअसल 26 जनवरी 1950 को हमारे देश का संविधान लागू हुआ था, उसी के उपलक्ष्य में हर वर्ष इसे गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। जब हमारा देश आजाद हुआ तो उसे एक सम्प्रभु राष्ट्र बनाने के लिए संविधान की आवश्यकता थी। उसके लिए एक संविधान सभा का गठन किया गया, जिसके अध्यक्ष डॉ. भीमराव अम्बेडकर थे। उनके साथ जवाहरलाल नेहरू, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सरदार वल्लभ भाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद आदि इसके सदस्य थे।

26 जनवरी को ही क्यों मनाया जाता है गणतंत्र दिवस

भारत देश को एक स्वतंत्र लोकतांत्रिक गणराज्य बनाने के लिए और देश में कानून का राज स्थापित करने के लिए 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा संविधान को अपनाया गया और 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया गया। इसके पीछे कारण ये था कि वर्ष 1929 में कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में इस आशय का एक प्रस्ताव पारित किया गया था कि यदि अंग्रेज सरकार द्वारा 26 जनवरी 1930 तक भारत को डोमिनिक रिपब्लिक का दर्जा नहीं दिया गया तो भारत को पूर्ण रूप से स्वतंत्र देश घोषित कर दिया जाएगा। लेकिन 26 जनवरी 1930 तक जब अंग्रेज सरकार ने कुछ नहीं किया तो कांग्रेस ने उस दिन भारत की पूर्ण स्वतंत्रता के निश्चय की घोषणा की और अपना सक्रिय आन्दोलन प्रारम्भ कर दिया। उस दिन से 1947 तक स्वतंत्रता प्राप्त होने तक इस दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् जब संविधान सभा का गठन किया गया और संविधान बनकर तैयार हो गया तो इस दिन को यादगार बनाने के लिए संविधान को इसी दिन लागू किया गया।

संविधान सभा से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य और संविधान निर्माण की प्रक्रिया

15 अगस्त 1947 को जब हमारा देश आजाद हुआ तो हमारे नीति निर्माताओं को एक संविधान की आवश्यकता महसूस हुई, जिसके अनुसार हमारा देश सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न एक लोकतांत्रिक गणराज्य बन सके। इसके लिए प्रक्रिया आजादी से पहले ही शुरू हो चुकी थी। कैबिनेट मिशन की संस्तुति के आधार पर जुलाई 1946 ई. में एक संविधान सभा का गठन किया गया था, इसके सदस्य ही प्रथम संसद के सदस्य बने। आइए जानते हैं इसकी पूरी प्रक्रिया।

इसके सदस्यों की कुल संख्या 389 निश्चित की गई थी, जिनमें 292 ब्रिटिश प्रान्तों के प्रतिनिधि, 4 चीफ कमिश्नर क्षेत्रों के प्रतिनिधि एवं 93 देशी रियासतों के प्रतिनिधि सम्मिलित थे।

मिशन योजना के अनुसार जब जुलाई 1946 में संविधान सभा का

चुनाव हुआ तो कुल 389 सदस्यों में से प्रांतों के लिए निर्धारित 296 सदस्यों के लिए ही चुनाव हुए। जिसमें कांग्रेस को 208, मुस्लिम लीग को 73 स्थान और 15 अन्य दलों के एवं स्वतंत्र उम्मीदवार निर्वाचित हुए।

9 दिसंबर, 1946 ई0 को संविधान सभा की प्रथम बैठक नई दिल्ली स्थित काउंसिल चैम्बर के पुस्तकालय भवन में हुई। सभा के सबसे बुजुर्ग सदस्य डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को सभा का अस्थायी अध्यक्ष चुना गया, मुस्लिम लीग ने बैठक का बहिष्कार किया और पाकिस्तान के लिए बिलकुल अलग संविधान सभा की मांग प्रारम्भ कर दी।

हैदराबाद एक ऐसी रियासत थी, जिसके प्रतिनिधि संविधान सभा में सम्मिलित नहीं हुए थे।

प्रांतों या देसी रियासतों को उनकी जनसंख्या के अनुपात में संविधान सभा में प्रतिनिधित्व दिया गया था। साधारणतः 10 लाख की आबादी पर एक स्थान का आवंटन किया गया था।

प्रांतों का प्रतिनिधित्व मुख्यतः तीन समुदायों की जनसंख्या के आधार पर विभाजित किया गया था, ये समुदाय थे मुस्लिम, सिख एवं साधारण।

संविधान सभा में ब्रिटिश प्रांतों के 296 प्रतिनिधियों का विभाजन सांप्रदायिक आधार पर किया गया 213 सामान्य, 79 मुसलमान तथा 4 सिख।

संविधान सभा के सदस्यों में अनुसूचित जनजाति के सदस्यों की संख्या 33 थी।

संविधान सभा में महिला सदस्यों की संख्या 12 थी।

11 दिसंबर, 1946 ई. को डॉ. राजेंद्र प्रसाद संविधान सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

संविधान सभा की कार्यवाही 13 दिसंबर, 1946 ई. को जवाहर लाल नेहरू द्वारा पेश किए गए उद्देश्य प्रस्ताव के साथ प्रारम्भ हुई।

22 जनवरी, 1947 ई. को उद्देश्य प्रस्ताव की स्वीकृति के बाद संविधान सभा ने संविधान निर्माण हेतु अनेक समितियां गठित की। इनमें प्रमुख थी वार्ता समिति, संघ संविधान समिति, प्रांतीय संविधान समिति, संघ शक्ति समिति, प्रारूप समिति आदि।

बी. एन. राव द्वारा किए गए संविधान के प्रारूप पर विचारविमर्श करने के लिए संविधान सभा द्वारा 29 अगस्त, 1947 को एक संकल्प पारित करके प्रारूप समिति का गठन किया गया तथा इसके अध्यक्ष के रूप में डॉ भीमराव अम्बेडकर को चुना गया। प्रारूप समिति के सदस्यों की संख्या सात थी, जो इस प्रकार थी

डॉ. भीमराव अम्बेडकर (अध्यक्ष)
एन. गोपाल स्वामी आयंगर
अल्लादी कृष्णा स्वामी अय्यर
कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी
सैय्यद मोहम्मद सादुल्ला
एन. माधव राव (बी.एल. मित्र के स्थान पर)
डी. पी. खेतान (1948 ई. में इनकी मृत्यु के बाद टी. टी. कृष्माचारी को सदस्य बनाया गया)।

संविधान सभा में अम्बेडकर का निर्वाचन पश्चिम बंगाल से हुआ था।

3 जून, 1947 ई. की योजना के अनुसार देश का बंटवारा हो जाने पर भारतीय संविधान सभा की कुल सदस्य संख्या 324 नियत की गई, जिसमें 235 स्थान प्रांतों के लिए और 89 स्थान देसी राज्यों के लिए थे। देशविभाजन के बाद संविधान सभा का पुनर्गठन 31 अक्टूबर, 1947 ई. को किया गया और 31 दिसंबर 1947 ई. को संविधान सभा के सदस्यों की कुल संख्या 299 थी, जिसमें प्रांतीय सदस्यों की संख्या एवं देसी रियासतों के सदस्यों की संख्या 70 थी।

प्रारूप समिति ने संविधान के प्रारूप पर विचार विमर्श करने के बाद 21 फरवरी, 1948 ई. को संविधान सभा को अपनी रिपोर्ट पेश की।

संविधान सभा में संविधान का प्रथम वाचन 4 नवंबर से 9 नवंबर, 1948 ई. तक चला। संविधान पर दूसरा वाचन 15 नवंबर 1948 ई0 को प्रारम्भ हुआ, जो 17 अक्टूबर, 1949 ई0 तक चला। संविधान सभा में संविधान का तीसरा वाचन 14 नवंबर, 1949 ई0 को प्रारम्भ हुआ जो 26 नवंबर 1949 ई0 तक चला और तब संविधान सभा द्वारा संविधान को पारित कर दिया गया। इस समय संविधान सभा के 284 सदस्य उपस्थित थे।

संविधान निर्माण की प्रक्रिया में कुल 2 वर्ष, 11 महीने और 18 दिन लगे। इस कार्य पर लगभग 6.4 करोड़ रुपये खर्च हुए।

संविधान के प्रारूप पर कुल 114 दिन बहस हुई। संविधान को जब 26 नवंबर, 1949 ई0 को संविधान सभा द्वारा पारित किया गया, तब इसमें कुल 22 भाग, 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियां थीं। वर्तमान समय में संविधान में 25 भाग, 465 अनुच्छेद एवं 12 अनुसूचियां हैं।

संविधान के कुछ अनुच्छेदों में से 15 अर्थात 5, 6, 7, 8, 9, 60, 324, 366, 367, 372, 380, 388, 391, 392 तथा 393 अनुच्छेदों को 26 नवंबर, 1949 ई0 को ही परिवर्तित कर दिया गया; जबकि शेष अनुच्छेदों को 26 जनवरी, 1950 ई0 को लागू किया गया। संविधान सभा की अंतिम बैठक 24 जनवरी, 1950 ई0 को हुई और उसी दिन संविधान सभा के द्वारा डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति चुना गया।

कैबिनेट मिशन के सदस्य सर स्टेफोर्ड क्रिप्स, लार्ड पेंथिक लारेंस तथा ए0 बी0 एलेक्ज़ेंडर थे।

26 जनवरी 1950 ई. को 10-18 मिनट पर संविधान को लागू किया गया था।

भारतीय संविधान की हाथ से लिखी हुई मूल प्रतियां संसद भवन के पुस्तकालय में सुरक्षित रखी हुई हैं।

गणतंत्र दिवस की पहली परेड 26 जनवरी 1950 को राजपथ के बजाय तत्कालीन इरविन स्टेडियम (अब नेशनल स्टेडियम) में हुई थी। उस समय इरविन स्टेडियम के चारों तरफ चारदीवारी नहीं थी और उसके पीछे लाल किला साफ नजर आता था। वर्तमान में राजपथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड आठ किलोमीटर लम्बी होती है। इसकी शुरुआत रायसीना हिल्स से होती है, उसके बाद ये राजपथ व इंडिया गेट से होते हुए लाल किले पर समाप्त होती है।

इस परेड की सलामी भारत के राष्ट्रपति लेते हैं। राष्ट्र गान के दौरान उन्हें 21 तोपों की सलामी दी जाती है। इसकी शुरुआत राष्ट्र गान की शुरुआत से होती है और 52 सेकेंड में राष्ट्र गान के समाप्त होने के साथ ही पूरी हो जाती है।

प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस पर राज्यों की भव्य झांकियां निकलती हैं, जिनका टीवी पर लाइव प्रसारण किया जाता है। इस दिन लोगों में परेड और झांकियां देखने का तथा सैन्यकर्मियों द्वारा दिखाए जाने वाले करतबों को देखने का एक विशेष उत्साह परिलक्षित होता है।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर सैनिकों को वीरता पुरस्कार और बहादुर बच्चों को भी पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

सरिता सुराणा

तिरंगा

आओ तिरंगा लहराये
आज तिरंगा फहराये
गणतन्त्र दिवस का पर्व है
चलो मिलकर खुशियाँ मनाये

तीन रंग में बना है निर्मल
देश का गर्व बढाता है
भारतीय जनमानस में
देशप्रेम की हिलोरें भरता है

केसरिया रंग शौर्य लाता
श्वेत शांति प्रतीक है
हरियाली है हरित रंग
देश की समृद्धि दर्शाता है

गम हों या हो खुशियाँ
मूक बना सब सहता है
मुदमंगल में ऊँचे लहराता
गम में ये झुक जाता है

मेरे देश का गर्व तिरंगा है
खुशियों की पावन गंगा है
झूम ,झूम लहराता है
आजादी की गौरव गाथा है

खेल खिलाडी जीते यदि
विदेशों में धूम मचाता है
उमंग भरे चले खिलाडी
हाथों में ये लहराता है

आन, बान,जान तिरंगा है
भारत का अरमान तिरंगा है
स्वाभिमान का गान तिरंगा है
मातृभूमि की पहचान तिरंगा है

आओ इसको नमन करें
सदा इसका सम्मान करें
झंडा ऊँचा रहे हमारा
प्रार्थना में गुणगान करें

रीमा मिश्रा
असनसोल(पश्चिम बंगाल)

सोने की चिड़िया

सोने की चिड़िया
कहलाये जाने वाला
मेरे सपनों का भारत
क्यों बदल गया

जहां हर कोई बेहाल
जहां हर कोई घायल
लादे आज़ादी और गणतंत्र
का बोझ बोझिल कांधों पर

गणतंत्र कैसा ये गणतंत्र
आज़ादी कैसी ये आज़ादी
जहाँ आज भी धर्म
पर होते बवाल कई
न आज़ादी मंदिर की
न आज़ादी मस्ज़िद की
न ही गुरुद्वारे गिरजाघर की
बंटे धर्म , मज़हब सारे
यूँ देश में अपने ही ।।

गणतंत्र कैसा ये गणतंत्र
आज़ादी कैसी ये आज़ादी
जहाँ नहीं महफूज़ लड़की
कभी कोख में
कभी घर में कभी बाहर
होता शोषण उसका
बेरोक टोक
यूँ देश में अपने ही।।

गणतंत्र कैसा ये गणतंत्र
आज़ादी कैसी ये आज़ादी
जहाँ नहीं महफूज़ जनता

चुनकर अपना प्रतिनिधि भी
हुआ खेल राजनीति का
देश से बड़ा
यूँ देश में अपने ही।।

70 साल में बदल भले ही
देश चढ़ा जितनी
सीढ़ियां सफलता की
उतनी ही सीढ़ियां गिरा
नीचे भी इंसानियत की

कभी धर्म कभी जाति
कभी आरक्षण कभी शिक्षा
कभी राजनीति कभी सकैम
कभी आतंक कभी मारकाट
कभी शोषण कभी घात
क्यों होता ये सब देश मे अपने
फिर कैसी ये आज़ादी
कैसा ये गणतंत्र

टिका है जो बैसाखियों पर
मुठी भर सियासी, उद्योगपति
या फिर देश में दहशत फैलाने
वाले दहशतगर्दों पर

गणतंत्र कैसा ये गणतंत्र
आज़ादी कैसी ये आज़ादी
खोजती पहचान अपनी
आज अपने ही देश में।।

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा

गणतंत्र का पर्व

स्वतन्त्रता की खातिर
अपनो ने जाने जवाई
असंख्य कुर्बानियों से
दासता से मुक्ति पाई

कुछ याद उन्हें भी करले
जो वतन पे कुर्बान हुये
आजादी के अर्थ को
हम भी समझे

देश के सभ्य नागरिक बनें
जाती धर्म के झगड़े से
बाहर निकलें
आतंकवाद और साम्प्रदायिकता
से देश को बचाये

सियासत के शातिर शिकारियों
के जाल में ना आये
सविधान का सम्मानकरें
अपने अधिकारों के हक के साथ
देश के प्रति कर्तव्यों का पालन करें

देश को विकास के पथ पर
आगे बढ़ाये
जाती धर्म के भेदभाव को
छोड़कर हम
सब केवल भारतवासी बन जाये

राष्ट्रीय पर्व पर हम सब भारतवासी
मिलजुल कर तिरंगा फहराये
तिरंगे की शान की खातिर जान
की बाजी लगा जाये

सत्यनारायण शर्मा सत्य
रावतसर (राजस्थान)
8107667420

घनाक्षरी

वेदों का है देश मेरा
भारत प्यारा है नाम
लहरें तिरंगा सदा
गीत सब गाते है।

प्रहरी बने देश के
सेना के जवान नित
मातृभूमि रक्षा हेतु
रुधिर बहाते है।

भारतीय धरती में
पलते है वीर पुत्र ,
भारत के भाल पर
ध्वज फहराते है ।

जय हिन्द बोल कर
चक्रव्यूह तोड़ते है
वन्देमातरम् कह
गोलियाँ चलाते है।

गीता गुप्ता मन

फिर ये पर्व मनाना है

आओ साथ हमें फिर मिलकर
उत्सव का पर्व मनाना है
गणतंत्र दिवस का हर्ष आज है
ये सबको बतलाना है..।।

भारत का सम्मान आज फिर
विश्व पटल पर अंकित हो
आपस में सद्भाव जगाकर
सबका मान बढ़ाना है..।।

रहे तिरंगा हरदम ऊंचा
चाहे हम और आप नहीं हों
हिंदुस्तान की शान अमर हो
ये विश्वास दिलाना है..।।

भारत तेरे टुकड़े होंगे
ऐसा कहने वालों को
लेते हैं सौगंध आज हम
उनको सबक सिखाना है..।।

देश तोड़ने वालों के
मंसूबे नहीं सफल होंगे
हर मजहब में हम हों शामिल
ऐसा प्यार दिखाना है..।।

हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई
हम सब भारत के वासी
परंपरा भाईचारे की
मिलकर इसे निभाना है..।।

भटक रहें हैं युवा आज कुछ
देश विरोधी नारों से
उनकी भी है जिम्मेदारी
यह भी अब सिखलाना है..।।

सार्वजनिक संपत्ति तोड़कर
आग लगाने वालों को
मिले सबक उनको कुछ ऐसा
उनसे देश बचाना है..।।

हम सबकी है जिम्मेदारी
देश की शाख बचाने की
आओ मिलकर साथ चलें हम
फिर ये पर्व मनाना है..।।
फिर ये पर्व मनाना है..।।

विजय कनौजिया

गणतंत्र के दिवस की बहुत बधाई

सौंप भाव सारे इस दिवस
विशेष को
गणतंत्र के दिवस की बहुत
बधाई देश को

उत्साह पूरे जग का भरा है इसी
महत्व में
इस दिवस को संविधान आया
था अस्तित्व में
वर्षों का तप पूरा हुआ मां
भारती की भूमि पर
स्वीकार किया देश ने विधान
के संदेश को
गणतंत्र के दिवस की बहुत
बधाई देश को

अपना ध्वज, अपना प्रतीक
और अपनी रीत को
अपने बोल अपनी धुन और
अपने राष्ट्रगीत को
अधिकार और कर्तव्य की
सीमाएं भी बनी यहां
अपनाया हमने पुरोधाओं के
अमर उपदेश को
गणतंत्र के दिवस की बहुत
बधाई देश को

अमर दिवस सदियों से ये मान
अपनी भूमि का
गणतंत्र का दिवस है ये सम्मान
अपनी भूमि का
मान हिंद का बढ़े ऐसे कदम
उठाएं हम
मानें दिल से हम सदा मानवता
के आदेश को
गणतंत्र के दिवस की बहुत
बधाई देश को
गणतंत्र के दिवस की बहुत
बधाई देश को

विक्रम कुमार
मनोरा, वैशाली

गणतंत्र दिवस

संविधान हम सभी ने अपनाया है
गणतंत्र दिवस को भारत का राष्ट्रपर्व

मिलकर हमने बनाया है
राजपथ पर दिखता शौर्य जवानों का

यह महापर्व है वीरों का बलिदानों का
वीर सैनिकों के पराक्रम का महापर्व

दिखता है जमीन से आसमान तक
संस्कृति और परम्परा की झलक

अद्भुत ,अकल्पनीय ,अविश्वसनीय
दिखता जल ,थल और वायु का दम

हिन्दुस्तान की आनबान और शान है
भारत की अखंडता उसकी पहचान है

रक्षा की खातिर जिन वीरों ने
रक्त का हर कतरा अपना बहाया है

अमर जवान ज्योति पर मिलकर

करते हम उनकी शहादत को नमन
संविधान हम सभी ने अपनाया है

गणतंत्र दिवस को भारत का राष्ट्रपर्व
मिलकर हमने बनाया है

सोनी गुप्ता
कालकाजी नई दिल्ली 19

देश में ओर भी समस्याएँ हैं

मोदी सरकार ने अपनी पहली और दूसरी पारी में कुछ एतिहासिक फैसले लिए और अपने बचे कार्यकाल में शायद ओर भी फैंसले ले। श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, मुस्लिम समाज की कुरीति तीन तलाक पर लगाम, जम्मू कश्मीर में धारा 370, नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर पर एतिहासिक फैसले मोदी सरकार में बेसक आए, लेकिन देश के आधार से जुड़े मुद्दों, जिनमें मुख्यतः गरीबी, बेरोजगारी, मँहगाई, उद्योगधंधो और व्यापार को सुधारने की तरफ कोई खास रुचि नहीं दिखाई, तभी तो देश में बेरोजगारी के बढ़ने और देश कि आर्थिक सुस्ती के निराशाजनक आँकड़े सामने आए। मीडिया का कुछ वर्ग और कुछ बुद्धीजीवी भी पिछले कुछ महीनों से नागरिकता संशोधन कानून का ही ढिंढोरा पीटी जा रहा, जबकि देश ओर भी बहुतसी समस्याओं के मकडजाल में उलझा हुआ है। सीएए मुद्दे पर अब मीडिया और बुद्धीजीवि वर्ग को पूर्ण विराम लगा देना चाहिए और सरकार

को इस पर अपना काम कर लेने देना चाहिए, सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर रोक लगाने से अभी फिलहाल मना ही कर दिया है।

इस मुद्दे को जितना उछाला जाएगा, यह उतना उलझता जाएगा। देश में पिछले कुछ महीनों से प्याज और अन्य सब्जियों तथा ओर अन्य खाने पीने की कीमतें आसमान पर हैं, इसकी तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना मीडिया का कुछेक अपनी जिम्मेवारी क्यों नहीं समझ रहा?

पिछले एकदो महीने पहले राजस्थान के एक अस्पताल में सैंकडों बच्चों ने दम अस्पताल की लापरवाही के कारण टूट गया, इस पर भी मीडिया ने कोई खास कवरेज नहीं की ओर न ही बुद्धीजीवि वर्ग ने खास लेख लिखकर इसकेलिए सरकारों को फटकार लगाई।

राजेश कुमार चौहान
जालंधर।

ज़रा याद करें

आओ मिलकर विचारों की
ज़रा आग जलाए।
डूब रही है जो देश की हस्ती
ज़रा उसको रोशनाए।

मर मिटे है जो अपने देश के लिए
ज़रा उनकी याद
सब को मिल करवाएं।
जो कहते हैं यौवन आता है
एक बार मस्ती का।
ज़रा उनको भगत सिंह के
आज तक गूंजते
नव यौवन की कहानी सुनाएं।

जो कहते है नहीं मिटती हिंसा
अहिंसा का पालन करने से।
ज़रा उनको गांधी जी के
विचारों की याद दिलाएं।

जो कहते है धर्म ही धर्म का
दुश्मन है
उनको गुरु तेग बहादुर जी का,
हिंदू धर्म के लिए किया गया
ज़रा बलिदान याद करवाएं।
जो कहते हैं औरतें बस
पांव की जूती होती है,
उनको रानी लक्ष्मीबाई जी की
रणभूमि में चमकती
ज़रा तलवार दिखलाए।

जो कहते हैं मुर्दों में जान
नहीं फूंकी जा सकती,
ज़रा उन सब को मिलकर
गुरु गोविंद सिंह जी की
लिखी चंडी की वार सुनाएं।

राजीव डोगरा
(भाषा अध्यापक)
गवर्नमेंट हाई स्कूल,ठाकुरद्वारा
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश
मोबाइल 9876777233

फिर चमके राहुल, भारत ने दूसरा टी20 भी जीता

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

आकलैंड । केएल राहुल के लगातार दूसरे अर्धशतक की मदद से भारत ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में रविवार को यहां न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में अपनी बढ़त 20 कर दी।

भारत के सामने 133 रन का अपेक्षाकृत छोटा लक्ष्य था। ऐसे में रोहित शर्मा और कप्तान विराट कोहली के विकेट जल्दी गंवाने के बाद राहुल (50 गेंदों पर नाबाद 57, तीन चैके, दो छक्के) और श्रेयस अय्यर (33 गेंदों पर 46, एक चैका, तीन छक्के) ने पिछले मैच की तरह बखूबी जिम्मेदारी संभाली और तीसरे विकेट के लिये 86 रन जोड़कर टीम को 17.3 ओवर में तीन विकेट पर 135 रन के स्कोर तक पहुंचाया। इससे पहले मार्टिन गुप्टिल (20 गेंदों पर 33 रन) ने धीमा खेल रही पिच पर न्यूजीलैंड को तेजतर्रार शुरुआत दिलायी लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने अच्छी वापसी की और 33 रन के अंदर चार विकेट लेकर कीवी टीम को इसका फायदा नहीं उठाने दिया। विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने

26 गेंदों पर नाबाद 33 रन बनाये लेकिन तब भी न्यूजीलैंड को पांच विकेट पर 132 रन तक ही पहुंच पाए। रविंद्र जडेजा ने चार ओवर में 18 रन देकर दो विकेट जबकि पहले बदलाव के तौर पर गेंदबाजी के लिये आये जसप्रीत बुमराह ने 21 रन देकर एक विकेट लिया। मोहम्मद शमी ने चार ओवर में केवल 22 रन दिये, भले ही उन्हें विकेट नहीं मिला। शार्दुल ठाकुर (दो ओवर, 21 रन, एक विकेट) और शिवम दुबे (दो ओवर, 16 रन एक विकेट) ने भी सफलताएं हासिल की। भारत की शुरुआत अनकुल नहीं रही। रोहित (आठ) फिर से नाकाम रहे और पहले ओवर में ही स्लिप में कैच दे बैठे। टिम साउथी (20 रन देकर दो) ने उनकी जगह लेने के लिये उतरे कप्तान कोहली (12 गेंदों पर 11) को भी ज्यादा देर नहीं टिकने दिया जिससे पावरप्ले में भारत का स्कोर दो विकेट पर 40 रन हो गया। राहुल और अय्यर ने इसके बाद पारी संवारने का बीड़ा बखूबी उठाया। उन्होंने शुरू में संभलकर बल्लेबाजी की लेकिन बाद में खुलकर रन बटोरे। राहुल ने अपनी शानदार फार्म बरकरार रखी।

ब्लेयर टिकनर पर थर्डमैन पर लगाया गया उनका छक्का दर्शनीय था। क्षेत्ररक्षण के दौरान घुटने में चोट लगने के बावजूद अय्यर ने पिछले मैच की अपनी पारी को ही आगे बढ़ाया। अय्यर ने ईश सोढ़ी (33 रन देकर एक) को निशाने पर रखा। इस लेग स्पिनर पर उन्होंने लांग आन पर दो छक्के लगाये। राहुल ने हामिश बेनेट पर पहले छक्का और फिर चैका लगाकर इस प्रारूप में अपना 11वां अर्धशतक पूरा किया। अय्यर ने अगले ओवर में टिकनर के खिलाफ यही रवैया अपनाया, लेकिन सोढ़ी की गेंद पर छक्के से अर्धशतक पूरा करने के प्रयास में सीमा रेखा पर कैच दे बैठे।

कंटेंट क्वीन एकता कपूर को मिला पद्मश्री पुरस्कार

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। 71वें गणतंत्र दिवस से पहले, रविवार को पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित किए जाने वाले 118 पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा कर दी गई है। जिसमें कंटेंट के तीनों फॉरमेट की क्वीन के रूप में प्रतिष्ठित निर्देशक एकता कपूर को इस साल भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, पद्मश्री से सम्मानित किया है। इस खबर पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए एकता कपूर ने एक ट्वीट शेयर किया है जिसमें उन्होंने लिखा है कि मैं फिल्हाल अभिभूत और भावुक हूं ! इंडस्ट्री में मेरी शुरुआत तब हुई जब मैं सिर्फ 17 साल की थी। मैं लगातार सुनते आई हूँ कि मैं 'बहुत छोटी हूँ', 'बहुत रॉ हूँ' और चीजों को आकार देने के लिए 'बहुत जल्दबाजी' कर रही हूँ।

इन वर्षों के दौरान मैंने महसूस किया है कि आपके सपनों को पूरा करने के लिए बहुत जल्द जैसा कुछ नहीं होता और बहुत छोटा होना शायद सबसे अच्छी बात है। आज, जैसा कि मुझे चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया गया है, मैं विनम्र महसूस कर रही हूं। मुझे उम्मीद है कि सीमाओं को लांघने, युवा प्रतिभा को एक मौका

देने के लिए और मुझे मिल रहे प्यार के लिए, देश को बहुत कुछ वापस देने का प्रयास जारी रहेगा। इस सम्मान के लिए, इससे अधिक सटीक टाइमिंग नहीं हो सकता था, क्योंकि यह खबर मेरे बेटे के पहले जन्मदिन से 2 दिन पहले आई है। आभारी और शुक्रिया ! भारत रत्न के बाद पद्मश्री पुरस्कार देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार हैं। पुरस्कार विजेताओं के नामों की अंतिम सूची सरकार द्वारा 25 जनवरी को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर घोषित की जाती है और कंटेंट क्वीन' को विजेताओं में से एक के रूप में घोषित किया गया है। इंडस्ट्री की कंटेंट क्वीन के रूप में लोकप्रिय एकता कपूर ने भारतीय टेलीविजन में 100 से अधिक पात्रों को प्रदर्शित करने में मदद की है। निस्संदेह, कला और मनोरंजन के क्षेत्र में उनका योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहा है। एकता कपूर ने कंटेंट संचालित सिनेमाई परियोजनाओं के साथ अपने काम के माध्यम से समाज में महिलाओं की भूमिका को बदलने और उनकी मदद करने में भी योगदान दिया है। विभिन्न टीवी सीरियल, फिल्में और वेब शो की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ, ऐसी कोई भी स्क्रीन नहीं है जो कंटेंट क्वीन से अछूती और बेपर्दा हो, यकीनन एकता कपूर ने स्क्रीन पर विविध प्रकार की शैली के साथ अपनी एक गहरी छाप छोड़ दी है ! एकता कपूर ने हाल ही में बालाजी प्रोडक्शन के 25 साल पूरे किए हैं और यह उनके लिए गर्व एवं जश्न का क्षण था क्योंकि ऑल्ट बालाजी जो कि बालाजी टेलीफिल्म्स का एक डिवीजन है, उसके 20 मिलियन पेड सब्सक्राइबर हो गए है। इंडस्ट्री को दिए गए सभी शानदार वर्षों के बाद, एकता ने अपनी सभी के सीरीज़ धारावाहिक के साथ एक मजबूत मुकाम हासिल कर लिया है।

पद्म श्री के लिए चुने जाने से सम्मानित महसूस कर रही हूं: रानी रामपाल

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल ने रविवार को कहा कि वह सरकार द्वारा देश के चैथे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार पद्म श्री के लिए चुने जाने से सम्मानित महसूस कर रही हैं। रानी उन आठ खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें शनिवार को देश के 71वें गणतंत्र दिवस की पूर्वसंध्या पर पद्म पुरस्कारों के लिए चुना गया। रानी सहित छह खिलाड़ियों को पद्म श्री से नवाजा जाएगा। पच्चीस साल की इस खिलाड़ी ने ट्वीट किया, 'मैं अपने देश के सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार में से एक के लिए चुने जाने से सम्मानित महसूस कर रही हूं, मैं इस पुरस्कार को पूरी टीम और सहयोगी स्टाफ को समर्पित करती हूं। किरेन रीजीजू, हॉकी इंडिया, कोच बलदेव सर, परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों की शुक्रगुजार हूं जिन्होंने हमेशा मेरा समर्थन किया।'

खेल मंत्री रिजिजू ने कहा, 'रानी रामपाल प्रतिष्ठित पद्म श्री के लिए चुने जाने के लिए बधाई। आपने पूरी युवा भारतीय पीढ़ी को प्रेरित किया है। आपके प्रयास भारतीय हॉकी को नए स्तर तक ले जाएंगे। मुझे आपकी उपलब्धियों पर गर्व है। छह बार की विश्व चैम्पियन एमसी मेरीकोम को देश का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक पुरस्कार दिया जाएगा जबकि विश्व चैम्पियन शटलर पी वी सिंधू को पद्म भूषण मिलेगा। क्रिकेटर जहीर खान, पूर्व पुरुष हॉकी कप्तान एमपी गणेश, शीर्ष निशानेबाज जीतू राय, पूर्व भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान ओइनम बेम्बेम देवी और तीरंदाज तरुणदीप राय को पद्म श्री दिया जाएगा।

महेंद्र सिंह धोनी फिट, भारतीय टीम को अभी उनकी जरूरत: सुरेश रैना

नई दिल्ली । भारतीय टीम से बाहर चल रहे सुरेश रैना को उम्मीद है कि महेंद्र सिंह धोनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सीजन की ट्रेनिंग के लिए मार्च के पहले सप्ताह में चेन्नै पहुंच जाएंगे। रैना ने कहा कि वह चाहते हैं कि महेंद्र सिंह धोनी भारत के लिए खेलते रहें। हालांकि उन्होंने कहा कि इस बारे में कोई आखिरी फैसला विराट कोहली और टीम प्रबंधन को ही लेना है। तैंतीस वर्षीय रैना ने बीते साल अगस्त में अपने घुटनों की सर्जरी करवाई थी। रैना ने बीते साल आईपीएल से लेकर कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। वह इस साल के आईपीएल की तैयारियों में ही जुट गए हैं। धोनी के बारे में उन्होंने कहा कि अभी भारतीय टीम को उनकी जरूरत है और उन्हें खेलते रहना चाहिए।

महेंद्र सिंह धोनी ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच बीते साल वर्ल्ड कप में न्यू जीलैंड के खिलाफ खेला था। जुलाई से अभी तक धोनी क्रिकेट मैदान से दूर हैं। हाल ही में वह झारखण्ड की रणजी टीम के साथ प्रैक्टिस करते नजर आ रहे थे। धोनी को चयनकर्ताओं ने केंद्रीय अनुबंध में भी शामिल नहीं किया है और इसके बाद उनके करियर को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि धोनी इस साल आईपीएल में चेन्नै सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए नजर आएंगे और इसके बाद ही टीम प्रबंधन उनके भविष्य को लेकर कोई फैसला करेगा। रैना ने हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक

इंटरव्यू में कहा, 'धोनी शायद मार्च के पहले हफ्ते में आईपीएल की ट्रेनिंग के लिए चेन्नै आ जाएंगे। फिलहाल उन्हें परिवार के साथ समय बिताते देख अच्छा लग रहा है। अगर वह संन्यास लेना चाहेंगे तो बिना किसी विवाद के लेंगे।' रैना ने आगे कहा, 'मैं उन्हें खेलते देखना चाहता हूं। वह फिट नजर आ रहे हैं और कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। मुझे अब भी लगता है कि टीम इंडिया को उनकी जरूरत है। लेकिन भविष्य को लेकर आखिरी फैसला विराट कोहली को लेना है।'

CAA-NRC के विरोध में नसीरुद्दीन, मीरा नायर समेत 300 कलाकारों ने लिखा खुला पत्र

नई दिल्ली । सीएएएनआरसी को लेकर केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ अब 300 से ज्यादा बॉलीवुड हस्तियों ने मोर्चा खोल दिया है। इनमें नसीरुद्दीन शाह और मीरा नायर भी शामिल हैं। इन 300 बॉलीवुड हस्तियों ने बाकायदा खत लिखकर सीएएएनआरसी के खिलाफ विरोध कर रहे छात्रों का सपोर्ट किया है। खत में अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए नसीरुद्दीन ने लिखा है, अब हमारी चुप्पी खत्म हो गई है। **CAA-NRC** के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ एकजुटता जाहिर करते हुए 300 बॉलीवुड हस्तियों ने खुले खत पर बाकायदा हस्ताक्षर किए हैं। हस्ताक्षर के साथ इस पत्र में लिखा गया है, देश की आत्मा को खतरे में है। हमारे लाखों लोगों के हित और भारतीयों के रोजगार दांव पर लगे हैं। जिन फिल्मकारों में मीरा नायर और नसीरुद्दीन शाह के साथ नंदिता दास, रत्ना पाठक शाह, अनीता देसाई, किरण देसाई, जावेद जाफरी, पार्थ चटर्जी, गायत्री चक्रवर्ती, आशीष नंदी और टीएम कृष्णा शामिल हैं। बता दें कि **CAA-NRC** के खिलाफ देशभर में विरोधप्रदर्शन हो रहे हैं। दिल्ली का शाहीन बाग का प्रदर्शन खास तौर पर चर्चा में बना हुआ है। गणतंत्र दिवस के मौके पर हजारों लोगों ने यहां बाकायदा तिरंगा लहराया। इसके अलावा यहां **CAA-NRC** के खिलाफ प्रदर्शनी भी लगाई गई है।

ग्रे शेड वाले रोल गुस्सैल बना देते हैं: चंकी पांडे

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता चंकी पांडे का कहना है कि ग्रे शेड वाले किरदार उन्हें गुस्सैल बना देते हैं। चंकी पांडे ने 'साहो' और 'बेगम जान' में नेगेटिव रोल निभाए थे। चंकी पांडे ने कहा कि कि ग्रे शेड वाले किरदार निभाना उनके लिए चुनौतियों से भरा है और ऐसे किरदार उन्हें चिड़चिड़ा और गुस्सैल बना देते हैं। चंकी पांडे ने कहा कि मैंने फिल्म 'साहो' में ऐसे नकारात्मक व्यक्ति का किरदार निभाया था, जो अंदर से काफी जटिल था। देवराज एक ऐसा इंसान था, जिसके अंदर कोई भावना नहीं थी। शायद लोग उसे एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखते होंगे जो सौ बार मर चुका होगा। ज्यादातर वक्त मैं अकेला ही रहता था और ऑफ स्क्रीन भी अपने किरदार के व्यक्तित्व की गहराई में रहता था। इसका असर यह होता था कि मैं चिड़चिड़ा हो जाता था और छोटीछोटी बातों पर मुझे गुस्सा आता था, जो मेरे वास्तविक व्यक्तित्व से बहुत अलग है। मेरे ख्याल से यह सिर्फ मेरा प्रयास नहीं, बल्कि पूरी टीम के प्रयास का असर था। चंकी पांडे ने फिल्म 'बेगम जान' में अपनी दमदार ऐक्टिंग से

लोगों को आकर्षित किया था। लोग एक समय के लिए चंकी पांडे को पहचान नहीं पाए थे, क्योंकि उन्होंने इस फिल्म के लिए अपने लुक को एकदम बदल दिया था। फिल्म में एक शातिर बदमाश कबीर का रोल करने के लिए चंकी पांडे ने अपने बाल मुंडवाए थे और दांतों को काला करवाया था।

आईएसएल: गोवा ने रोमांचक मुकाबले में केरल को दी मात

मडगांव । हुगो बोउमोस के दो और जैकीचंद सिंह के एक गोल की मदद से एफसी गोवा ने शनिवार को यहां इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के मौजूदा सत्र के अपने 14वें मुकाबले में केरला ब्लास्टर्स को 32 से हराकर तालिका में शीर्ष पर वापसी की। एफसी गोवा की यह मौजूदा सत्र में आठवीं जीत है जिससे उसके 27 अंक हो गए हैं और वह बेंगलुरु एफसी (25) को पीछे छोड़ते हुए तालिका में पहले स्थान पर पहुंच गया। ब्लास्टर्स सत्र की छठी हार के बाद आठवें क्रम पर कायम हैं। यहां के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गोवा ने पहले हाफ में दो गोल किए जबकि केरल ब्लास्टर्स ने दूसरे हाफ में दो गोल करते हुए बराबरी हासिल कर ली थी लेकिन 83वें मिनट में बोउमोस द्वारा किए गए गोल ने जीत का अंतर पैदा किया और गोवा को तीन अंक दिला दिए। बोउमोस ने इससे पहले 26वें मिनट में गोवा का खाता खोला जबकि हाफ टाइम से ठीक पहले जैकीचंद सिंह ने टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। ब्लास्टर्स ने दूसरे हाफ में शानदार वापसी की। मेसी ने 53वें मिनट में गोल करते हुए स्कोर 21 कर दिया। मेसी का यह सत्र का सातवां गोल है।

पहले मैच की तरह नहीं खेला क्योंकि पिच अलग तरह की थी: राहुल

ऑकलैंड । भारतीय बल्लेबाज लोकेश राहुल ने रविवार को कहा कि यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान ईडन पार्क में उन्हें अपने रुख में बदलाव करना पड़ा क्योंकि पिच धीमी थी। पहले टी20 में 27 गेंद में 56 रन की पारी खेलकर भारत की छह विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले राहुल ने दूसरे मैच में 50 गेंद में 57 रन की पारी खेली जिससे भारत ने न्यू जीलैंड को सात विकेट से हराया।

राहुल ने कहा कि उन्हें अपने खेल में कुछ बदलाव करना पड़ा क्योंकि पहले मैच की तुलना में यह पिच अलग थी। मैन ऑफ द मैच बने राहुल ने कहा, 'बेशक हालात अलग थे, लक्ष्य अलग था, कुछ दिन पहले हम जिस पिच पर खेले थे उसकी तुलना में पिच अलग थी। इसलिए मुझे पता था कि मैं उस तरह नहीं खेल सकता जैसा कुछ दिन पहले खेला था।' उन्होंने कहा, 'आज मेरी जिम्मेदारी अलग थी। हमने अपने सीनियर बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के विकेट जल्दी गंवा दिए इसलिए मुझे टिके रहना था और सुनिश्चित करना था कि मैं मैच को खत्म करूं।' न्यू जीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

भारतीय बोलर्स ने ऑकलैंड के मैदान पर शानदार खेल दिखाते हुए कीवी बल्लेबाजों पर लगाम लगाए

रखी। इस छोटे मैदान पर न्यू जीलैंड 5 विकेट पर 132 रन ही बना पाया। भारतीय टीम ने 15 गेंद बाकी रहते राहुल की हाफ सेंचुरी और श्रेयस अय्यर के साथ उनकी साझेदारी के दम पर मैच अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही भारत ने सीरीज में 2 0 की बढ़त बना ली है।

राहुल और अय्यर ने तीसरे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी की। इन दोनों ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के विकेट जल्दी गिरने के बाद भारतीय पारी को संभाला और जीत के करीब ले गए। जीत के बाद कप्तान कोहली ने भी कहा कि बल्लेबाजों ने संयम के साथ बल्लेबाजी की क्योंकि उनके सामने लक्ष्य काफी छोटा था। सीमित ओवरों के क्रिकेट में बेहतरीन फॉर्म में चल रहे राहुल ने कहा कि उन्होंने अपने शॉट चयन और खेल को पढ़ने की क्षमता में सुधार किया है। भारत और न्यू जीलैंड के बीच तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच हैमिल्टन में 29 जनवरी को खेला जाएगा।

विनय सिन्हा के निधन पर आमिर खान ने जताया शोक

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने फिल्म निर्माता विनय सिन्हा के निधन पर शोक जताया है। साल 1994 में आई विनय की मशहूर कॉमेडी फिल्म 'अंदाज अपना अपना' में उन्होंने सलमान खान और आमिर की जोड़ी को दर्शकों के सामने पेश किया था जिसे आज भी लोगों द्वारा याद किया जाता है। फिल्म में रवीना टंडन और करिश्मा कपूर भी थीं। राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित इस फिल्म को देखकर आज भी हंसी के फव्वारे छूट जाते हैं। आमिर ने ट्वीट किया 'अंदाज अपना अपना' के निर्माता विनय जी के निधन के बारे में सुनकर दुख हुआ। यह मेरे सबसे यादगार अनुभवों और फिल्मों में से एक रहेगी। विनय जी के परिवार के साथ मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले। इस दिग्गज निर्माता का निधन 24 जनवरी को हुआ। 'चोर पुलिस' (1983), 'अमीर आदमी गरीब आदमी' (1985) और 'नसीब' (1997) जैसी फिल्में भी बनाई हैं। भले ही उनके द्वारा निर्मित 'अंदाज अपना अपना' ने उस दौर में बॉक्स ऑफिस पर सामान्य कारोबार किया था।

बिग बॉस 13: सलमान पर लगा सिदनाज को तोड़ने का आरोप

मुंबई । रिएलिटी शो 'बिग बॉस 13' के प्रतिभागी सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल अब दोस्त नहीं रहे। 'बिग बॉस' के घर में अपने रिश्ते को लेकर सबकी नजरों में आए इन दोनों के बीच उस वक्त दूरियां आईं जब शो के मेजबान सलमान खान ने सिद्धार्थ को सतर्क रहने को कहा था। अब हैशटैगसिदनाज के बीच रिश्ते में आई इस दरार के लिए उनके प्रशंसक सुपरस्टार को दोषी ठहरा रहे हैं।

उनका रिश्ता घर के अंदर और बाहर चर्चा का एक अहम विषय रहा है। हालांकि शो के पिछले कुछ एपिसोड्स में दोनों के बीच रिश्ते में लोगों ने कड़वाहट देखा है। सिद्धार्थ ने हाल ही में शहनाज को बताया था कि अगर वह अपने खुद के मातापिता के साथ वफादार नहीं रह सकती हैं तो वह ऐसा किसी के साथ भी नहीं रह सकती हैं।

बात तो इतनी बिगड़ गई कि शहनाज ने दूसरे एपिसोड में यह तक कह डाला कि 'सब खराब हो गया है। बॉलीवुड लाइफ डॉट कॉम के एक पोल के मुताबिक, दोनों के प्रशंसकों को लगता है कि सिद्धार्थ और शहनाज के बीच अलगाव की वजह सलमान हैं। 'वीकेंड का वार' एपिसोड में

सलमान ने सिद्धार्थ को बताया था कि शहनाज उनसे प्यार करती हैं। इसके साथ ही सलमान ने कहा यह सही नहीं है।'

सलमान ने सिद्धार्थ से चीजों को सावधानी से संभालने के लिए भी कहा। एक अन्य एपिसोड में उन्होंने सिद्धार्थ के प्रति शहनाज के व्यवहार को देखते हुए उन्हें फटकारा। पोल के मुताबिक, 64 प्रतिशत लोगों का ऐसा मानना है कि हैशटैगसिदनाज के बीच तनाव की वजह सलमान ही हैं जबकि 22 प्रतिशत लोग मानते हैं कि ये समस्याएं शहनाज गिल के व्यवहार के चलते शुरू हुई हैं, अन्य 5 प्रतिशत का मानना है कि ऐसा पारस छाबड़ा और आरती सिंह और भावनाओं के उतारचढ़ाव की वजह से है और 4 प्रतिशत लोग ऐसा मानते हैं कि उनके और शहनाज के बीच दूरियों की वजह सिद्धार्थ खुद हैं।

खेलो इंडिया की तर्ज पर हर वर्ष 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स' आयोजित होंगे : मोदी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'खेलो इंडिया' की मेजबानी के लिए असम सरकार और प्रदेश के लोगों को बधाई दी और इसमें 56 रेकॉर्ड तोड़ने वाली बालिकाओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता के माध्यम से जहां खिलाड़ियों को अपना जज्बा दिखाने का मौका मिलता है वहीं वे दूसरे राज्यों की संस्कृति से भी रूबरू होते हैं। इसलिए हमने 'खेलो इंडिया युवा खेल' की तर्ज पर ही हर वर्ष 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स' भी आयोजित करने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा, 'मैं असम की सरकार और असम के लोगों को 'खेलो इंडिया' की शानदार मेज़बानी

के लिए बहुतबहुत बधाई देता हूँ। 22 जनवरी को ही गुवाहाटी में तीसरे 'खेलो इंडिया' प्रतियोगिता का समापन हुआ है । इसमें विभिन्न राज्यों के लगभग छह हजार खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।' उन्होंने कहा कि खेलों के इस महोत्सव के अंदर 80 रेकॉर्ड टूटे और मुझे गर्व है कि जिनमें से 56 रेकॉर्ड तोड़ने का काम हमारी बेटियों ने किया है। ये सिद्धि, बेटियों के नाम हुई है। उन्होंने कहा कि वह सभी विजेताओं, इसमें हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हैं। साथ ही 'खेलो इंडिया प्रतियोगिता' के सफल आयोजन के लिए इससे जुड़े सभी लोगों, प्रशिक्षकों और तकनीकी अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि यह हम सबके लिए बहुत ही सुखद है कि सालदर साल 'खेलो इंडिया प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ रही है। यह बताता है कि स्कूली स्तर पर बच्चों में खेल के प्रति झुकाव कितना बढ़ रहा है। मोदी ने कहा, 'मैं आपको बताना चाहता हूँ, कि 2018 में, जब 'खेलो इंडिया प्रतियोगिता' की शुरुआत हुई थी, तब इसमें पैंतीससौ खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, लेकिन महज़ तीन वर्षों में खिलाड़ियों की संख्या छह हज़ार से अधिक हो गई है, यानी करीबकरीब दोगुनी।' उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, सिर्फ तीन वर्षों में 'खेलो इंडिया प्रतियोगिता' के माध्यम से, बत्तीससौ प्रतिभाशाली बच्चे उभर कर सामने आए हैं। इनमें से कई बच्चे ऐसे हैं जो अभाव और गरीबी के बीच पलेबढ़े हैं।

जैकलीन व जॉन फिटनेस के साथ अपने रिश्ते को भी बना रहे मजबूत

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई । अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज और अभिनेता जॉन अब्राहम अपनी आने वाली फिल्म 'अटैक' के सेट पर खानपान, फिटनेस और वर्कआट्स जैसी चीजों के साथ अपने बीच के रिश्ते को बेहतर और मजबूत बना रहे हैं।

मुंबई में पिलेट्स महोत्सव के तीसरे संस्करण में जैकलीन ने कहा, 'वह (जॉन) एक ऐसे इंसान हैं जो सुपर फिट हैं और हम खानपान, फिटनेस, वर्कआउट्स और इस तरह की चीजों के साथ आपस में जुड़ रहे हैं। मुझे लगता है कि वह कमाल का काम कर रहे हैं।

यह उनके साथ मेरी चैथी फिल्म है, तो सेट पर आकर हमारा वक्त काफी अच्छे से बीतता है। हम लगातार हंसते रहते हैं।' जैकलीन ने आगे बताया, ''अटैक' एक एक्शन फिल्म है, तो इसके लिए बहुत मेहनत करनी पड़ रही है।' मुंबई में इस कार्यक्रम की मेजबानी मशहूर बॉलीवुड हस्तियों की फिटनेस

एक्सपर्ट यास्मीन कराचीवाला ने की।

जैकलीन और जॉन इससे पहले 'हाउसफुल 2', 'रेस 2' और 'ढिशूम' में साथ काम कर चुके हैं। उनकी नई फिल्म 'अटैक' बंधक संकट के बारे में है और यह सच्ची घटना से प्रेरित है। 'अटैक' लक्ष्य राज आनंद द्वारा लिखितनिर्देशित है और इसे धीरज वधावन, अजय कपूर व जॉन अब्राहम द्वारा पेश किया जा रहा है। फिल्म में जॉन और जैकलीन के अलावा रकुल प्रीत सिंह भी मुख्य किरदार में हैं। यह फिल्म इस साल स्वतंत्रता दिवस वाले सप्ताहांत में रिलीज होगी।

जरीन चाहती हैं सारा अली संग लॉन्ग ड्राइव पर जाना

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री जरीन खान, सारा अली खान के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाना चाहती हैं, क्योंकि वह 'बिंदास' हैं और जो मन में आता है वही बोलती हैं। जरीन ने कहा ईमानदारी से कहूं तो कई सारे लोग हैं, लेकिन मैं सारा अली खान के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाना चाहूंगी। जिस अंदाज में वह बोलती हैं उसके चलते वह मुझे काफी मजेदार लगती हैं, वह मुझे मेरे जैसी लगती हैं, क्योंकि बोलते वक्त वह उतना नहीं सोचती हैं। जो उनके दिल और दिमाग में है वह वही बोलती हैं। जरीन ने अपनी बात को जारी रखते हुए आगे कहा तो मैं उनका और रणवीर सिंह का नाम लेना चाहूंगी, क्योंकि रणवीर हमेशा उर्जावान रहते हैं और उनके साथ वक्त खराब नहीं बितेगा। बात जरीन के काम की करें, तो जरीन ट्रैवल शो 'जीप बॉलीवुड ट्रेल्स' के साथ टेलीविजन पर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। उन जगहों से रूबरू कराएंगी जहां '3 इडियट्स', 'जब वी मेट' और 'धड़क' जैसी मशहूर बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग हुई है।

एक नजर

वेब सीरीज देखकर ठगी करने वाले जीजा-साली गिरफ्तार

नई दिल्ली । वेब सीरीज जामताड़ा देखकर ऑनलाइन ठगी को अंजाम देने वाले जीजासाली को कालकाजी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों को जनकपुरी इलाके से गिरफ्तार किया है। आरोपियों में 26 वर्षीय राजन और 20 वर्षीय प्रीति लोगों से केवाईसी के नाम पर उनके बैंक खातों की जानकारी हासिल कर खाते से रकम उड़ा लेते थे। पुलिस उनसे यह जानने की कोशिश कर रही है कि अब तक कितने लोगों को ठगी का शिकार बनाया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से फर्जी दस्तावेज पर लिए गए 8 सिम कार्ड, 3 मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त चिन्मय बिसवाल ने बताया कि 23 नवम्बर को कालकाजी थाने में एक महिला ने शिकायत दर्ज करावाई थी कि उन्होंने आईसीआईसीआई बैंक का नया क्रेडिट कार्ड बनवाया था। उनके पास आशीष नामक युवक ने केवाईसी अपडेट करने के लिए फोन किया और उनके क्रेडिट कार्ड की जानकारी उन्हें बताकर भरोसा दिला दिया कि वह क्रेडिट कार्ड कंपनी से ही बोल रहा है। भरोसे में लेकर उसने महिला से कई जरूरी जानकारी ले ली और फिर क्रेडिट कार्ड से रुपए उड़ा लिए। एसएचओ संदीप घई की टीम ने कार्रवाई शुरू की और बैंक से ट्रांसफर किए पेटीएम अकाउंट की जानकारी ली। साथ ही उसके जरिये जिस कंपनी के आउटलेट से खरीदारी की गई, उससे भी जानकारी ली।पुलिस ने जनकपुरी से आरोपी राजन को गिरफ्तार कर लिया।

विश्व गुरू बनने के लिये हर भारतीय को करना होगा संघर्षः चौधरी

मथुरा । उत्तर प्रदेश के कबीना मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने कहा कि वीर शहीदों के देश को एक बार फिर से विश्व गुरू बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास का फलीभूत करने के लिये हर भारतीय को कंधे से कंधा मिलाकर काम करना होगा पुलिस लाइन में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि चौधरी लक्ष्मी नारायण ने कहा कि देशवासियों को जो भी सामाजिक एवं आर्थिक अधिकार मिले हुए हैं वह वीर शहीदों की देन है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि मां शब्द के बिना धरती एक जमीन का टुकड़ा रह जायेगी। इस धरती पर केवल भारत भूमि को ही मां कहा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश को एक बार फिर से विश्व गुरू बनाना चाहते हैं। खुद को हिन्दू, मुस्लिम, सिख, इसाई कहलाने से पहले लोगों को अपने देश के बारे में विचार करना चाहिए और जो व्यक्ति जिस क्षेत्र में भी कार्य कर रहा है उसे पूर्ण लगन एवं ईमानदारी से करे जिससे देश,प्रदेश एवं समाज की उन्नति हो सके। डेयरी,पशुपालन एवं मत्स्य मंत्री ने शाहजहांपुर में अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह का जिक्र करते हुये कहा कि फांसी पर चढ़ने से पहले उनकी मां ने कहा था वह उसकी सगाई करना चाहती तो उन्होंने जवाब दिया था कि अगले दिन फांसी के फंदे के साथ उसकी सगाई हो जायेगी।

हक के साथ फर्ज भी बताता है हमारा संविधान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश दिवस के समापन समारोह को किया सम्बोधित

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज हमारा देश संविधान लागू करने के 70 वर्ष पूर्ण कर रहा है। भारत के संविधान ने हमें बहुत कुछ दिया है। इसलिए हमें अपने संविधान पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए।

हम अपने संवैधानिक अधिकारों की बात करते तो हैं, लेकिन कर्तव्यों की नहीं। जबकि हमारा संविधान हक के साथ फर्ज भी बताता है। संविधान दिवस मौके पर हमारी सरकार ने विधानसभा में इसी विषय पर चर्चा को लेकर विशेष सत्र का आयोजन किया था। इस बार का गणतंत्र दिवस हमें संविधान द्वारा प्रदत्त कर्तव्यों की याद दिला रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को अवध शिल्पग्राम में आयोजित उत्तर प्रदेश दिवस के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने देश और प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत दुनिया के उन कुछ चुनिंदा लोकतांत्रिक देशों में है, जिसने संविधान लागू होने के तत्काल बाद इस देश के हर वयस्क नागरिक को मताधिकार दिया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस के इस तीन दिवसीय आयोजन में लखनऊ ही नहीं, बल्कि प्रदेश के अलगअलग क्षेत्रों के कलाकारों को मंच प्राप्त हुआ। साथ ही प्रदेश के कोनेकोने से लोग यहां प्रदर्शनी देखने भी आए।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अगर

हर व्यक्ति ईमानदारी से अपनेअपने क्षेत्र में अपनेअपने कर्तव्यों का निर्वहन कर ले, तो समाज और राष्ट्र का कल्याण हो सकता है। हम सब बहुत सारे लोगों के चेहरों पर खुशहाली ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि आपसी स्वार्थ की लड़ाई जब प्रारंभ होती है, तो वहां पर टकराव की स्थिति उतनी ही तीव्र होती दिखाई देती है।

लेकिन जहां पर हम सब अपने कर्तव्यों के प्रति स्वयं सचेत रहते हैं, वहां पर टकराव नहीं होता, क्योंकि वहां स्वार्थ नहीं होता।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमें उत्तर प्रदेश की परंपरा पर गौरव की अनुभूति इसलिए भी करनी चाहिए, क्योंकि यह सभ्यता और संस्कृति की धरती है। देश और दुनिया को बहुत कुछ हम उत्तर प्रदेश के माध्यम से दे सकते हैं।

इसके लिए उत्तर प्रदेश की 23 करोड़ जनता को ईमानदारी के साथ अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करना होगा। जब हर व्यक्ति अपनी पूरी शक्ति का इस्तेमाल करेगा, तो सचमुच उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में होगा।

ओडीओपी को आगे बढ़ाने के लिए आयोजित हुए कार्यक्रम काफी सराहनीय

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 25 जनवरी 2020 को यहां पर प्रदेश के परंपरागत उद्यम को आगे बढ़ाने, विश्वकर्मा श्रम सम्मान से जुड़े हुए कारीगरों के सम्मान और खादी और ग्रामोद्योग से जुड़े कार्यक्रमों को लेकर यहां जो आयोजन हुए वह काफी सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि इसी माह की 24 तारीख को हमारी सरकार ने अटल आवासीय विद्यालय का शिलान्यास किया। ये विद्यालय प्रदेश के सभी 18 मंडलों में खोले जाएंगे।

डीबीटी के माध्यम से छात्र-छात्राओं भेजी गई छात्रवृत्ति

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहले छात्रछात्राओं को छात्रवृत्ति के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। अब हमारी सरकार ने यह व्यवस्था कर दी है कि छात्रवृत्ति की पहली किस्त छात्रछात्राओं के खाते में 2 अक्टूबर और दूसरी किस्त गणतंत्र दिवस के दिन चली जाए। इसीके तहत आज इस मंच से प्रदेश के 56 लाख 66 हजार से अधिक छात्रछात्राओं के खाते में छात्रवृत्ति की धनराशि डीबीटी के माध्यम से भेजी गई है। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति पाने वाले छात्रछात्राओं की संख्या साल दर साल बढ़ रही है। इस बार 10 लाख 56 हजार अतिरिक्त छात्रछात्राएं पहली बार छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं।

टुकड़े-टुकड़े गैंग के टुकड़े राष्ट्रीय एकता से ही संभव : सुमन शर्मा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

गोवा। राष्ट्रीय युवा हिन्दू वाहिनी, विश्व हिंदु परिषद एवं विप्र फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में गणतंत्र दिवस पर यहां एयरपोर्ट के समीप डाबोलिम में हर्षोल्लास से ध्वजारोहण किया गया। मां भारती के छायाचित्र के समक्ष दीप रोशन कर व माल्यार्पण कर राष्ट्रीय एकता का संकल्प भारत माता के जयकारों के साथ लिया गया। कार्यक्रम में वाहिनी के प्रदेशाध्यक्ष अविनाश तिवारी, महिला विंग की अध्यक्ष सुमन शर्मा, विप्र फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष निखिल शर्मा व परिषद के अध्यक्ष विनय दोडमनि के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

इस दौरान सुमन शर्मा ने अपने संबोधन में आज़ाद देश में टुकड़ेटुकड़े गैंग को करारा जवाब देने के लिए राष्ट्रप्रेम के साथ एकजुटता की भी नितांत आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परस्पर समन्वय, प्रेम और सौहार्द हमारी संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है। सुमन ने कहा कि

हमारी इसी विरासत को सहेजते हुए संकीर्ण मानसिकता को त्यागते हुए श्रेष्ठ और उज्ज्वल भारत के निर्माण के लिए संकल्पित होना होगा। कार्यक्रम में वाहिनी के प्रदेश प्रभारी नारायण पांडेय, कमलेश तिवारी, अजय लांबा, संदीप पंवार सहित अनेक वक्ताओं ने अपनेअपने विचार रखे। साथ ही महिलाओं एवं युवाओं ने जोशीले अंदाज में राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत गीतों क्रमशः ये देश है वीर जवानों का.., सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तान हमारा.., झंडा ऊंचा रहे हमारा सहित वंदे मातरमजय हिंद के नारों को गुंजायमान किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अविनाश तिवारी ने सभी का धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

सत्य और संघर्ष से बनी व्यास की आत्मकथा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

जयपुर। कथेतर लेखन अब भारतीय साहित्य की मुख्य धारा है जिसमें हमारे युग की सच्चाई बोल रही है। डॉ सत्यनारायण व्यास की आत्मकथा क्या कहूं आज केवल साधारण मनुष्य की सच्चाई और संघर्ष की दास्तान नहीं है बल्कि इसमें लंबे दौर के जीवन अनुभवों को देखा जा सकता है। वरिष्ठ आलोचक और साहित्यकार डॉ दुर्गा प्रसाद अग्रवाल ने उक्त विचार राजस्थान विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित विमोचन समारोह में व्यक्त किए। डॉ अग्रवाल ने कहा कि महाविद्यालयी शिक्षक के खरे अनुभव भी इस आत्मकथा को विशिष्ट बनाते हैं। समारोह में दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दी अध्यापक और बनास जन के संपादक पल्लव ने आत्मकथा की कसौटियों की चर्चा करते हुए कहा कि हिंदी में कथेतर लेखन की व्यापकता से साहित्य में लोकतंत्र की वृद्धि हुई है। उन्होंने व्यास के जीवन संघर्ष की सच्चाई को होरी के स्वप्न से जोड़ा। पल्लव ने कहा कि आत्म स्वीकार की उदात्तता और प्रांजल गद्य के सहकार से यह कृति पठनीय बन गई है। राजस्थान विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सहायक आचार्य जगदीश गिरी ने इस आत्मकथा के महत्वपूर्ण प्रसंगों को सुनाते हुए कहा कि इसमें निजी संवादों में आए राजस्थानी के अनेक वाक्यों को जस का तस पढ़ना डॉ व्यास की लेखनी का कौशल है। उन्होंने पुस्तक में आए बचपन, कोर्ट कचहरी और दैनंदिन कामकाज के संघर्ष के दृश्यों की भी सराहना की। मुख्य अतिथि महाराजा कालेज के पूर्व प्राचार्य प्रो एस के मिश्र ने कहा कि रसायन शास्त्र के विद्यार्थी होने पर भी वे साहित्य की इस कृति को मिलते ही पढ़ गए। प्रो मिश्र ने एक अध्यापक के रूप में डॉ व्यास की निष्ठा और प्रतिबद्धता को अनुकरणीय बताते

हुए कहा कि इस बात पर भी शोध होना चाहिए कि कालेज में प्रवेश ले लेने के बाद भी कक्षाओं में विद्यार्थी क्यों नहीं आते। समारोह में वरिष्ठ आलोचक मोहन श्रोत्रिय, सुपरिचित कवि नन्द भारद्वाज, विख्यात कवि चिंतक सदाशिव श्रोत्रिय, चंद्रकांता व्यास ने भी कृति के सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त किए। लेखकीय वक्तव्य में डॉ व्यास ने कहा कि स्वाभिमान और संघर्ष से पीछे न हटने की प्रवृत्ति के संस्कार उन्हें अपनी मां से मिले।

विभाग की अध्यक्ष डॉ श्रुति शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और डॉ व्यास का शाल ओढ़ाकर अभिनन्दन किया। संयोजन कर रही विभाग की डा तारावती मीणा ने कृति के मुख्य अंशों का वाचन किया। समारोह में नगर के जाने माने लेखक डॉ हेतु भारद्वाज, हरीश करामचंदानी, शैलेन्द्र चौहान, राघवेन्द्र रावत, संदीप मील सहित बड़ी संख्या में शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित थे। अंत में विभाग की तरफ से डॉ उर्वशी शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

आईवीएफ की फैमिली हैल्थ रन आयोजित

बेंगलुरु। इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन (आईवीएफ) कर्नाटका ने यहां सत्या फाउंडेशन में फैमिली हैल्थ रन का आयोजन किया। जिसके तहत लगभग दो किलोमीटर की दूरी तय की गई। इस इवेंट को सफल बनाने में बुक माई अकाउंटैंट, हैलो किड्स, रिश्ता फूड्स व डीएचएस क्लाउड डायग्नोसिस आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में सभी का उत्साहवर्धन करने के लिए आईवीएफ के स्टेट प्रेसिडेंट बिपिन राम अग्रवाल, संगठन सचिव रितु अग्रवाल, उपाध्यक्ष छाया गांधी, रिटायर्ड कर्नल रिषिपाल और गोरांग गुप्ता ने भी भाग लिया हैं। साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। निखिल कुमार गुप्ता ने बताया कि बड़ी संख्या में लोगों ने इस जागरूकता भरी फैमिली हैल्थ रन में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों विभिन्न प्रकार स्वास्थ्य जांच की गई। विजेताओं को अग्रवाल ने पुरस्कृत किया। उल्लेखनीय है कि ये आयोजन फैमिली हैल्थ एवं जीरो वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर आयोजित किया गया।

फ़ेसबुक आईडी हैक कर साइबर हैकर्स खाते से उड़ा रहे पैसा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

भदोही । सोशलमीडिया पर आप अधिक समय गुजारते हैं तो चैतन्य हो जाइए। साइबर हैकर्स आपकी आईडी को हैक कर आपके किसी करीबी की जेब पर डाका डाल रहे हैं। देश भर में कई लोग शिकार हो चले हैं। आप मैसेंजर पर ऐसे किसी आग्रह को स्वीकार न करें जिसमें आपका कोई फ़ेसबुक दोस्त आपसे आर्थिक मदद की गुहार किया हो। वह साइबर आतंकी हो सकता है। जबकि दोस्ती के भ्रम में आप बैंक अकाउंट खाली कर सकते हैं।

आपकी फ़ेसबुक आईडी को साइबर आतंकी यानी हैकर हैक करते हैं। इसके बाद आपके किसी सुपरिचित फ़ेसबुक मित्र के मैसेंजर से पैसे की मांग करते हैं। जिसमें लिखा होता है मैं बीमार हूँ। अस्पताल में हूँ, मुझे पैसे की सख्त जरूरत है। हमारे खाते में जल्द पैसा भेज दें। जबकि आप दोस्त की मुसीबत का ख़याल कर तत्काल भावनात्मक हो कर उसकी डिमांड के अनुसार पैसा भेज देते हैं। बाद में पता चलता है कि आपके मित्र ने पैसे की डिमांड किया ही नहीं। आप साइबर ठगी के शिकार हुए हैं। अगर आपके पास कोई ऐसी

मांग आती है तो सावधान हो जाइए, वरना आपकी जेब भी कट सकती है।

आपकी फ़ेसबुक आईडी हैक करने के बाद मैसेंजर पर दोस्त की आईडी से बेहद भावनात्मक अपील की जाती है। ऐसी अपील जिस पर आँखमूंद कर आप भरोसा कर सकते हैं। साइबर हैकर आपकी आईडी का बारीकी से अध्ययन करते हैं, इसके बाद आपको निशाना बनाते हैं। अगर आपके पास इस तरह का कोई संदेश आ रहा है तो सबसे पहले अपने फ़ेसबुक मित्र और उनके करीबियों से सम्पर्क कर पूरी जांच पड़ताल करने के बाद ही पैसा भेजें। हम यह नहीं कहते हैं कि आप अपने मित्र या किसी करीबी की मदद न करें। जरूर करें लेकिन पड़ताल के बाद। हो सकता हो वह आपका मित्र न हो कर साइबर आतंकी हो, जिसकी नज़र आपके बैंक एकाउंट पर हो और आप ठगी का शिकार बन सकते हैं। साइबर आतंकी खुद के बीमार होने। दुर्घटना का शिकार होने और पत्नी एवं बच्चों की बीमारी या दूसरे बहाने बनाकर आपको निशाना बना रहे हैं। अगर आपसे कोई डिमांड की जा रहीं है तो आप सीधे उसका नम्बर मांगिए , लेकिन हैकर अपना नम्बर नहीं देना चाहते वह सीधे बैंक एकाउंट देकर पैसे को ट्रांसफर करवा रहे हैं।

राजेन्द्र सुरी जिनमंदिर का रजत उत्सव 5 फरवरी से

बेंगलुरु। अखिल भारतीय राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद शाखा के तत्वावधान में कर्नाटक प्रांत की राजधानी फूलो की नगरी बेंगलोर नगर की धन्य धरा पर एवन्यु रोड स्थित मुनिसुव्रतस्वामी राजेन्द्रसूरिजी जिन मंदिर की 25वी ध्वजारोहण निमिते भव्य रजत जयंती महामहोत्सव 5 फरवरी से 7 फरवरी तक धूमधाम से आयोजित किया जा रहा है। त्रिदिवसीय इस आयोजन को लेकर परिषद पदाधिकारियों की एक मीटिंग यहां आयोजित हुई। अध्यक्ष डूंगरमल चोपड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में पावनकारी निश्रा राष्ट्रसंत आचार्यश्री पद्मसागरसूरीष्वरजी म.सा.के शिष्यरत्न मधुरवक्ता आचार्य देवेंद्रसागरसूरी, साध्वीवर्या सूर्योदया आदि ठाणा3 के सानिध्य में अगले माह के बुधवार को प्रात 600 बजे भक्तामर पाठ से प्रारंभ होगा। उसके बाद गुरुगुण इकतीसा व गुरुदेव का प्रवचन तथा दोपहर 2 बजे पार्श्वनाथ कल्याणक पूजा होगी। चोपड़ा ने बताया कि अगले दिन गुरुवार प्रात 6 बजे भक्तामर पाठ एवं गुरुगुण इकतीसा व गुरु महाराज की अष्टप्रकारी पूजा तथा आचार्य का प्रवचन होगा, दोपहर 2 बजे से मुनिसुव्रतस्वामी महापूजन तथा शाम को परमात्मा की लाखेंनी अंगरचना एवं भक्ति भावना की प्रस्तुतियां दी जाएगी। डूंगरमल चोपडा ने बताया कि

आयोजन के समापन दिवस पर 7 फरवरी को प्रात- 7.30 बजे अट्ठारह अभिषेक, 9 बजे से सत्तरभेदी पूजा एवं 10 बजे 25वीं ध्वजारोहण कार्यक्रम होगा। परिषद के मंत्री नेमीचंद संघवी ने तीन दिनों के पुण्यार्जन के कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में श्रद्धालुओं से भाग लेने की अपील की।

भारत को विश्व गुरु बनाने में रहेगा विप्र फाउंडेशन का योगदानः केशव सावईकर

(संजयजोशी/(वूमेन एक्सप्रेस)

गोवा। हजारों वर्ष पूर्व कोंकण काशी के नाम से पहचाने जाने वाले तथा ब्राम्हणों के पूर्वजप्रेरणा पुरुष भगवान परशुरामजी द्वारा रचित कोंकण प्रान्त गोवा में ब्राह्मण समाज के वैश्विक संगठन विप्र फाउंडेशन की प्रदेश इकाई के विधिवत गठन के साथ शपथ ग्रहण समारोह शनिवार शाम को आयोजित हुआ। विश्व की प्राचीनतम संस्कृतियों वाले प्रदेश गोवा में विफ़ा की इस 20वीं प्रांतीय इकाई के गठनशपथ ग्रहण समारोह में बतौर अतिथि दक्षिण गोवा के पूर्व सांसद एवं एनआरआई कमिश्नर एडवोकेट नरेंद्र केशव सावईकर व वरिष्ठ समाजसेवी संजय वालवलकर ने शिरकत की।

कार्यक्रम में एमएन ओझा, त्रिनेश्वर द्विवेदी व विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यमीडिया प्रभारी संजय जोशी भी मौजूद रहे। पणजी के यूथ हॉस्टल में हुए इस कार्यक्रम में विफ़ा की गोवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल शर्मा ने सभी का स्वागत किया। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र झुंझुनू मूल के निखिल शर्मा ने अपनी कार्यकारिणी में महासचिव पद पर नारायण सिंह राजपुरोहित, उपाध्यक्षद्वय भंवरलाल रिणवा व राम कुमार दायमा, सचिव ओमप्रकाश द्विवेदी तथा कोषाध्यक्ष पद पर गोपीकिशन शर्मा का मनोनयन किया है।

नवगठित इकाई के सभी पदाधिकारियों को अतिथि संजय वालवलकर ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। प्रदेश भर से बड़ी संख्या में जुटे विप्र जनों ने विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता व स्वजातीय गतिशीलता के उद्देश्यों के तहत विविध क्रियाकलापों के प्रति भरोसा जताते हुए परस्पर सहयोग का संकल्प भी लिया। इस दौरान गोवा सरकार में राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त सावईकर ने कहा कि राष्ट्रीयता की भावना के साथ विप्र फाउंडेशन एक जिम्मेवारी पर कार्य कर रहा है। प्रदेश भाजपा महासचिव नरेंद्र केशव ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब सर्व समाज सुधारक प्रकल्प के साथ विफ़ा का अमूल्य योगदान भारत को विश्व गुरु बनाने में अपनी महती भूमिका निभाएगा। संजय वालवलकर ने भी कहा कि ब्राह्मणवाद की बजाय ब्राह्मणत्व को बढ़ाना तथा उन्नत समाजसमर्थ राष्ट्र के उद्देश्य को लेकर क्रियाशील अंतराष्ट्रीय स्तर की संस्था विप्र फाउंडेशन जैसे देश में बहुत बड़ी ताकत के रूप में पहचान बना रही है। उन्होंने कहा कि विफ़ा जैसे संगठन की सक्रियता की वजह से ही राष्ट्रीयता बरकरार रहेगी।

आत्मा समर्पण की साधना से मिलता हैं परमात्मा: देवेंद्र सागर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

बेंगलुरु। यहां शांतिनगर श्वेताम्बर जैन मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में आचार्य देवेंद्र सागर महाराज साहेब की निश्रा में विशेष परमात्मा अभिषेक का आयोजन शनिवार प्रातः हुआ। मंत्रोच्चार पूर्वक हुए इस अभिषेक में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य ने कहा कि आत्मा की परिपूर्णता प्राप्त कर परमात्मा में प्रतिष्ठित होने के दो मार्ग हैं, एक प्रयत्नपूर्वक प्राप्त करना और दूसरा अपने आपको सौंप देना।

प्रथम मार्ग में विभिन्न साधनाएँ करनी पड़ती हैं, चिन्तन, मनन, ज्ञान के द्वारा विभिन्न उपक्रमों में सचेष्ट रहना पड़ता है। दूसरी ओर सम्पूर्ण भाव से परमात्मा के प्रति समर्पण करना पड़ता है। तरह तरह की साधनाएँ, विधि विधानों का अवलम्बन लेकर प्रयत्नपूर्वक ईश्वर प्राप्ति की आकांक्षा रखने वाले बहुत मिल सकते हैं, किन्तु सम्पूर्ण भाव से अपने परमदेव के समर्पण हो जाने वाले, जीवन में सर्वत्र ही परमात्मा को प्रतिष्ठित करने वाले, अपनी समस्त बागडोर प्रभु के हाथों सौंप कर उसकी इच्छानुसार संसार के महाभारत में लड़ने वाले अर्जुन विरले ही होते हैं। आचार्य बोले, विभिन्न साधनाओं, व्रत, तपश्चर्याओं में अपनी शक्ति का परिचय देकर

अपनी साधना का हिसाब लगाने वाले साधकों में एक प्रकार का विशेष सात्विक अहंकार पैदा हो जाता है और यही एक दीवार बनकर आत्मा और परमात्मा के बीच अवरोध खड़ा कर देता है।

इसे ही शास्त्रकारों ने ज्ञानजन्य भी अन्धकार कहा है। यही कारण है कि ज्ञानी, ध्यानी, तपस्वी, सिद्ध, योगी बनना दूसरी बात है, किन्तु सम्पूर्ण भाव से परमात्मा की उपलब्धि करना, उसमें प्रतिष्ठित होना सर्वथा भिन्न है। उन्होंने कहा कि विभिन्न साधनाओं के रहते भी अपने समस्त कर्तृत्व, अहंकार, निजत्व की भावनाओं को मिटाकर समस्त जीवन को प्रभु चरणों में समर्पण किये बिना परमात्मा में प्रतिष्ठित होना संभव नहीं है। आत्म समर्पण की महत्ता को उजागर करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि ईश्वर के प्रति आत्म समर्पण करने का यह अर्थ नहीं है कि हम जो कुछ करें वह सब ईश्वर कर रहे हैं। यदि यह धारणा बना ली जायेगी तो एक बहुत बड़ी भूल होगी और हमारे आध्यात्मिक जीवन में एक गंभीर दुर्घटना समझी जायेगी। आत्म समर्पण के बल पर अपनी बुराइयों, दुष्कृत्यों को पोषण देना, अपने कृत्यों द्वारा प्राप्त असफलता को ईश्वर के मत्थे मढ़ना आत्म समर्पण की भावना के अनुकूल नहीं है। यह तो एक तरह की विडम्बना और आत्म प्रवंचना है।

गणतंत्र दिवस पर आचार्य देवेंद्रसागर की निश्रा में विशेष आयोजन

रविवार को सुबह 9 बजे आचार्यश्री की प्रेरणा से शांतिनगर नव युवक मंडल द्वारा प्रभात फेरी का आयोजन किया जाएगा, प्रभात फेरी का समापन प्रमुख मार्गो से होते हुए आदिनाथ जैन मंदिर में पहुँचते ही ध्वज वंदन के साथ होगा। इसके बाद गुरुजी की निश्रा में सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ होगा, जिसमें बालकबालिकाएं देशभक्ति नाटिका आदि प्रस्तुत करेंगे। साथ ही आचार्यश्री का प्रवचन होगा। प्रवचन के बाद शांति नगर जैन संघ की ओर से भाता की प्रभावना दी जाएगी।

नैनी (इलाहाबाद) कार्यालय
मेवालाल की बगिया खादिम के बगल
प्रभारीः
राजेश सरकार
सुजीत चौरसिया
Mo- 9956762825
9451251066

वूमेन एक्सप्रेस

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुनील पाण्डेय ने आदित्य ग्राफिक्स INC, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व ई–4/168, गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

करॉनाः मुश्किल में भारतीय, तीसरी हेल्पलाइन

पेइचिंग चीन में करॉना वायरस के प्रकोप के कारण मरने वालों की संख्या 56 हो गई है, जबकि संक्रमित लोगों की संख्या 2 हजार से भी ज्यादा हो गई है। चीन में भारतीय दूतावास भी लगातार सक्रिय है और लोगों की स्वास्थ्य और स्थिति पर नजर बनाए हुए है। भारतीयों की मदद करने के लिए दूतावास ने दो हेल्पलाइन चालू की थीं लेकिन बड़ी संख्या में कॉल को देखते हुए दूतावास को तीसरी हेल्पलाइन भी जारी करनी पड़ी है।

चीन में भारतीय दूतावास ने पहले +8618612083629 और +8618612083617 नंबर शुरू किए थे। अब नए हेल्पलाइन नंबर +8618610952903 पर भी कॉल करके मदद मांगी जा सकती है। **@EOIBeijing** ने बताया कि ये हेल्पलाइन 24 घंटे चालू हैं। चीन के वुहान शहर में बड़ी संख्या में भारतीय छात्र रहते हैं। भारतीय दूतावास ने बताया कि पिछले दो दिनों में उनके पास लगभग 600 कॉल आ चुकी हैं। भारत सरकार के साथ मिलकर दूतावास भारतीयों की सुरक्षा की हर संभव कोशिश कर रहा है और चीनी प्रशासन के साथ भी लगातार संपर्क में है। खतरनाक करॉना वायरस पर नियंत्रण के लिए रविवार को दक्षिण शहर शांताउ को आंशिक रूप से बंद करने की घोषणा की। ऐसा पहली बार है जब विषाणु के केंद्र रहे वुहान के बाहर किसी शहर को बंद करने की घोषणा की गई है।

10 मिनट में चार धमाकों से दहला असम, उल्फा (आई) ने ली जिम्मेदारी

गुवाहाटी । प्रतिबंधित संगठन उल्फा (इंडिपेंडेंट) ने असम में गणतंत्र दिवस समारोह से पहले हुए चार शक्तिशाली विस्फोटों की जिम्मेदारी ली है। इसमें अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उल्फा (आई) ने उसके प्रचार विभाग के जॉय असोम द्वारा हस्ताक्षरित एक बयान में दावा किया कि इन चारों विस्फोटों को संगठन द्वारा अंजाम दिया गया है। असम के डिब्रूगढ़ और चराइदेव जिलों में रविवार (26 जनवरी) को सुबह चार शक्तिशाली विस्फोट हुए। पुलिस ने बताया कि तीन विस्फोट डिब्रूगढ़ में और एक विस्फोट चराइदेव में हुआ। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सभी विस्फोट सुबह सवा आठ बजे से आठ बजकर 25 मिनट के बीच 10 मिनट के अंतराल पर हुए। उन्होंने बताया कि इसमें किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है क्योंकि गणतंत्र दिवस का अवकाश होने के कारण ज्यादातर लोग घरों में ही थे। पहला विस्फोट चराइदेव जिले के सोनारी पुलिस थाने के तहत आने वाले तिओकघाट इलाके में एक दुकान के बाहर हुआ। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पद्मनाभ बरुआ ने पीटीआईभाषा को बताया इसके बाद डिब्रूगढ़ जिले में तीन विस्फोट हुए।

वोडा-आइडिया को डूबने से कोई नहीं बचा सकता?

कोलकाता पिछली कई तिमाहियों में भारी नुकसान तथा एजीआर बकाये के कारण वित्तीय संकट से जूझ रही टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया को संकट से उबारने की सरकार की कोई भी कोशिश पर्याप्त नहीं होगी। सरकार वोडाफोन आइडिया की चाहे जितनी भी मदद कर ले, वह रिलायंस जियो और भारती एयरटेल का बाजार में मुकाबला नहीं कर पाएगी। वोडाफोन आइडिया पर एजीआर के मद में 53,000 करोड़ रुपये का वैधानिक बकाया है, जिसे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 23 जनवरी को उसे दूरसंचार विभाग को चुकाना था। लेकिन कंपनी ने कोर्ट में इस समय सीमा को बढ़ाने के लिए याचिका दायर कर रखी है, जिसके कारण मामला अटक गया है। साथ ही सरकार ने भी कहा है कि बिना उसके आदेश के कोई भी सर्किल कंपनी के खिलाफ कदम नहीं उठाएगी। डॉएचे बैंक ने एक विज्ञप्ति में कहा, वोडाफोन आइडिया को संकट से उबारने के लिए केंद्र सरकार अगर मध्यम अवधि के बजाय कोई तत्काल सहायता देती है तो वह सरकार के लिए महंगा सौदा साबित होगा। जर्मन निवेशक बैंक ने कहा, वीआईएल की सहप्रमोटर आदित्य बिड़ला ग्रुप वोडाफोन आइडिया को बैंकरप्ट्सी में ले जाने पर विचार कर सकती है, कारोबार में हिस्सेदारी खरीद सके। उसने कहा कि भारत में टेलिकॉम क्षेत्र के कायदेकानून स्पष्ट नहीं हैं।

एअर इंडिया ने अनोखे अंदाज में मनाया गणतंत्र दिवस

देश के सभी बड़े एयरपोर्ट पर 30 हजार से अधिक यात्रियों को तिरंगे भेंट किए

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। एअर इंडिया ने 71वां गणतंत्र दिवस एक अनोखे अंदाज में मनाया । एयर इंडिया ने दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद, बंगलुरु तथा श्रीनगर एयरपोर्ट पर अपने यात्रियों को राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक तिरंगे भेंट किए। इन तिरंगों की विशेषता यह थी के यह विशेष कारीगरों द्वारा एक विशेष मैटीरियल से बनाए गए थे । इस अवसर पर 30 हजार से अधिक झंडे यात्रियों को भेंट किए गए । इस अवसर पर ऐअर इंडिया ने श्रीनगर के ऐतिहासिक लाल चौक में बहुत बड़ा होर्डिंग भी लगाया है, जिसके ज़रिए घाटी के लोगों को गणतंत्र दिवस का शुभकामना संदेश दिया गया। एअर इंडिया ने पहली बार इस तरह का होर्डिंग घाटी में लगाया है।

एयर इंडिया के प्रवक्ता धनंजय कुमार के मुताबिक

मध्यप्रदेश के सरैया आदिवासी कारीगरों द्वारा हस्तनिर्मित यह तिरंगे बीज से बनाए गए थे । हस्तनिर्मित पेपर को सर्वश्रेष्ठ क्वालिटी का बनाने के लिए इसमें कॉटन प्ल्प तथा टैक्सटाइल वेस्ट का इस्तेमाल किया जाता है। इन झंडों में फूलों के बीज होते हैं एक बार प्रयोग में लाए जाने के बाद इन्हें रोप देने से हरियाली में भी वृद्धि होगी। इन झंडों में गेंदे और मैथी के बीज हैं।

एयर इंडिया के प्रवक्ता धनंजय कुमार के मुताबिक

झंडे को 24 घंटे तक पानी में भिगोएं । थोड़ा नरम और मुलायम होने पर इन्हें मिट्टी में रोप दें। अच्छे परिणाम के लिए नियमित रूप से पानी डालें । 200 सरैया आदिवासी हस्तनिर्मित पेपर से 100 से भी अधिक अलगअलग उत्पादों का निर्माण कर रहे हैं।

अमित शाह की सभा में CAA विरोधी की पिटाई

नई दिल्ली रविवार को दिल्ली के बाबरपुर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की चुनावी सभा में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का विरोध जताने की कोशिश कर रहे एक युवक की लोगों ने पिटाई कर दी। शाह बाबरपुर इलाके में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे, उसी दौरान एक युवक सीएए को वापस लेने की मांग करने लगा तभी आसपास मौजूद लोगों ने उसे पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। इस बीच अमित शाह ने सिक्योरिटी को उस युवक को सही सलामत वहां से ले जाने का निर्देश दिया। गृहमंत्री ने लोगों से शांत रहने की अपील की।

इस बीच. शाह ने सीएए को लेकर विपक्षी पार्टियों पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कांग्रेस पार्टी के रुख की कड़ी आलोचना क। दिल्ली में 8 फरवरी को विधानसभा चुनाव होने हैं और बीजेपी सीएए को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने में जुटी है। अपने चुनावी अभियान के दौरान शाह ने कहा, ईवीएम का बटन इतने गुस्से के साथ दबाना कि बटन यहां बाबरपुर में दबे और करंट शाहीन बाग के अंदर लगे। शाह ने सीएए पर कांग्रेस पार्टी के रुख पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, राहुल बाबा और केजरीवाल ऐंड कंपनी मोदी जी द्वारा लाए गए सीएए का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने दिल्ली में दंगे भड़काए और लोगों को बस जलाने के लिए उकसाया।

अगर यही लोग दोबारा चुन लिए जाते हैं तो दिल्ली सुरक्षित नहीं रहेगी। शाह ने इस सभा में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार पर हमला बोला। गणतंत्र दिवस के दिन अपनी सभा में शाह ने केजरीवाल सरकार को झूठा करार दिया। शाह ने दिल्ली में पानी की गुणवत्ता पर छिड़ी बहस पर भी टिप्पणी की। शाह ने कहा कि दिल्ली में सप्लाइ किया जाने वाला पानी सबसे खराब क्वॉलिटी में शामिल है। वहीं आप का कहना है कि केंद्रीय एजेंसियां बीजेपी के दबाव में आप सरकार की कामयाब योजना को खराब बताने में लगी हैं।

AMU के वीसी को हटाओ छात्रों ने लगाए नारे

(विशेष संवाददाता)

अलीगढ़ अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में गणतंत्र दिवस के अवसर पर रविवार को आयोजित कार्यक्रम में कुलपति के भाषण के दौरान कुछ छात्रों ने नारेबाजी की और कुलपति को काले झंडे दिखाने का प्रयास किया। यूनिवर्सिटी में कड़ी सुरक्षा के बीच विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कुलपति तारिक मंसूर जब अपना भाषण समाप्त कर रहे थे, तभी कुछ छात्रों ने उन्हें हटाने की मांग करते हुए उनके खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी।

नारेबाजी के दौरान ही छात्रों के दो गुटों के बीच धक्कामुक्की भी हुई। उसके बाद सुरक्षाकर्मी नारेबाजी कर रहे छात्रों को अपने साथ प्रॉक्टर कार्यालय ले गए। कुलपति ने अपने भाषण के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में गत 15 दिसंबर को संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शन के मामले में जामिया मिलिया इस्लामिया के छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में एएमयू के छात्रों के उग्र प्रदर्शन को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। छात्र समन्वय समिति के प्रवक्ता अनसब आमिर ने संवाददाताओं को बताया कि कुलपति के भाषण के दौरान विरोध जताने वाले छात्रों को विश्वविद्यालय के सुरक्षा स्टाफ ने पकड़ कर जबरन पुलिस थाना पहुंचा दिया। हालांकि ताहिर आजमी, रफीउद्दीन, सुधीर गुलाटी और ए एम फराज नाम के छात्रों को अब रिहा कर दिया गया है। इसके पूर्व, कुलपति ने अपने भाषण में कहा कि वह अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के दर्जे को संरक्षित करने की कसम लेते हैं। परिसर में हाल में हुई घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण थी। वह हमेशा अपने छात्रों के साथ रहे हैं और आगे भी रहेंगे।

उन्होंने कहा कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय किसी भी मुद्दे पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन की कानून के दायरे में रहकर इजाजत देने के लिए कृत संकल्प है। इसके पूर्व, शनिवार रात पुलिस ने विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक प्रफेसर तारिक उस्मानी के घर पर छापा मारा।

पुलिस का कहना है कि उसने उस्मानी के बेटे शरजील उस्मानी की तलाश के सिलसिले में वह दबिश दी है। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्र शरजील के खिलाफ गत 16 जनवरी को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में भड़काऊ भाषण देने के आरोप में देशद्रोह का मुकदमा दर्ज हुआ है।

सनाउल्लाह 'घुसपैठिया' पाक अफसर के बेटे सामी को पद्मश्री क्यों?-कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस ने जाने माने गायक अदनान सामी को पद्मश्री दिए जाने पर रविवार को सवाल उठाया और तंज कसते हुए कहा कि अब 'भाजपा सरकार की चमचागिरी' यह प्रतिष्ठित सम्मान दिए जाने का नया मानदंड बन गया है। गौरतलब है कि कुछ साल पहले भारत की नागरिकता हासिल करने वाले सामी को इस साल पद्मश्री सम्मान देने की घोषणा की गई है। सामी पहले पाकिस्तानी नागरिक थे। पार्टी प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने यह सवाल भी किया कि ऐसा क्यों हुआ कि करगिल युद्ध में शामिल हुए सैनिक सनाउल्लाह को 'घुसपैठिया' घोषित कर दिया गया, जबकि उस सामी को पद्म सम्मान दिया जा रहा है जिसके पिता ने पाकिस्तानी वायुसेना में रहकर भारत के खिलाफ गोलाबारी की थी? ''भारतीय सेना के वीर सिपाही और भारत माता के पुत्र मोहम्मद सनाउल्लाह जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ कारगिल की लड़ाई लड़ी उनको एनआरसी के जरिए घुसपैठिया घोषित कर दिया गया।

CAA के खिलाफ प्रदर्शन करने पहुंचे भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर को पुलिस ने हिरासत में लिया

(विशेष संवाददाता)

हैदराबाद । हैदराबाद पुलिस ने रविवार को भीम आर्मी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद को हिरासत में ले लिया। वह **NRC**, **CAA** और **NPR** के खिलाफ प्रदर्शन में भाग लेने जा रहे थे। समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक, इस प्रदर्शन के लिए पुलिस से इजाजत नहीं ली गई थी। हालांकि, उनके ट्विटर हैंडलर के जरिए जानकारी साझा की गई है कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जाता है कि चंद्रशेखर हैदराबाद के टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस पहुंचे थे जहां से पुलिस ने उनको हिरासत में ले लिया। दरअसल, **CAA** कानून के खिलाफ चंद्रशेखर ने मोर्चा खोल दिया है। चंद्रशेखर ने शनिवार को ट्वीट कर कहा था, साथियों... काले कानून **NRC**, **CAA** और **NPR** के खिलाफ जनआंदोलन को मजबूत करने के लिए मैं कल पहली बार हैदराबाद आ रहा हूं। संविधान की रक्षा के लिए कल गणतंत्र दिवस के मौके पर हम सभी बहुजन समाज के लोग एकजुट होकर संविधान की प्रस्तावना पढेंगे और उसकी रक्षा की शपथ लेंगे। हैदराबाद पहुंचने के बाद उनके

ट्विटर हैंडलर से एक के बाद एक कई ट्वीट किए गए। दोपहर से पहले किए गए एक ट्वीट में उन्होंने कहा, मैं अभी **TISS** हैदराबाद में बैठा हूं, यहां कल सारी रात लड़कियों को पुलिस स्टेशन में बिठाकर रखा गया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। बहनों का अपमान बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे तुरंत यहां आकर जवाब दे वरना हम पुलिस स्टेशन को घेरने आ रहे हैं। उन्होंने अपने अगले ट्वीट में कहा, मैं अभी चार बजे क्रिस्टल गार्डन मेहदी पटनम हैदराबाद पहुंच रहा हूं लेकिन हैदराबाद पुलिस का हाल देखिए उस जगह को पुलिस छावनी बना दिया है। जबर्दस्ती कार्यक्रम स्थल पर जाने से रोका जा रहा है। उनके ट्विटर हैंडलर से आखिरी ट्वीट में कहा गया कि भीम आर्मी प्रमुख चन्द्रशेखर को हैदराबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

झारखंड में 28 को हेमंत मंत्रिमंडल का विस्तार, 8 मंत्री लेंगे शपथ

रांची । झारखंड कैबिनेट का विस्तार 28 जनवरी को होगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंत्रिमंडल विस्तार के लिए राज्यपाल द्रौपदी मूर्मू से समय मांगा है। बताया गया है कि राज्य में हालिया दिनों में हुई हिंसा की घटनाओं से व्यथित सीएम ने गणतंत्र दिवस समारोह के बाद राज्यपाल से मंत्रिमंडल विस्तार के लिए 28 जनवरी की तिथि तय करने का आग्रह किया है। इस दिन राजभवन में झामुमो और कांग्रेस कोटे के कुल आठ मंत्रियों को शपथ दिलाई जाएगी।

इससे पहले बीते 24 जनवरी को मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाना था, लेकिन सीएम हेमंत सोरेन ने गुदड़ी नरसंहार और लोहरदगा हिंसा को लेकर इसे टाल दिया था। अब तक सीएम के अलावा झारखंड कैबिनेट में कांग्रेस के दो मंत्री आलमगीर आलम और रामेश्वर उरांव तथा राजद के मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने शपथ ली है। हालांकि इन मंत्रियों के विभागों का बंटवारा अब तक नहीं हुआ है।

राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने पश्चिमी सिंहभूम के गुदड़ी में हुए नरसंहार मामले में डीजीपी कमल नयन चौबे को राजभवन बुलाया। राज्यपाल ने उनसे इस हत्याकांड में अबतक की कार्रवाई की जानकारी ली तथा आरोपी लोगों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई का निर्देश दिया।

भारत में कभी भी मुसलमानों का नहीं हुआ उत्पीड़न, CAA के खिलाफ दुष्प्रचारः संघ

(विशेष संवाददाता)

नागपुर । राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के महासचिव भैयाजी जोशी ने रविवार को संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ गलत जानकारियां फैलाने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि भारत में कभी भी मुसलमानों का उत्पीड़न नहीं हुआ है। वह 71वें गणतंत्र दिवस के मौके पर संघ मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद संबोधित कर रहे थे।

RSS के महासचिव जोशी ने **CAA** को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि इस्लाम के अनुयायियों को आज तक इस देश में किसी भी तरह के उत्पीड़न का सामना नहीं करना पड़ा है। विदेश से कोई भी नागरिक आता है... भले ही वह मुस्लिम क्यों न हो, वह पहले से बने कानून के हिसाब से नागरिकता हासिल कर सकता है। ऐसे में संशोधित नागरिकता कानून को लेकर कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

भैयाजी जोशी ने कहा कि

CAA के खिलाफ बिना सोचे बिचारे ही फेक न्यूज फैलाई जा रही है। यदि सीएए के पीछे की भावना को सही तरीके से समझा जाता तो इस कानून को किसी भी विरोध का सामना नहीं करना पड़ता। हालांकि, सरकार ने बारबार इस मसले पर सफाई दिया है लेकिन अलगअलग समूह अब भी इसके खिलाफ माहौल बनाने में जुटे हुए हैं। देश की संसद ने इस कानून को पारित किया है इसलिए सभी को इसे स्वीकार करना चाहिए।

RSS के महासचिव जोशी ने लोगों से गलत जानकारियों से बचने की अपील करते हुए कहा कि पहले भी सरकारों ने नागरिकता कानून में बदलाव किया है। यह देश के लिए अनिवार्य है कि कोई भी विदेशी भारत में न रहे। यह कानून केवल पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के हिंदुओं के लिए ही नहीं वरन जैन, सिख, बौद्ध और ईसाईयों को भी नागरिकता देने की सहूलियत देता है। ऐसे में इस कानून के खिलाफ हिंसा फैलाना अच्छी बात नहीं है।

कश्मीर में कभी नहीं हो सकता जनमत संग्रहः PDP नेता

श्रीनगर जम्मूकश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती के करीबी और पीपल्स डेमॉक्रेटिक पार्टी के वरिष्ठ नेता मुजफ्फर हुसैन बेग ने शनिवार को एक बड़ा बयान दिया है। बेग ने कहा कि जम्मूकश्मीर में किसी भी कीमत पर जनमत संग्रह नहीं कराया जा सकता है। पाकिस्तान और अमेरिका ने भी यह स्वीकार किया है कि यह राज्य भारत देश का अभिन्न हिस्सा है।

बता दें कि मुजफ्फर हुसैन बेग को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म भूषण से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है। रविवार को गणतंत्र दिवस के मौके पर मीडिया से बातचीत में पीडीपी नेता मुजफ्फर हुसैन बेग ने कहा कि जम्मूकश्मीर में कभी भी जनमत संग्रह नहीं कराया जा सकता।

पाकिस्तान के पीएम इमरान खान और अमेरिका के राष्ट्रपति भी भारत से यह कह रहे हैं कि वह जम्मूकश्मीर को स्वायत्तता दे। इसका मतलब है कि वह भी यह मान चुके हैं कि यह प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है। हमारी मांग है कि जम्मूकश्मीर को वह दिया जाए, जिसके लिए वह संविधान के अनुसार अधिकारी है।

पद्म भूषण से किए जाएंगे सम्मानित

बता दें कि पीडीपी के वरिष्ठ नेता मुजफ्फर हुसैन बेग को केंद्र सरकार की ओर से पद्म भूषण से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है। बेग ने कहा कि यह सम्मान जम्मूकश्मीर के लोगों को दिया गया है, ना कि उन्हें। बेग पूर्व में जम्मूकश्मीर के डेप्युटी सीएम भी रहे हैं और उन्होंने फ्ती मोहम्मद सईद के साथ मिलकर पीपल्स डेमॉक्रैटिक पार्टी की स्थापना की थी। पेशे से वकील बेग 2014 में बारामुला लोकसभा सीट से सांसद बने थे।

आज संविधान खतरे में है, देश को दोबारा नहीं बंटने देंगेः यशवंत सिन्हा

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ मुंबई से गांधी शांति यात्रा लेकर निकले पूर्व वित्तमंत्री यशवंत सिन्हा रविवार (26 जनवरी) को सैफई पहुंचे। इस दौरान उन्होंने यहां पर आयोजित गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि देश को दोबारा नहीं बंटने देंगे। यशवंत सिन्हा ने समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव के साथ 158 फुट ऊंचा तिरंगा झंडा फहराया। यशवंत सिन्हा ने कहा, हम लोग गांधीजी के सत्य, शांति और अहिंसा का संदेश लेकर यात्रा पर निकले हैं। इस यात्रा पर निकलने की इसलिए आवश्यकता पड़ी, क्योंकि आज देश का संविधान और गणतंत्र खतरे में है।

उन्होंने कहा कि आज जिस गणतंत्र और संविधान को 26 जनवरी, 1950 को बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के साथियों ने देश को दिया था, वह संविधान खतरे में है। सिन्हा ने कहा, हमारा गणतंत्र खतरे में है, इसलिए गांधी शांति यात्रा की जरूरत आ पड़ी। पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, देश को धर्म के नाम

पर बांटने की कोशिश हो रही है। लेकिन हम इसे दोबारा बंटने नहीं देंगे।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, हमारे भारत के लोगों में नफरत की खाई पैदा हो रही है, उसको कैसे दूर किया जाए। लोकतंत्र में अपनी बात सभी को कहने का अधिकार है, अगर हम किसी बात से असहमत हैं तो सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि सुनवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने लोगों के अंदर डर पैदा कर दिया है।

सपा प्रमुख ने प्रश्न किया, ये लोग देश को किस रास्ते पर लेकर जा रहे हैं? एक वह (महात्मा गांधी) थे, जो लाठी लेकर गुजरात से चले थे और यमुना के किनारे आखिरी सांस ली थी और ये लोग (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री शाह) निकले तो गुजरात से हैं और यमुना किनारे बैठे हैं। लेकिन ये लोग देश को बांटने का काम करना चाहते हैं।

मदद करने की स्थिति में नहीं है मोदी सरकार

दबाव में हैं बैंक, विदेशी निवेशक भी परेशान हैंः अभिजीत

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी ने रविवार को कहा कि देश में बैंकिंग क्षेत्र दबाव में है और सरकार प्रोत्साहन पैकेज देकर इसे संकट से बाहर निकालने की स्थिति में नहीं है। जयपुर साहित्य महोत्सव के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में बनर्जी ने कहा कि वाहन क्षेत्र में मांग में नरमी से भी पता चलता है कि लोगों में अर्थव्यवस्था को लेकर भरोसे की कमी है।

संकट से उबार पाने की स्थिति में नहीं सरकार

उन्होंने कहा, ''वित्तीय क्षेत्र फिलहाल सबसे बड़ा दबाव वाला केंद्र है। बैंक क्षेत्र दबाव में है और यह चिंता वाली बात है। वास्तव में सरकार प्रोत्साहन पैकेज देकर इसे संकट से उबार पाने की स्थिति में नहीं है...।'' बनर्जी ने कहा, ''हम यह भी जानते हैं कि अर्थव्यवस्था में मांग में कमी के कारण कार और दोपहिया वाहनों की बिक्री नहीं हो रही। यह सब संकेत है कि लोगों को

अर्थव्यवस्था में तीव्र वृद्धि होने के अनुमान पर भरोसा नहीं है। इसीलिए वे खर्च नहीं कर रहे हैं।''

'गुड इकोनॉमिक्स फॉर हार्ड टाइम' के लेखक ने यह भी कहा कि अर्थव्यवस्था में नरमी का देश में गरीबी उन्मूलन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा क्योंकि शहरी और गरीबी क्षेत्र आपस में जुड़े हैं।

उन्होंने कहा, ''गरीबी उन्मूलन इस आधार पर होता है कि शहरी क्षेत्र कम कौशल वाला रोजगार सृजित करता है और गांवों के लोगों को शहरी क्षेत्र में ऐसे रोजगार मिलते हैं, जिससे पैसा वापस गांव में आता है।''

विदेशी निवेशक भी परेशान हैं

भारतीयअमेरिकी अर्थशास्त्री ने कहा, ''इस प्रकार से शहरी क्षेत्र से वृद्धि ग्रामीण क्षेत्र में जाती है, और जैसे ही शहरी क्षेत्र में नरमी आती है, गांवों पर असर पड़ता है।

गांवों के लोगों को निर्माण क्षेत्र में रोजगार नहीं मिलता और इसका असर ग्रामीण क्षेत्र पर पड़ता है।'' यह पूछे जाने पर कि अगर लोगों का आंकड़ों को लेकर भरोसा नहीं है, आर्थिक नीतियां कैसे काम करेंगी, उन्होंने कहा, ''सरकार को इस मुद्दे को लेकर चिंतित होना चाहिए। इससे विदेशी निवेशक भी परेशान हैं।''

बनर्जी ने कहा, ''उन्हें नहीं पता कि वे कहां जा रहे हैं...मेरा मतलब है कि ये वास्तविक मसले हैं और सरकार को इस पर गौर करना चाहिए। यदि वह निवेश आकर्षित करने के साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था में शामिल होना चाहती है, तब लोगों को सही आंकड़ा उपलब्ध कराना जरूरी है।''